बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

बालाघाट

सोमवार 25 अगस्त 2025

भाद्रपद शुक्ल 02 विक्रम सम्वत 2082

वर्ष 16, अंक 331

पृष्ठ 12

मूल्य ₹ 7.00

E-mail: balaghatexpress@gmail.com

/padmeshmedia /padmeshmedia

epaper.balaghatexpress.in

मानसून का सितम...राजस्थान के बूंदी में घरों में चंबल का पानी घुसा, जम्मू आईआईएम कैंपस में पानी भरा, यूपी में नदी-नाले उफान पर

नर्मदा उफनी, बाढ़ के हालात

डिंडौरी में नर्मदा घाट डूबे, श्योपुर में गर्भवती का बोट से रेस्क्यू, सतना में बाढ़

नई दिल्ली/भोपाल/लखनऊ। देश के कई राज्यों में बाढ़-बारिश का कहर जारी है। राजस्थान में लगातार बारिश होने से कोटा, बूंदी, सवाई माधोपुर और टोंक में बाढ़ जैसी स्थिति है। बूंदी में चंबल का पानी घरों में घुस गया। स्टेट हाईवे की सडक् उखड़ गई। सवाई माधोपुर में जमीन का बढ़ा हिस्सा धंस गया है। राहत-बचाव के लिए सेना बुलाई गई है। एयरफोर्स का एमआई-17 हेलिकॉप्टर भी तैनात किया गया है। मानसून ट्रफ और साइक्लोनिक सर्कुलेशन (चक्रवात) की वजह से मप्र में तेज बारिश का दौर जारी है। डिंडौरी में नर्मदा का जलस्तर बढने् से इमली कुटी घाट में फंसे 6 गोवंश को रस्सी की मदद से सुरक्षित निकालते युवक। डिंडौरी-अमरपुर मार्ग में खरमेर नदी में पुल पर पानी होने की वजह से रास्ता बंद हो चुका है। अमरपुर पुलिस भी मौके पर मौजूद है। सतना शहर में कई इलाकों में जलभराव हो गया। निचली बस्तियों में लोगों के घरों के अंदर तक पानी घुस गया। लोग परेशान हो रहे। उमरिया की उमडार नदी का जलस्तर बढने् से पुल-पुलियों से ऊपर से पानी बह रहा है। लालपुर-जिला मुख्यालय का संपर्क टूटा।

जम्मू-कश्मीर में तेज बारिश के चलते इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इंटीग्रेटिव मेडिसिन कैंपस परिसर में पानी भर गया। हॉस्टल की बिल्डिंग एक मंजिल तक डूब गई। बिल्डिंग के ऊपरी हिस्से में फंसे 150 स्टूडेंट्स को एसडीआरएफ की टीम ने रेस्क्यू किया। यूपी में भी बारिश से डैम, नदियां और नाले उफान पर हैं। अब तक 8 बांधों के गेट खोले जा चुके हैं। मिर्जापुर में अहरौरा बांध ओवरफ्लो हो गया है। इसके चलते 9 साल बाद 22 गेट खोलने पड़े। प्रदेश में 20 से ज्यादा गांवों में बाढ़ जैसी स्थिति बन गई। कई खेत पानी में डूब गए। पिछले 24 घंटे के दौरान 32 से ज्यादा जिलों में बारिश का दौर रहा। सबसे ज्यादा सीधी में 6.7 इंच पानी गिरा। सतना में 3.7 इंच, शिवपुरी में 2.6 इंच, दतिया में 2.1 इंच, उमरिया, मंडला और खजुराहो में 1.7, नौगांव में 1.5 इंच, रीवा में 1.4 इंच, जबलपुर-पचमढ़ी में 1.1 इंच, ग्वालियर और नर्मदापुरम में 1-1 इंच पानी गिर गया। इसके अलावा भोपाल, बैतूल, नरसिंहपुर, खंडवा, गुना, रतलाम, श्योपुर, रायसेन, टीकमगढ़, दमोह, सागर, उज्जैन, इंदौर, बालाघाट, छिंदवाड़ा, शाजापुर, सीहोर, विदिशा, राजगढ़, आगर-मालवा, देवास में भी बारिश का दौर बना रहा। मौसम वैज्ञानिक अरुण शर्मा ने बताया कि प्रदेश में अब तक औसत 34.2 इंच बारिश हो चुकी है। 2.8 इंच पानी और गिरते ही सीजन की बारिश का कोटा फुल हो जाएगा। गुना में औसत 52 इंच पानी गिर चुका है। वहीं, मंडला और अशोकनगर में आंकड़ा 50 इंच से ज्यादा है।

राजस्थान के आठ जिलों में बाढ़ जैसे हालात, एनडीआरएफ टीम की गाड़ी पलटी

राजस्थान के आठ जिलों में बारिश और बाढ़ से हालात बहुत खराब हैं। कोटा, सवाई माधोपुर, टोंक और बूंदी में सबसे ज़्यादा लोगों को मुसीबत का सामना करना पड़ रहा है। फिलहाल एसडीआरएफ, एनडीआरएफ के साथ राहत बचाव कार्य के लिए सेना को उतारा गया है। बारिश से सवाईमाधोपुर और बूंदी में सबसे ज्यादा परेशानी हो रही है। 30 से ज्यादा गांव सवाईमाधोपुर में जलमग्न हैं। इन गांवों का मुख्य शहर से संपर्क कट गया है। बाढ़ के चलते राजस्थान को मध्य प्रदेश से जोड़ने वाला राजमार्ग भी डूब गया। सवाईमाधोपुर में भी सेना की तैनाती की गई है। एक लाख से ज्यादा लोग सवाई माधोपुर में प्रभावित हुए हैं।

सवाई माधोपुर जिले में दो दिनों से लगातार भारी बरसात के चलते बाढ़ जैसे हालात बने हुए हैं। कई इलाकों में बाढ़ में फंसे लोगों को निकालने के लिए एनडीआरएफ की टीम लगातार कई इलाकों में जा रही है, लेकिन शनिवार को अचानक एनडीआरएफ की टीम बाढ़ प्रभावित इलाके में हादसे का शिकार हो गई। टीम ट्रैक्टर-ट्राली में सवार होकर बाढ़ प्रभावित इलाके में जा रही थी।

महिष्मति घाट का रपटा पुल डूबा

मंडला जिले में पिछले 24 घंटों में 1.69 इंच बारिश दर्ज की गई है। घुघरी तहसील में सबसे अधिक 3 इंच वर्षा हुई। लगातार बारिश के कारण नर्मदा नदी का जलस्तर बढक़र 437.13 मीटर तक पहुंच गया है। यह वार्निंग लेवल से ऊपर है। इसके चलते महिष्मती घाट का छोटा रपटा पुल जलमग्न हो गया है। डिंडौरी-अमरपुर मार्ग पर खरमेर नदी में पुल पर पानी होने की वजह से रास्ता बंद हो चुका है। अमरपुर पुलिस मौके पर मौजूद है।

तवा डैम के गेट 5 फीट तक खुले

इटारसी के तवा डैम के गेट भी खुले हुए हैं। तीन गेटों को 5 फीट तक खोला गया है, जिनसे करीब 25,000 क्यूसेक पानी नर्मदा नदी में छोड़ा जा रहा है। इटारसी सहित आसपास के क्षेत्रों में पिछले 24 घंटे में 23 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। वहीं, 15 जून से 24 अगस्त तक कुल 39 इंच बारिश हो चुकी है। मुरैना के झुंड पुरा इलाके के करजोनी घाट पर स्थित बाबू महाराज मंदिर पर फंसे श्रद्धालुओं का रेस्क्यू किया गया। इनमें मुरैना सहित ग्वालियर और राजस्थान के रहने वाले भी थे। तेज बहाव में फंसने के बाद झुंडपुरा चौकी प्रभारी ऋषी शर्मा को फोन कर सूचना दी गई तब एनडीआरएफ की मदद से रेस्क्यू हुआ।

गुना में सबसे ज्यादा पानी गिरा

इस बार बारिश के मामले में गुना अव्वल है। यहां औसत 52 इंच पानी गिर चुका है। मंडला-अशोकनगर में 50 इंच से ज्यादा बारिश हुई है। वहीं, टीकमगढ़ में 47.3 इंच और निवाड़ी में 46.7 इंच बारिश हो चुकी है। प्रदेश में 16 जून को मानसून ने आमद दी थी। तब से अब तक औसत 34.2 इंच बारिश हो चुकी है। अब तक 27.8 इंच पानी गिरना था। इस हिसाब से 6.4 इंच पानी ज्यादा गिर चुका है। प्रदेश की सामान्य बारिश औसत 37 इंच है यानी अब तक 92 प्रतिशत पानी गिर चुका है।

पशुपतिनाथ मंदिर की छोटी पुलिया जलमग्न

मंदसौर में शिवना नदी का जलस्तर बढने् और कालाभाटा डैम के 2 गेट खोले जाने से पशुपतिनाथ मंदिर की छोटी पुलिया जलमग्न है। रामघाट बांध के लगभग 10 फीट ऊपर से पानी बह रहा है। मंदसौर शहर के साथ मल्हारगढ़, पिपलिया मंडी, नारायणगढ़, दलोदा, सीतामऊ सहित आसपास के क्षेत्रों में जबरदस्त बारिश हो रही है। सतना जिले के तराई अंचल में पूरी रात हुई बारिश के बाद चित्रकूट स्थित गुप्त गोदावरी में बाढ़ के हालात पैदा होने से गुफा बंद करा दी गई है। पहाड़ी से पानी का बहाव काफी तेज है।

खास खबर

फिर बादल फटने के संकेत! जम्मू-कश्मीर में अगले 48 घंटे बेहद भारी

जम्मू। जम्मू और कश्मीर आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (जेकेयूटीडीएमए) ने चेतावनी जारी की है कि अगले 48 घंटों में जम्मू-कश्मीर के कई इलाकों में भारी बारिश होने की संभावना है। विशेष रूप से अनंतनाग, कुलगाम, डोडा, जम्मू, कठुआ, किश्तवाड़, पूंछ, राजौरी, रामबन, रीसी, सांबा और उधमपुर जिलों में तेज बारिश का अनुमान है। जम्मू डिवीजन में अधिकारियों ने क्लाउडबर्स्ट, फ्लैश फ्लड और भूस्खलन की आशंका जताई है। इस संबंध में नागरिकों से सतर्क रहने और सुरक्षित रहने की अपील की गई है। आपातकालीन स्थिति में लोग 112 नंबर पर संपर्क कर सकते हैं। अधिकारियों ने विशेष रूप से नदी के किनारे रहने वाले और पहाड़ी क्षेत्रों में निवास करने वाले लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। यात्रियों को भी असुरक्षित क्षेत्रों से बचने और मौसम की ताजा जानकारी लेते रहने का निर्देश दिया गया है।

सीरियाई नागरिक गिरफ्तार, हो रही जांच

अहमदाबाद। गुजरात के अहमदाबाद में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दौरे से पहले क्राइम ब्रांच ने एलिसब्रिज रीगल होटल से एक सीरियाई नागरिक को गिरफ्तार किया। उसकी पहचान 23 साल के अली मेघात अल-अजहर के रूप में की गई है। क्राइम ब्रांच के जाइंट पुलिस कमिश्नर शरद सिंघल ने बताया कि अली के पास से 3600 अमेरिकी डॉलर और 25 हजार भारतीय कैश मिला है। उसके शरीर पर गोलियों सहित चोट के कई निशान पाए गए हैं। उसके मोबाइल में गाजा में भुखमरी और वहां के लोगों पर हो रहे अत्याचार के वीडियो भी मिले हैं।

ऑनलाइन गेमिंग घोटाले में कांग्रेस विधायक को बेंगलुरु लाई ईडी

बेंगलुरु। सिक्किम में ऑनलाइन गेमिंग घोटाले में मुख्य आरोपी के तौर पर सामने आए कांग्रेस विधायक केसी वीरेंद्र पप्पी को लेकर ईडी बेंगलुरु ले आई है। पप्पी पर ईडी ने शनिवार को अवैध धन हस्तांतरण और अवैध संपत्ति से जुड़े आरोपों के चलते गिरफ्तार किया था। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक वीरेंद्र पप्पी को रविवार सुबह सिक्किम से विशेष विमान से बेंगलुरु लाया गया। जैसे ही पप्पी विमान से एयरपोर्ट पर उतरे पहले से तैनात ईडी की विशेष टीम ने उन्हें अपनी हिरासत में ले लिया। एयरपोर्ट पर कड़ी पुलिस सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। ईडी के अधिकारियों ने पप्पी को गुपचुप तरीके से अपनी गाड़ी में बैठाया और सीधे बेंगलुरु रवाना हो गई।

पुजारा क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से रिटायर

नई दिल्ली। बल्लेबाज चेतेश्वर पुजारा ने इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया है। उन्होंने रविवार को सोशल मीडिया पर रिटायरमेंट की जानकारी दी। पुजारा ने अपना आखिरी इंटरनेशनल मैच जून 2023 (टेस्ट) में खेला था। उनका इंटरनेशनल करियर 15 साल का रहा। इंटरनेशनल क्रिकेट में पुजारा ने साल 2010 में डेब्यू किया था। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ बेंगलुरु में डेब्यू किया था, जो कि एक टेस्ट मैच था। टेस्ट क्रिकेट में पुजारा ने 103 मैच की 176 पारियों में 43.60 की औसत से 7,195 रन बनाए। इस दौरान 19 शतक और 35 अर्धशतक लगाए हैं। उनका बेस्ट स्कोर 206 रन रहा है। हालांकि, वनडे में उन्होंने 5 मैच खेले और 10.20 की औसत के साथ कुल 51 रन बनाए थे, जिसमें उनका बेस्ट 27 रन था। वे कोई टी-20 इंटरनेशनल मुकाबला नहीं खेल सके थे।

ऑल इंडिया स्पीकर्स कॉन्फ्रेंस में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा

भारत में एक बूंद खून बहाए बिना सत्ता परिवर्तन होता रहा है

नई दिल्ली । गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को दिल्ली विधानसभा में ऑल इंडिया स्पीकर्स कॉन्फ्रेंस का उद्घाटन किया। इस अवसर पर अमित शाह ने अपने संबोधन में कहा कि जब हमारा देश आजाद हुआ तो चर्चा होती थी। लोग माखौल उड़ाते थे कि देश कैसे चलाएंगे। मगर आज मैं गौरव के साथ इस ऐतिहासिक सदन में कह रहा हूं कि हमने 80 साल में लोकतंत्र की नींव को पाताल से गहरा डालने का काम किया है। और हमने सिद्ध किया है कि भारतीय जनता की रग-रग में, भारतीय जनता के स्वभाव में लोकतंत्र है। क्योंकि, कई देश हमने देखें हैं, जिनकी शुरुआत तो लोकतांत्रिक तरीके से हुई। मगर एक दशक, दो दशक, तीन दशक, चार दशक होते होते लोकतंत्र की जगह अलग-अलग प्रकार का काम होने लगा। कई सारे देशों में परिवर्तने के लिए खून बहा, युद्ध और विद्रोह हुए। खून बहा। लेकिन भारत एकमात्र ऐसा देश हैं, जहां आजादी के 80 साल बाद भी संवैधानिक तरीके और बिना खून की एक बूंद बहाए बिना सत्ता परिवर्तन होते रहे हैं।

यह कॉन्फ्रेंस दो दिन चलेगी। इसमें 29 राज्यों की विधानसभाओं के स्पीकर और छह राज्यों की विधान परिषदों के सभापति और उपसभापति शामिल हुए। कॉन्फ्रेंस में अलावा राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश, लोकसभा की पूर्व अध्यक्ष मीरा कूमार और कई केंद्रीय कैबिनेट मंत्री भी शामिल होंगे। दिल्ली विधानसभा स्पीकर विजेंदर गुप्ता ने बताया कि 24 अगस्त, 1925 को विट्ठलभाई पटेल सेंट्रल असेंबली के पहले भारतीय स्पीकर चुने गए थे। इसके 100 साल पूरे होने पर यह कॉन्फ्रेंस हो रही है।

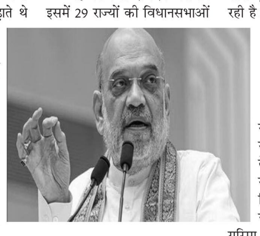

विधानसभाओं की गरीमा बनाए रखना जरूरी

शाह ने कहा कि अपने राजनीतक हितों के लिए संसद में वाद-विवाद न होने देना गलत है। पूरे-पूरे दिन सत्र को न चलने देने पर हमें विचार करना होगा। जब-जब भी सभाओं ने अपनी गरिमा खोई है तो बहुत बुरे परिणाम हमें भुगतने पड़ें हैं। इस मौके पर मैं आपको महाभारत की हस्तिनापुर की सभा का उदाहरण देना चाहता हूं। जब सभा में स्त्री का सम्मान नहीं हुआ, तब ही महाभारत हुई थी। सभाओं की गरिमा देश के हित में जनता की आवाज बनने का माध्यम होना चाहिए। इसलिए सभापति को हमारे यहां इंस्टीट्यूशन का स्टेटस दिया गया है। सभापति अपने आपमें एक संस्था होता है। सभापति चुनकर तो आते हैं एक राजनीतिक दल से। वे आते तो हैं एक राजनीतिक विचारधारा से संबंध होकर। लेकिन सभापति की शपथ लेते ही उनको अंपायर के नाते काम करना होता है। इसलिए सबसे कठिन भूमिका पूरी असेंबली में किसी को होती है तो वो सभापति की होती है। शाह ने कहा कि मैं आज गौरव के साथ कह सकता हूं भारतीय आजादी के इस 80 साल में और हमारे संविधान के 75 साल में हमारे देश भर की असेंबलीज, विधानसभाएं और लोकसभा में हमेशा सभापतियों ने विधानसभा और लोकसभा में भारत के गौरव को आगे बढ़ाने का काम किया है। और हमारे लोकतंत्र को हमने मजबूत किया है।

मेरे समुदाय के लोग भी मेरे फैसले की कर रहे आलोचना- सीजेआई गवई

पणजी। भारत के मुख्य न्यायाधीश बी आर गवई ने कहा है कि उन्हें अनुसूचित जातियों के आरक्षण में उपवर्गीकरण पर दिए गए अपने फैसले को लेकर भारी आलोचना का सामना करना पड़ा है। यहां तक कि उनकी ही जाति के लोग उनके खिलाफ खड़े हो गए हैं। गोवा हाई कोर्ट बार एसोसिएशन द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में बोलते हुए सीजेआई गवई ने कहा कि मेरे समुदाय के लोगों ने भी इस फैसले की आलोचना कर रहे हैं, लेकिन मैं मानता हूं कि मुझे अपने फैसले जनता की अपेक्षाओं के मुताबिक नहीं, बल्कि कानून की समझ और अपनी अंतरात्मा से लिखने होते हैं।

बता दें अगस्त 2024 में सुप्रीम कोर्ट की सात जजों की संवैधानिक पीठ ने 6-1 के बहुमत से फैसला सुनाया था कि अनुसूचित जातियां सामाजिक रूप से एक समान वर्ग नहीं हैं और राज्यों को उनमें उपवर्गीकरण करने का अधिकार है, ताकि सबसे वंचित तबकों को आरक्षण का लाभ मिल सके। गवई ने कहा कि आरक्षण से 'क्रीमी लेयर' को बाहर करने की उनकी राय पर भी सवाल उठाए गए हैं। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि क्या मुंबई या दिल्ली के बेहतरीन स्कूलों में पढ़ने वाले किसी आईएएस अधिकारी के बेटे-बेटी की तुलना उस मजदूर या किसान के बच्चे से की जा सकती है जो गांव की जिला परिषद या ग्राम पंचायत स्कूल में पढ़ रहा है? उन्होंने कहा कि संविधान का अनुच्छेद 14 सभी के बीच समानता नहीं, बल्कि असमानों के बीच असमान व्यवहार कर उन्हें समान बनाना सुनिश्चित करता है। सीजेआई गवई ने सुप्रीम कोर्ट के उस हालिया फैसले का भी जिक्र किया जिसमें अवैध बुलडोजर कार्रवाई रोकने और नियमित प्रक्रिया का पालन करने के लिए दिशा-निर्देश जारी किए गए थे।

कुछ ना कहना

सुप्रीम कोर्ट ने कभी नहीं कहा कि एसआईआर के लिए आधार कार्ड मान्य होगा- भाजपा

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने उन दावों को खारिज कर दिया है जिसमें कहा जा रहा था कि एसआईआर के लिए आधार कार्ड को मान्यता दी गई है। भाजपा आईटी सेल के अध्यक्ष अमित मालवीय ने सुप्रीम कोर्ट के 22 अगस्त के आदेश के बाद फैली कई गलत व्याख्याओं पर स्पष्टता दी है, खासकर आधार से संबंधित त्रुटिपूर्ण दावे के संदर्भ में। मालवीय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए स्पष्ट किया कि सुप्रीम कोर्ट ने कभी ये नहीं कहा, न ही इशारा किया कि एसआईआर के लिए आधार कार्ड को मान्य दस्तावेज के रूप में माना जाए। उन्होंने कहा, बार-बार न्यायालय की पॉइंट 9 को पढ़ें, कहीं ऐसा मार्गदर्शन नहीं है।

असल में, यह वही सुप्रीम कोर्ट की बेंच थी, जिसने 12 अगस्त को स्पष्ट किया था कि आधार नागरिकता साबित करने वाला वैध दस्तावेज नहीं है। अमित मालवीय ने चेतावनी दी है कि सुप्रीम कोर्ट को बिना बताए कुछ कहना अदालत का अपमान हो सकता है। उन्होंने मीडिया, राजनीतिक दलों और एक्टिविस्ट्स से अपील की कि वे कोर्ट के शब्दों का गलत प्रचार न करें। मालवीय ने कहा कि कोर्ट ने बताया कि 84,305 नामों के विरुद्ध आपत्तियां सीधे मतदाताओं से मिलीं। वहीं 2,63,257 नए मतदाताओं ने अपनी नामांकन फॉर्म जमा किए। अगर कोई राजनीतिक दल पंजीकृत मतदाता सूची में गलत नाम या छूटे नाम देखता है, तो उसे संबंधित ईआरओ को समय सीमा में लिखित रूप में जानकारी देनी होगी।

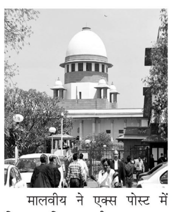

मालवीय ने एक्स पोस्ट में लिखा कि राष्ट्रीय मतदाता पंजीकरण अधिनियम, 1950 की धारा 16 बताती है कि कोई व्यक्ति वोटर सूची में तभी शामिल हो सकता है, जब वह भारतीय नागरिक हो, मानसिक रूप से स्वस्थ हो, और किसी चुनाव या भ्रष्टाचार अपराध के तहत अयोग्य घोषित न हो। अमित मालवीय ने आधार अधिनियम का जिक्र करते हुए कहा कि आधार अधिनियम सिर्फ पहचान और निवास प्रमाण के लिए है, नागरिकता या निवास की पुष्टि का प्रमाण नहीं है। इसका मतलब है कि यदि आधार को ही वोटर सूची में शामिल होने के लिए पर्याप्त माना जाए, तो धारा 16 और आधार अधिनियम दोनों ही निरर्थक हो जाएंगे।

मालवीय ने पॉइंट 7 का हवाला देते हुए कहा कि 1,60,813 बीएलए नियुक्त किए गए, पर सिर्फ 2 आपत्तियां मिलीं। कुछ दलों ने अदालत में कहा कि उनके बीएलए को आपत्तियां दर्ज करने की अनुमति तक नहीं दी जा रही। सुप्रीम कोर्ट ने इस निष्क्रियता पर आश्चर्य जताया। मालवीय ने एक्स पोस्ट में बिहार में हो रहे मतदाता पुनरीक्षण के तथ्यों के बारे में कुछ इस प्रकार से लिखा। 65 लाख नाम हटा दिए गए, जिनमें मृत, फर्जी, बांग्लादेशी और रोहिंग्या नाम शामिल हैं। कोर्ट ने निर्देश दिया कि सूची प्रकाशित की जाए, ताकि वास्तविक मतदाता शिकायत कर शामिल हो सकें। 22 दिनों में सिर्फ 84,305 आपत्तियां आईं, जो कुल 65 लाख का केवल 1.13 प्रतिशत है। यह वोट चोरी का दावा असंभव बनाता है। सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया कि हर बीएलए प्रतिदिन कम से कम 10 वास्तविक मतदाताओं को पुन: सूची में शामिल करे। एसआईआर प्रक्रिया कायम है। आधार अकेले किसी को मतदाता सूची में शामिल नहीं कर सकता। डेड, फर्जी, बांग्लादेशी और रोहिंग्या नाम हटाए जाएंगे। केवल भारतीय नागरिक ही अगली सरकार का निर्वाचन कर सकेंगे।

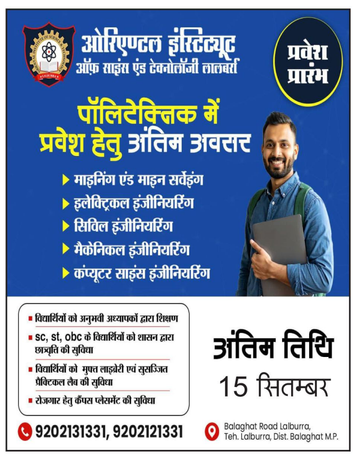

कटंगी क्षेत्र में मनाई गई नारबोद

कटंगी(पद्मेश न्यूज)। खेती-किसानी से जुड़े पोले पर्व के ठीक दूसरे दिन कटंगी सहित समूचे बालाघाट जिले में नारबोद का पर्व बेहद धूमधाम और उत्साह के साथ मनाया गया. जिले में नारबोद पर्व को मिनी होली भी कहा जाता है. दरअसल, नारबोद को विसर्जित और दहन की प्रक्रिया सुबह 05 बजे से शुरू होकर सुबह 10 बजे तक पूरी हो जाती है लेकिन इस पर्व का असर पूरा दिन देखने को मिलता है जिस कारण इसे मिनी होली कहा जाता है. रविवार को नारबोद के दिन सुबह ही शहर से लेकर ग्रामीण अंचलों में घेऊन जाई रे नारबोद के उद्घोष सुनाई दिए. कटंगी शहर वार्ड क्रमांक 06 और 07 से परंपरागत रूप से विशाल नारबोद के पुतले शहर के भ्रमण के लिए निकाले. बाजे-गाजे के साथ नारबोद को पूरे शहर का भ्रमण करवाने के बाद सिवनी रोड़ स्थित शमशामघाट में ले जाकर दहन किया गया. इसके अलावा बड़ी संख्या में लोगों ने अपने घरों में मिट्टी की नारबोद भी बनाई जिसे नदी और तालाब में प्रवाहित किया गया. प्राचीन मान्यताओं पर आधारित नारबोद का यह पर्व गांव और नगर की सीमाओं से मौसमी बीमारियों और नकारात्मक शक्तियों को बाहर करने के लिए प्रतीकात्मक रूप से पोले के ठीक दूसरे दिन मनाया जाता है. यहीं वजह है कि जब लोग नारबोद के पुतले को गांव के बाहर लेकर जाते है तो खांसी-खोखला,

ढेकल-मोंगसा घेऊन जाई रे नारबोद के नारे लगाते है. ग्रामीण इलाकों में किसान नारबोद को प्रवाहित करने या जलाने के बाद अपने खेत में गराड़ी के पेड़ की टहनियों को लाकर खेतों में लगाते है और अच्छी फसल की ईश्वर से मनोकामना करते है. इन टहनियों की पत्ती को सोना पत्ती भी कहा जाता है जिसे लेकर बच्चों से लेकर बुर्जुग घर-घर जाते है और नारबोद की बधाई देते है बदले में उन्हें भी कुछ दिया जाता है. लोक मान्यता के अनुसार, भगवान कृष्ण ने इसी दिन पूतना का वध किया था, जिससे आसुरी शक्तियों का नाश हुआ। नारबोद के एक दिन पहले पोला पर्व मनाया जाता है. इस पर्व के दिन पशु पालक और किसान पशुधन की पूजा अर्चना करते है. गांव की सीमाओं में पशुधन बैलों को सजा धजाकर एक साथ कतारबृद्ध खड़ा किया जाता है जहां पूरा गांव इनकी पूजा अर्चना करता है. कृषि कार्य में पशुधन के महत्व और उनके प्रति कृतज्ञता प्रकट करने के लिए पोला पर्व मनाया जाता है. हालांकि अब खेती में अत्याधिक मात्रा में आधुनिक मशीनों का उपयोग होना लगा है लेकिन वर्षों से चली जा रही पोला पर्व की परंपरा आज भी बालाघाट जिले में बरकरार है. गौरतलब हो कि मूलत: महाराष्ट्र में पोला और नारबोद का पर्व मनाया जाता है लेकिन महाराष्ट्र के नागपुर, गोंदिया और तुमसर से जुड़े होने के कारण बालाघाट जिले में भी इस पर्व को बेहद उत्साह के साथ मनाया जाता है. प्राचीन मान्यता के अनुसार बारिश के इस मौसम में मौसमी बीमारियों व महामारी का खतरा रहता है. मौसमी बीमारियों और महामारी से गांव को बचाने के लिए लोग एक पुतला बनाकर उसे गांव से बाहर ले जाकर जला देते हैं. मान्यता अनुसार इस पर्व को असुर शक्ति पर विजय के रूप में मनाया जाता है और पूतना के पुतले को ही नारबोद कहा जाता है।

बालाघाट-सिवनी लोकसभा क्षेत्र को नेशनल हाईवे की सौगात देने पर सांसद श्रीमती पारधी ने केन्द्रीय मंत्री श्री गडकरी को धन्यवाद दिया

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)।बालाघाट-सिवनी लोकसभा क्षेत्र की सांसद श्रीमती भारती पारधी ने संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत बालाघाट-नैनपुर नेशनल हाईवे हाईवे के लिए 750 करोड़ रुपए, सिवनी -छिंदवाड़ा-सावनेर 04 लेन नेशनल हाईवे के लिए 2500 करोड़ रुपए और 04 लेन टाईगर कारीडोर एक्सप्रेस-वे निर्माण के लिए 5500 करोड़ रुपए स्वीकृत करने की घोषणा करने पर केंद्रीय सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गड़करी के प्रति आभार व्यक्त किया है और उन्हें बालाघाट -सिवनी संसदीय क्षेत्र का विशेष ध्यान रखने के लिए धन्यवाद दिया है।

सांसद श्रीमती पारधी ने कहा है कि बालाघाट -सिवनी संसदीय क्षेत्र को नेशनल हाईवे की सौगात मिलने से इस क्षेत्र में अधोसंरचना विस्तार के साथ उद्योग, व्यापार, पर्यटन को प्रोत्साहन मिलेगा और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। इससे क्षेत्र के विकास को गति मिलेगी। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व एवं दूरदर्शी सोच के चलते केंद्रीय मंत्री श्री गडकरी द्वारा मध्यप्रदेश को यह सौगात दी गई है।

केन्द्रीय सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने 23 अगस्त को जबलपुर में आयोजित कार्यक्रम में पर्यटन को प्रोत्साहन देने के लिये पेंच, कान्हा, बांधवगढ़ और पन्ना टाइगर रिजर्व को 04 लेन सड़क से जोड़ने 5500 करोड़ रुपए की लागत से टाईगर कारीडोर एक्सप्रेस-वे बनाने की घोषणा की है। उन्होंने बालाघाट से नैनपुर नेशनल हाईवे के लिए 750 करोड़ रुपए और सिवनी -छिंदवाड़ा-सावनेर 04 लेन नेशनल हाईवे के लिए 2500 करोड़ रुपए, लखनादौन से रायपुर 04 लेन हाईस्पीड हाईवे के लिए 10 हजार करोड़ रुपए और रायपुर से विशाखापत्तनम हाईस्पीड हाईवे के लिए 48 हजार करोड़ रुपए की घोषणा की है।

इन नेशनल हाईवे के बनने से बालाघाट-सिवनी लोकसभा क्षेत्र की जनता को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से बहुत लाभ होगा। इससे संसदीय क्षेत्र का बंदरगाह शहर विशाखापत्तनम से भी हाईस्पीड हाईवे के द्वारा सीधा सम्पर्क हो जाएगा।

उच्च दुग्ध उत्पादन के लक्ष्य को लेकर जिले में कृत्रिम गर्भाधान पर रिफ्रेशर प्रशिक्षण का हुआ आयोजन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा दिनांक 22 अगस्त 2025 को सभागृह कक्ष, कार्यालय, उपसंचालक, पशु चिकित्सा सेवाएं, बालाघाट में जिले के सभी विकासखंडों के पशु चिकित्सा अधिकारियों के लिए कृत्रिम गर्भाधान विषय पर रिफ्रेशर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जिले को दुग्ध उत्पादन में आत्मनिर्भर एवं अग्रणी बनाना तथा पशुपालकों की आय में वृद्धि सुनिश्चित करना है। प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन प्रभारी उपसंचालक डॉ. एन.डी. पुरी के मार्गदर्शन में किया गया। प्रशिक्षण सत्रों का संचालन पशु चिकित्सा शल्यज्ञ डा. राकेश शील एवं पशु चिकित्सा सहायक शल्यज्ञ डॉ रूपाली गजभिए द्वारा किया गया। प्रशिक्षण में कृत्रिम गर्भाधान की मानक संचालन प्रक्रियाओं (Standard Operating Procedures), सीमेन हैंडलिंग तथा सेक्स सॉर्टेड सीमेन के उपयोग जैसे तकनीकी पहलुओं पर विशेष ध्यान दिया गया। इस दौरान बताया गया कि सेक्स सॉर्टेड सीमेन तकनीक के उपयोग से उच्च दुग्ध उत्पादन क्षमता वाली बछियों का जन्म सुनिश्चित किया जा सकेगा। जिससे दीर्घकालिक रूप से दुग्ध उत्पादन में वृद्धि होगी। विभाग द्वारा यह निर्देश भी जारी किया गया कि प्रशिक्षण प्राप्त सभी अधिकारी अपने-अपने कार्यक्षेत्र में विभागीय स्टाफ, गौसेवकों एवं मैत्री कार्यकर्ताओं को भी प्रशिक्षित करें।

प्रभारी उपसंचालक डॉ. पुरी ने कहा कि कृत्रिम गर्भाधान के माध्यम से पशुओं की नस्ल सुधार एवं दुग्ध उत्पादन में वृद्धि की संभावनाएँ अत्यधिक हैं। विभाग का लक्ष्य है कि प्रत्येक पात्र पशु को गुणवत्तापूर्ण सीमेन के माध्यम से कृत्रिम गर्भाधान की सुविधा सुलभ कराई जाए। इसके साथ ही उन्होंने डेयरी योजनाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं वृन्दावन ग्रामों में नियमित भ्रमण कर अधिकाधिक पशुपालकों को विभागीय योजनाओं से जोड़ने के निर्देश भी दिए।

सांसद श्रीमती भारती पारधी ने प्रदेश के उच्च शिक्षा एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री इन्दर सिंह परमार से की भेंट

बालाघाट जिले के कालेजों में खनिजों के खनन और प्रोसेसिंग संकाय प्रारंभ करने की मांग की

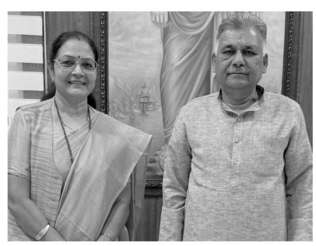

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)।बालाघाट-सिवनी लोकसभा क्षेत्र की सांसद श्रीमती भारती पारधी ने 23 अगस्त को भोपाल में मध्यप्रदेश शासन के उच्च शिक्षा, आयुष व तकनीकी शिक्षा मंत्री इन्दर सिंह परमार से लोकसभा क्षेत्र में शिक्षा से जु? विभिन्न विषयों को लेकर सौजन्य भेंट की।

सांसद श्रीमती पारधी ने मंत्री श्री परमार से चर्चा के दौरान बताया कि बालाघाट जिला खनिज संपदा से परिपूर्ण होने के साथ साथ देश की बड़ी कंपनियां यहां कॉपर, मैंगनीज, डोलामाइट सहित अन्य खनिजों के खनन और उनकी प्रोसेसिंग का कार्य कर रही हैं?। लेकिन इससे जुड़े संकाय और विषय जिले के शासकीय महाविद्यालयों में नही है । इसी परिप्रेक्ष्य उन्होंने मंत्री श्री परमार से संसदीय क्षेत्र के शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय बालाघाट में माईन एवं सर्वेइंग विभाग शुरू करने के लिए पत्र मंत्री जी को सौंपा।इसके अतिरिक्त उन्होंने शासकीय महाविद्यालय लालबर्रा में फिजिक्स, केमिस्ट्री, गणित, जूलॉजी, कंप्यूटर साइंस सहित 8 नए संकाय शुरू करने, स्नातक के लिए इतिहास, भूगोल एवं संस्कृत तथा स्नाकोत्तर के लिए अंग्रेजी, इतिहास, भूगोल एवं संस्कृत विषय शुरू करने सहित लालबर्रा महाविद्यालय मे विभिन्न रिक्त सहायक प्राध्यापक के पदों पर शीघ्र नियुक्ति करने के लिए मांगपत्र सौंपा। इस दौरान मंत्री श्री परमार ने सभी विषयों पर शीघ्र ही ठोस निर्णय लेने के लिए आश्वस्त किया।

जिले के 19 हजार 316 किसानों को वितरित किए गए मृदा(स्वाइल हेल्थ) कार्ड

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जिले में किसानों की फसल का उत्पादन बढ़ाने एवं मृदा स्वास्थ्य को सुधारने के लिये कृषि विभाग द्वारा संचालित सभी विकासखंड स्तरीय प्रयोगशालाओं में मृदा नमूनों के विश्लेषण का कार्य निरंतर किया जा रहा है। पूर्व में जिले में एक मात्र मिट्टी परीक्षण प्रयोगशाला होने से जिले के किसानों को जिला मुख्यालय में स्थापित मिट्टी परीक्षण प्रयोगशाला में अपने खेत का मिट्टी नमूना कृषि विस्तार अधिकारी के माध्यम से भिजवाना होता था।चूंकि एक मात्र प्रयोगशाला होने से सम्पूर्ण जिले के मृदा नमूनो की जाँच करने में विलंब होत था। किंतु वर्तमान मे माह मार्च से जिले के सभी विकासखंड की मृदा परीक्षण प्रयोगशालाएँ कृषि विभाग द्वारा युवा उद्यमियों एवं कृषि क्षेत्र में कार्य कर रही संस्थाओं के माध्यम से प्रारंभ की जा चुकी है।

उप संचालक कृषि श्री फूलसिंह मालवीय ने बताया कि इन प्रयोगशालाओं के प्रारंभ होने से किसानो को मिट्टी नमूना विश्लेषण रिपोर्ट जल्दी प्राप्त हो जाती है, जिससे कृषक अपने खेत मे प्रयोगशाला द्वारा दी गयी उर्वरक अनुशंशा के आधार पर अपनी फसल मे उर्वरकों का उपयोग करता है। अनुशंशित उर्वरकों के उपयोग से किसान को उसकी फसल का उत्पादन अधिक

से अधिक मिलता है एवं मिट्टी का संतुलन भी बना रहता है तथा किसान के पैसो की भी बचत होती है।

विकासखंडस्तरीय प्रयोगशालाओं का कार्य मार्च माह 2025 में प्रारंभ हो गया है। इससे किसान स्वयं प्रयोगशाला जाकर अपने खेत की मिट्टी के नमूने की जाँच करवा सकते है एवं उर्वरकों के प्रयोग के लिए आवश्यक सलाह भी प्रयोगशाला से प्राप्त कर सकतें है। प्रधानमंत्री स्वाइल हैल्थ कार्ड योजनांतर्गत अप्रैल 2025 से अब तक जिले में 19 हजार 316 किसानों को मृदा कार्ड प्रदाय किए जा चुके हैं।विकासखंड वारासिवनी में 2558 नमूने की जांच कर 2426 मृदा कार्ड वितरित किए गए हैं। विकासखंड लालबर्रा में 2956 नमूने की जांच कर 2890 मृदा कार्ड, कटंगी में 2441 नमूने की जांच कर 2189 मृदा कार्ड, खैरलांजी में 2159 नमूने की जांच कर सभी 2159 मृदा कार्ड, किरनापुर में 2843 नमूने की जांच कर सभी 2843 मृदा कार्ड, लांजी में 2959 नमूने की जांच कर 2707 मृदा कार्ड, बैहर में 979 नमूने की जांच कर सभी 979 मृदा कार्ड, बिरसा में 2258 नमूने की जांच कर सभी 2258 मृदा कार्ड तथा विकासखंड परसवाड़ा में 1173 नमूने की जांच कर 1061 मृदा कार्ड का किसानों को वितरण किया गया है।इस प्रकार बालाघाट जिले में माह अप्रैल 2025 से अब तक कुल 20 हजार 326 नमूने का परीक्षण कर 19 हजार 316 को मृदा स्वास्थ्य कार्ड प्रदाय किए जा चुके हैं ।

भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं लघु उद्योग - मुख्यमंत्री डॉ. यादव

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि उद्योगों के हित में ही राष्ट्र का हित निहित है। लघु और कुटीर उद्योग भारतीय अर्थव्यवस्था की रीढ़ हैं।सीमित संसाधनों का समुचित उपयोग कर हम इन उद्योगों के विकास की ओर बढ़ रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि स्वतंत्रता के अमृत काल में लघु उद्योग भारती के प्रदेश कार्यालय का लोकार्पण हमारे उत्कर्ष को दर्शाता है।उद्योगों के विकास के लिए हमें पूरे देश के परिदृश्य में सोचना होगा।सभी जगह समान रूप से उद्योग लगाने होंगे, तभी संतुलित विकास हो सकेगा। देश हित में हम सब मिलजुलकर काम करेंगे। उन्होंने कहा कि हम उद्योगों को विस्तार देने के लिए उद्योगपतियों के साथ कदम से कदम मिलाकर चलेंगे। हमने समाज के सभी वर्गों का बराबर ध्यान रखा है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव रविवार को लघु उद्योग भारती के गोविंदपुरा औद्योगिक प्रक्षेत्र में नवनिर्मित प्रदेश कार्यालय के लोकार्पण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने लघु उद्योग भारती के करीब 4 करोड़ रुपए की लागत से नवनिर्मित प्रदेश कार्यालय भवन उद्यम सेतुका वैदिक मंत्रोच्चार के बीच फीता काटकर लोकार्पण किया।लोकार्पण अवसर पर लघु उद्योग भारती का द्वि-वार्षिक प्रादेशिक सम्मेलन और स्टार्टअप एवं लघु उद्यमी महाकुंभ-2025 भी आयोजित किया गया।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने अन्य अतिथियों के साथ लघु उद्योग भारती के नए ब्रोशर का विमोचन भी किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने घोषणा की कि किसी भी प्रकार का संस्थागत या बैंक लोन चुकता होते ही संबंधित बंधक संपत्ति मॉर्टगेज या डबल मॉर्टगेज से मुक्त हो जाएगी। इस प्रावधान का लाभ हम सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम उद्योगों (एमएसएमई इंडस्ट्री) को भी देंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में लघु उद्योगों की स्थापना और इससे जुड़ी सभी कठिनाइयों का समुचित हल भी निकाला जायेगा।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हम एमएसएमई उद्योगों की स्थापना से जुड़ी सभी प्रकार की अनुमतियां को समयबद्ध कार्य योजना की अनुरूप समय-सीमा में देने का प्रावधान करने जा रहे हैं। प्रदेश में रोजगार आधारित उद्योग लगाने वाले उद्योगपतियों को प्रोत्साहन दे रहे हैं। प्रदेश में नया आईटीआई पॉलिटेक्निक कॉलेज, इंजीनियरिंग कॉलेज खोलने के लिए भी नीति से प्रावधान अनुसार सब्सिडी दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम प्रदेश में रिसर्च वर्क को बढ़ावा देने के लिए आगे आ रहे हैं। आईआईटी इंदौर में शोध कार्यों के लिए देशी और विदेशी शिक्षण संस्थानों के स्टडी सेंटर के लिए हमारी चर्चा चल रही है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार लघु उद्योगों के साथ हमेशा साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमें लघु उद्योगों को पुनर्जीवित करना होगा। इसी से हमारी अर्थव्यवस्था मजबूत होगी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि विरासत से विकास का सबसे सटीक उदाहरण भारतीय लघु उद्योग ही हैं। यह कारोबार नहीं, बल्कि करोड़ों परिवारों की आशा, आत्म-सम्मान और आर्थिक स्वावलंबन का आधार हैं।जैसे शरीर की मजबूती रीढ़ पर टिकी होती है, वैसे ही भारत की अर्थव्यवस्था की मजबूती लघु उद्योगों पर टिकी है। लघु उद्योग सिर्फ कारखाने नहीं हैं, ये रोज़गार के सबसे बड़े निर्माता हैं।एमएसएमई वह पुल है, जो मेहनतकश हाथों को बड़े बाज़ारों से जोड़ता है।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आज भारत में 6 करोड़ से अधिक सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग (एमएसएमई) हैं, जो देश की जीडीपी में लगभग 30 प्रतिशत से अधिक योगदान देते हैं और कुल निर्यात में 45 प्रतिशत हिस्सेदारी रखते हैं। आज हम विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन पाए हैं, तो इसमें एक बड़ा योगदान लघु उद्योगों का ही है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मेक इन इंडिया और वोकल फॉर लोकल का आव्हान हमें बताता है कि आत्मनिर्भर भारत का मार्ग बड़े-बड़े उद्योगों से नहीं, बल्कि घर-घर की चौखट से चलने वाले छोटे उद्योगों से ही निकलता है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री ने माइक्रो, स्माल और मीडियम इंटरप्राइजेज को मैक्सिमम स्पोर्ट देने की बात कहीं है, जिससे ये सभी उद्योग मैक्सिमम ग्रोथ हासिल कर सकें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि लघु उद्योग भारती से जुड़े लघु उद्योगपति केवल मुनाफे के लिए काम नहीं करते, गौरव, परंपरा और नवाचार को बढ़ावा देते हैं। आप हर छोटे उद्यमी की आवाज़ बन रहे हैं। आप संगठन में शक्ति को चरितार्थ कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि लघु उद्योगपति दाम कम, दम ज्यादा मंत्र के साथ अपनी विश्वसनीयता बनाएं, एक बार जो आपका प्रोडक्ट खरीदे, वो बार-बार खरीदें। तकनीकी से जुड़ें, मार्केटिंग सीखें, ऑनलाइन बाजार से जुड़ें। अपने उत्पादों को ई-कॉमर्स बेवसाइट से जोड़कर लोकल से ग्लोबल बनाएं। कौशल भारत अभियान और नई शिक्षा नीति इस दिशा में बड़ा कदम है। छोटे उद्योगों के केंद्र में हमारी मातृशक्ति है। लाड़ली बहनों की भागीदारी से न सिर्फ परिवार की आमदनी बढ़ती है, साथ ही समाज में आर्थिक आत्मनिर्भरता और सामाजिक सशक्तिकरण का मार्ग भी खुलता है। लघु उद्योग ही स्वदेशी का आधार हैं। उन्होंने कहा कि वर्ष 2047 में जब भारत विकसित और आत्मनिर्भर होगा, उसमें लघु उद्योगों की भूमिका सबसे बड़ी होगी।

कार्यक्रम में मुख्य वक्ता डॉ. कृष्ण गोपाल ने कहा कि लघु उद्योग की की सुरक्षा जरूरी है। यह लोगों को रोजगार देते हैं। यह घरों को आबाद बनाए रखते हैं। इनसे समाज के कमजोर वर्ग के लोग रोजगार पाते हैं। यह लघु उद्योग ही देश को चलाते हैं। इस मायने में लघु उद्योग हमारे देश की सामाजिक संरचना के संरक्षक भी हैं। बड़े उद्योगों के सामने बने रहना इनके लिए एक बड़ी चुनौती होती जा रही है।

डॉ. कृष्ण गोपाल ने कहा कि लघु उद्योग सिर्फ भारत देश में नहीं, पूरे विश्व में संकट में हैं। परंतु भारत में फिर भी ये उद्योग जीवित हैं और आगे भी रहेंगे, क्योंकि हम भारतीय अपनी परंपराओं, अपने मूल्यों और अपने लोगों से अंतर्मन से जुड़े हुए हैं। हमें एक बार फिर स्वदेशी भाव से जोड़ना होगा। लघु उद्योगों से पर्यावरण को कोई नुकसान नहीं होता, क्योंकि यह कार्बन उत्सर्जन नहीं करते। उन्होंने कहा कि लघु उद्योगों में काम करने वाले मजदूर और कारीगरों का सम्मान होना चाहिए। हम सभी को देश के उद्योग कानून और नियमों का पालन करना चाहिए। कर का अपवंचन नहीं करना चाहिए, क्योंकि करों से ही देश की बुनियाद तैयार होती है, विकास होता है। उन्होंने बताया कि लघु उद्योग भारती द्वारा प्रदेश के पांच आईटीआई को मॉडल आईटीआई के रूप में डेवलप कर दिया गया है।

कार्यक्रम को सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम मंत्री तथा भोपाल जिले के प्रभारी मंत्री चैतन्य काश्यप, लघु भारती के राष्ट्रीय अध्यक्ष घनश्याम ओझा, लघु उद्योग भारती के प्रांताध्यक्ष राजेश मिश्रा एवं अन्य वक्ताओं ने भी संबोधित किया।

कार्यक्रम में खेल एवं युवक कल्याण तथा सहकारिता मंत्री विश्वास कैलाश सारंग, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर,संस्था के अखिल भारतीय संगठन मंत्री प्रकाश चंद्र सहित अन्य पदाधिकारी, लघु उद्योगपति एवं बड़ी संख्या में लघुउद्यमी उपस्थित थे।

स्थान परिवर्तन

मेसर्स पंकज एफ अग्रवाल एंड एसोसिएट्स चार्टर्ड एकाउंटेंट का कार्यालय जो वर्तमान में वार्ड नं 20 अन्नपूर्णा मंदिर के पास बालाघाट में स्थित है। अब अपने नवनिर्मित कार्यालय, आर्थिक आर्केड, दूसरी मंजिल, यूको बैंक के ऊपर, रेलवे स्टेशन रोड, बालाघाट में संचालित होगा

संपर्क नं- 9425138797

बारबेड वायर (कांटेदार तार) एवं चेन लिंक जाली उचित दाम पर उपलब्ध

लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध

निर्माता

तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स

मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट

फोन:- 07632-243531

मो:- 8989976858, 9425139998

करीब 10 वर्ष पूर्व 11 लाख रु. की लागत से लगाए गए सिग्नल बने शोपीस

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने और ट्रैफिक नियमों का ज्ञान कराने के लिए नगर में करीब 12 वर्ष पूर्व 5 जगहों पर ट्रैफिक सिग्नल लगाए जाने का प्रस्ताव नगर पालिका द्वारा पारित किया गया था। जिसमें से करीब 10 वर्ष पूर्व ,लगभग 11लाख रुपए की लागत से महज 2 स्थानों पर ट्रैफिक सिग्नल लगाए गए थे।जो कुछ माह चलने के बाद बंद हो गए ,जो तब से लेकर आज तक बंद पड़े हैं। जिन्हें सुधारने की जहमत अब तक नगर पालिका द्वारा नहीं उठाई गई है।जबकि अन्य तीन स्थानों पर ट्रैफिक सिग्नल लगाने को लेकर अब तक कवायद शुरू नहीं की गई है।वही बात अगर काली पुतली चौक और हनुमान चौक में लगाए गए ट्राफिक सिग्नलो की करे तो यहा के ट्राफिक सिग्नल सुधारने के बाद आए दिन बंद हो जाते हैं। जिसके चलते इन चौक से आवागमन करने वालों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।आपको बताएं कि काली पुतली चौक और नगर के हनुमान चौक में 11 लाख की लागत से ट्रैफिक सिग्नल लगाए गए थे ।जो लगभग 10 वर्षो से बंद पड़े हुए हैं।

5 में से महज 2 स्थानों पर लगे हैं ट्रैफिक सिग्नल

बे- पटरी हो चुकी नगर की यातायात व्यवस्था को पुन: पटरी पर लाने और ट्रैफिक नियमों का ज्ञान कराने को लेकर नगर पालिका द्वारा लगभग 12 वर्ष पूर्व एक प्रस्ताव पारित किया गया था ।जिसमें नगर के 05 चुनिंदा स्थानों पर ट्रैफिक सिग्नल लगाए जाने की बात कही गई थी।जिसमें काली पुतली चौक, हनुमान चौक, जयस्तंभ चौक, रानी अवंती बाई चौक और अंबेडकर चौक में ट्रैफिक सिग्नल लगाए जाने का भूमि पूजन कर जल्द से जल्द ट्रैफिक सिग्नल लगाए जाने की घोषणा की गई थी। लेकिन 10 वर्ष से अधिक का समय बीत जाने के बावजूद भी अब तक 5 में से महज 2 स्थानों पर ही ट्रेफिक सिग्नल लग पाए हैं। जिसमें हनुमान चौक और काली पुतली चौक में लगे सिग्नल अक्सर बंद होते रहते हैं।वही वर्तमान स्थिति में दोनों जगहों के सिंग्नल सालो से बंद पड़े है।जबकि अंबेडकर चौक , रानी अवंती बाई चौक और जय स्तंभ चौक में ट्राफिक सिग्नल लगाएं जाने का कार्य अब तक शुरू भी नहीं किया गया है और ना ही नगरपालिका द्वारा ट्रैफिक सिग्नल लगाने को लेकर कोई पहल की जा रही है।

ट्राफिक व्यवस्था के प्रति कोई जिम्मेदार नही

नगर के काली पुतली चौक और हनुमान चौक में लगाए गए ट्राफिक सिग्नलो के बंद रहने और दोनों ही प्रमुख चौराहों पर मवेशियों के झुंड की धमाचौकड़ी के चलते आवागमन करने वाले लोगों को शाम के वक्त भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। इस दौरान एक भी पुलिस या यातायात कर्मी का सिग्नल पर उपस्थित ना होना भी जिम्मेदार अधिकारियों की उदासीनता को दर्शाता है।तो वही नगर पालिका के गैर जिम्मेदाराना रवैये को प्रदर्शित करता है।

ठेका रद्द कर, नपा खुद संभाल रही थी मेन्टनेस व्यवस्था

ट्रैफिक सिग्नल खराब होने का यह मामला नगर में पहली बार नहीं हुआ है।बल्कि आए दिन ट्रैफिक सिग्नल खराब होते रहते हैं।जो कई दिनों तक सुधारे नहीं जाते ,वही खराब हुए यह ट्रैफिक सिग्नल कबाड़ में तब्दील होते नजर आते हैं। आए दिन नगर के ट्रैफिक सिग्नल का बंद हो जाना आज कल आम बात हो गई है। हद तो यह है कि पिछले कई वर्षो से बंद पड़े ट्रैफिक सिंग्नलो पर अब जिम्मेदारो ने ध्यान देना भी बंद कर दिया।उधर नगर पालिका द्वारा ट्रैफिक सिग्नल के सुधार कार्य के लिए जिस कंपनी को ठेका दिया गया था उस कंपनी का ठेका नगर पालिका ने पूर्व में ही रद्द कर दिया है और तब से लेकर आज तक नगर पालिका स्वयं ट्रैफिक सिग्नल की व्यवस्था संभाल रही है। ऐसे में आए दिन ट्रैफिक सिग्नल बंद हो जाना,पूरे महीने या साल दो साल तक उस पर ध्यान न देना और समय पर उनकी मरम्मत ना होना नगर पालिका प्रशासन के कार्यो पर एक बड़ा सवालिया निशान खड़ा करता है।

ट्राफिक विभाग को हैंडओवर करने पर भी नही बनी सहमति

आपको बताएं की नगर के दोनो ट्रैफिक सिग्नलो को सुचारू रूप से संचालित करने की जिम्मेदारी खुद नगरपालिका संभाल पा रही है, जिसने करीब 4 वर्ष पूर्व नगर के इन दोनों ट्राफिक सिग्नलों को यातायात विभाग के हैंडओवर करने की योजना बनाई थी। उस समय बताया जा रहा था की योजना के अनुसार यातायात विभाग को इन ट्राफिक सिंगनलो का मेंटनेस अपने हाथों में लेने को कहा गया था। यदि यातायात विभाग इस व्यवस्था को अपने हाथों में ले लेता, तो फिर ट्रैफिक सिग्नल का विधिवत संचालन ट्राफिक विभाग द्वारा किया जाता ।योजना बनाए 4 वर्ष से भी अधिक का समय बीत जाने के बावजूद भी, योजना पर कार्य नही किया गया ।जिसका नतीजा आम रहागिरो को भुगतना पड़ रहा है। वही लाखो रू खर्च करने के बाद भी नागरिकों को सिग्नल की सुविधा नही मिल पा रही है।

नई सरकार को बीत गए 3 वर्ष, अब तक पूरा नही किया वादा

आपको बताए कि नगर पालिका बालाघाट के चुनाव को 3 वर्ष से अधिक का समय बीत चुका है।उस समय अध्यक्ष बनने पर शपथ ग्रहण समारोह के बाद पहली बार नपा बालाघाट की कमान अपने हाथों में लेने वाली अध्यक्ष श्रीमती भारती सुरजीत सिंह ठाकुर ने अपने बयान में शहर को साफ सुथरा बनाने, नगर का चहुमुखी विकाश करने , नगर को ग्रीन सिटी की तर्ज पर विकसित करने और नगर में लगे ट्राफिक सिंग्नलो को प्राथमिकता के साथ शुरू करने जैसे अनेक वादे किए थे।लेकिन प्राथमिकता में जिन वादों को लिया गया था, उन्हें 3 वर्ष के कार्यकाल में भी पूरा नही किया गया है।वही नगर के 2 स्थानों पर लगे ट्राफिक सिंग्नल अब तक शुरू नही हो पाए है।जो नगर पालिका के जिम्मेदारो की करनी और कथनी को दर्शाते हैं।वही जिम्मेदारो ने अब इस ओर ध्यान देना भी बंद कर दिया है।जिसका खमियाजा नगर वासियो को भुगतना पड़ रहा है।तो वही जनता के लाखों रु ट्राफिक सिंग्नल के नाम पर बर्बाद कर दिए गए है।

शौक पूरा करने के लिए लगाए गए थे सिग्नल- प्रवीण

चर्चा के दौरान वार्ड पार्षद प्रवीण मदनकर ने बताया कि करीब 10-12 वर्षों से सिग्नल बंद पड़े हैं हमें ऐसा लगता है कि नगर पालिका ने शौक पूरा करने के लिए ट्रैफिक सिग्नल लगाई थी। लेकिन इन सिंग्नलो का काम कुछ नहीं है। हमें तो यह भी जानकारी मिली है कि हनुमान चौक में जो ट्रैफिक सिग्नल लगा है वह बिना इंजीनियर के ही लगा दिया गया है।नपा ने जनता के पैसों का नुकसान किया है। जब लाखों रुपए सिग्नल के पीछे बर्बाद किए हैं तो इसे शुरू करना चाहिए।ताकि लोगों में सिग्नल के प्रति जन जागरूकता आए और इन प्रमुख चौराहों में सड़क दुर्घटना भी कम हो। जब इन सिंग्नलो की टेस्टिंग हुई थी, उस समय सिग्नल शुरू हुए थे, उसके बाद से लेकर आज तक 10-12 वर्ष बीत गए हमने सिग्नल कभी शुरू होते नहीं देखा। हम हर परिषद की बैठक में इस मुद्दे को उठाते हैं। लेकिन नपा द्वारा इस ओर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। हमारी मांग है कि इन सिंग्नलो को जल्द से जल्द शुरू किया जाए।

भक्तिभाव के साथ मनाया गया गुरूग्रंथ साहिब जी का प्रकाश पर्व

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। प्रतिवर्ष की तरह इस वर्ष भी स्थानिय गुरूद्वारा में, गुरूग्रथ साहिबजी का प्रकाश पर्व श्रद्धाभाव से मनाया गया। जिसके तहत रविवार को विभिन्न धार्मिक कार्यक्रमों के आयोजन किए गए।जहां प्रकाश पर्व पर गुरूद्वारे में आयोजित धार्मिक कार्यक्रमो में हैदराबाद से आए रागी जत्था ने भाई साहब, भाई प्रेमसिंह और बालाघाट के हजुरी जत्था भाई साहब भाई मनप्रीतसिंघ ने शबद कीर्तन किया। साथ ही गुरूद्वारे में अरदास भी की गई। जिसमें विश्वशांति की कामना की गई।आयोजित कार्यक्रम को लेकर श्री गुरूद्वारा गुरूसिंघ सभा जिलाध्यक्ष हीरासिंघ भाटिया ने बताया कि गुरूग्रंथ साहिब में संत कबिरदासजी, संत रविदासजी, संत नामदेवजी सहित मुस्लिम पीरो और सिक्ख गुरूओं की वाणी दर्ज है। गुरूग्रंथ, सिक्ख समाज के लिए ज्योति स्वरूप है। हम सब सिक्ख धर्मावलंबियों के लिए जरूरी है कि हम गुरूग्रंथ साहिब में बताए गए मार्गो पर चले। उन्होंने बताया कि प्रकाश पर्व पर श्री अखंड पाठ साहिब की सेवा राजेश कुमार, यश कुमार गांधी परिवार की ओर की गई। प्रकाश पर्व पर गुरूद्वारे में अरदास और शबद कीर्तन के साथ ही भक्तो के लिए लंगर का आयोजन, खालसा सेवादल परिवार और हरभजनसिंह गांधी परिवार की ओर से किया गया।प्रकाश पर्व पर प्रबंधक कमेटी अध्यक्ष हीरासिंघ भाटिया, उपाध्यक्ष हरमिंदरसिंघ अतालिया, नरेन्द्रसिंघ छाबड़ा, गुरूदयालसिंघ भाटिया, महेन्द्रपालसिंघ गांधी, गुरदीपसिंघ सौंधी, मनमीतसिंघ पसरिचा, हरमिंदरसिंघ कैथ, जसमीतसिंघ छाबड़ा, राज गांधी, अमरजीत कौर अतालिया, शीतल पसरिचा, महेन्दर कौर सचदेवा, दर्शन कौर, हरभजनसिंघ गांधी, पूरनसिंघ भाटिया, सतनामसिंघ सलूजा, गुरूदयालसिंघ सौंधी, दिलीप कौर छाबड़ा, परमजीत कौर गांधी, दर्शनसिंघ ढिल्लो, प्रितपालसिंघ सौंधी, जितेन्द्र गांधी, राजेश गांधी, अमरिकसिंघ सौंधी सहित खालसा सेवादल के साथी मौजूद रहे।

क्षतिग्रस्त कार से जप्त की गई 1 लाख 14 हजार रुपये की देशी विदेशी शराब का जखीरा

चांगोटोला पुलिस ने नैनपुर रोड़ मऊ में की कार्यवाही

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। चांगोटोला पुलिस ने नैनपुर रोड पर क्षतिग्रस्त एक कार से 15 कार्टून में भरी देसी विदेशी शराब का जखीरा जप्त किया। बीती रात चांगोटोला पुलिस ने यह कार्रवाई करते हुए कार सीजी 04 एच यू 8999 को भी जप्त कर लिया है। इस कार से जप्त की गई देसी विदेशी शराब की कीमत 114246 रुपए बताई गई है। जिसके चालक और मालिक के विरुद्ध अत्यधिक मात्रा में शराब रखने के आरोप में अपराध दर्ज कर उनकी तलाश की जा रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 23एवं 24 अगस्त की दरयानी रात चांगोटोला थाना प्रभारी शशांक राणा को सूचना मिली कि बालाघाट से नैनपुर रोड पर स्थित ग्राम मऊ शिव मंदिर के पास एक सफेद रंग की टोयोटा एटिओस कार सीजी 04 एच यू 8999 दुर्घटना होने से क्षतिग्रस्त हालत में खड़ी है जिसमें भारी मात्रा में अवैध रूप से देसी विदेशी शराब रखी हुई है। इस सूचना पर थाना प्रभारी शशांक राणा अपने स्टाफ के साथ मौके पर पहुंचे कार के अंदर कोई भी घायल व्यक्ति या अन्य व्यक्ति नहीं मिला। कार की तलाशी लेने पर कार के पीछे डिक्की एवं बीच वाली सीट में शराब के कार्टून पाए गए। कार के पीछे डिक्की एवं बीच की सीट में रखी हुई कार्टूनों को बाहर निकाल कर चेक किया गया। सात कार्टून में अंग्रेजी शराब मेकडावैल रम के 180 एम एल के 48-48 पाव और एक कार्टून में 24 पाव पाए गए। एक कार्टून में मेकडावेल नंबर वन व्हिस्की के 180 एम एल के 48 पाव , एक छोटे कार्टून में 12 पाव पाये गये। एक कार्टून में मैकडॉवेल नंबर वन रम की 9 बॉटल, मेकडावेल विस्की की 5 बॉटल पाई गई। एक कार्टून में 8 पीएम

स्पेशल व्हिस्की के 180 एमएल 24 पाव पाव पाये गये। एक कार्टून में 8ः00 पीएम स्पेशल व्हिस्की की 9 बाटल, और ओल्ड मंग की 2 बॉटल पाई गई। एक कार्टून में मैजिक मोमेंट की 3 बॉटल एवं लंदन प्राइड की 3 बॉटल पाई गई। एक कार्टून में किंगफिशर बियर के 18 केन पाई गई। के अलावा इस कार से दो कार्टून में देसी प्लेन मदिरा के 50-50 पाए गए। इस प्रकार इस कार से अंग्रेजी शराब के 180 एम एल के444 पाव, 750 एम एल 31 बॉटल, बियर की 500 एम एल की 18 केन और देशी शराब के 200 पाव जप्त किए गए। जिनकी कीमत 114246 रुपये बताई गई है। कार में इस देसी विदेशी शराब के परिवहन एवं विक्रय या रखने के संबंध में कोई भी वैध दस्तावेज नहीं पाए गए। कार में यह देसी विदेशी शराब अवैध रूप से रखी हुई थी।जिसके चालक और मालिक के विरुद्ध धारा 34(2) मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम के तहत अपराध दर्ज किया गया है। देसी विदेशी शराब के अलावा कार सीजी 04 एच यू 8999 को भी जप्त कर लिया गया है जिसकी कीमत ढाई लाख रुपए बताई गई है। इस कार के चालक और मालिक की तलाश की जा रही है। बताया गया कि यह कार बालाघाट से नैनपुर की ओर जा रही थी। तभी यह कार ग्राम मऊ शिव मंदिर के पास एक्सीडेंट होने से क्षतिग्रस्त हो गई। इसके बाद इस कार के चालक सहित अन्य लोग कार को मौके पर छोड़कर फरार हो गए। संभवत एक्सीडेंट होने से इस कार में सवार चालक सहित अन्य लोग चोटिल होने की संभावना है। जिनकी तलाश चांगोटोला पुलिस द्वारा की जा रही है। इस कार्रवाई में चांगोटोला थाना प्रभारी शशांक राणा और उनकी टीम की सराहनीय भूमिका रही।

लालबर्रा पुलिस ने 60 लीटर कच्ची तो ग्रामीण पुलिस ने जप्त की 307 पाव देसी शराब

इसी प्रकार शराब की तस्करी की चलते लालबर्रा पुलिस ने 60 लीटर हाथ भट्टी की कच्ची शराब के साथ मोटरसाइकिल सवार एक युवक को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार युवक विवेक उर्फ राजा पिता अंतराम धुर्वे 20 वर्ष ग्राम तुमड़ीटोला मगरदरा थाना ग्रामीण बालाघाट निवासी है। लालबर्रा पुलिस ने इस युवक के पास से मोटरसाइकिल एमपी 50 एम एल 0267 को भी जप्त किया है। ग्रामीण पुलिस ने एक मोटरसाइकिल सवार युवक को 307 पाव देसी प्लेन मदिरा के साथ गिरफ्तार किया यह युवक नीली उर्फ निलेश पिता भोज लाल पटले 25 वर्ष ग्राम गर्रा बालाघाट निवासी है। इस युवक की मोटरसाइकिल भी जप्त की गई। दोनों युवक के विरुद्ध 34(2) आबकारी अधिनियम के तहत अपराध दर्ज किया गया है।

श्री अग्रसेन द्वार का लोकार्पण और तोतलापन उपचार शिविर संपन्न

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। कुलपिता श्री श्री 1008 अग्रसेन जी महाराज के सम्मान में नगर में बनाए गए श्री अग्रसेन द्वार का रविवार को लोकार्पण किया गया।जिसका मुख्य समारोह श्री अग्रसेन भवन में संपन्न हुआ। जहां विशेष अतिथियों की प्रमुख मौजूदगी में सर्वप्रथम कुलपति श्री श्री 1008 अग्रसेन जी महाराज के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर ,उनकी विधि विधान के साथ पूजा अर्चना की गई। तत्पश्चात छायाचित्र के समीप दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। इस दौरान उपस्थित वक्ताओं ने मंचाशीन होकर आयोजित कार्यक्रम को लेकर जहां अपने-अपने विचार व्यक्त किए, तो वही कार्यक्रम के दौरान ही बच्चों के तोतलेपन के उपचार के लिए पिछले चार दिनों से अग्रसेन भवन में लगाए गए शिविर का भी समापन किया गया। जहां बच्चों में तोतलेपन के लिए मुख्य रूप से अंग्रेजी शिक्षा को जिम्मेदार ठहराया गया। जिसमें प्रशिक्षक सत्यनारायण मित्तल द्वारा हिंदी और संस्कृत नहीं पढ़ने के चलते बच्चों में तोतलापन आने की बात कही गई, तो वहीं उन्होंने बच्चों में तोतलापन की बीमारी आगे भी लगातार बढ़ने की जानकारी दी।जहां शिविर समापन और प्रवेश द्वार के लोकार्पण के बाद स्वल्पाहार का वितरण कर देर शाम कार्यक्रम का समापन किया गया।आयोजित कार्यक्रम के दौरान पूर्व कैबिनेट मंत्री गौरी शंकर बिसेन ,नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती भारती सुरजीत सिंह ठाकुर,अग्रसेन समाज मंडल अध्यक्ष हरिओम अग्रवाल, सचिव अजय गुप्ता और कोषाध्यक्ष भाऊ अग्रवाल सहित अन्य पदाधिकारी सदस्य समाजिक बंधु, शिविर में शामिल बच्चे व उनके अभिभावक प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

धर्म का कोई बंधन नही, सबका हुआ नि:शुल्क उपचार- हरिओम अग्रवाल

अग्रवाल मंडल अध्यक्ष हरिओम अग्रवाल ने बताया कि आज अग्रसेन भवन में दो कार्यक्रमों का समापन है।जिसमें तोतलापन निवारण के लिए पिछले 4 दिनों से चल रहे उपचार शिविर का समापन किया गया है। तो वही कार्यक्रम में अग्रसेन महाराज के अभिषेक द्वार का लोकार्पण किया गया है। उन्होंने बताया कि इस शिविर में आए करीब 80प्रतिशत बच्चों को तोतलेपन से छुटकारा मिला है। अग्रवाल समाज द्वारा यह आयोजन नि:शुल्क किया गया था। जिसमें रायपुर से आए प्रशिक्षक सत्यनारायण मित्तल द्वारा बच्चों का उपचार किया गया। इस शिविर में सभी समाज के लोग आए हैं जिसमें धर्म का कोई बंधन नहीं है।

बच्चों के तोतलेपन के लिए अंग्रेजी शिक्षा जिम्मेदार- मित्तल

प्रमुख प्रशिक्षक सत्यनारायण मित्तल ने बताया कि 21 अगस्त से बालाघाट के अग्रसेन भवन में तोतले बच्चों के इलाज के लिए शिविर का आयोजन किया गया था। 4 वर्ष पूर्व भी यह शिविर लगाया गया था जिसमें 32 से 35 बच्चों का उपचार किया गया था। पिछले चार दिनों से आयोजित इस शिविर में 53 बच्चों ने निन्शुल्क रजिस्ट्रेशन कराया था। जिसमें से 43 बच्चों ने भाग लिया। इसके अलावा 15 अतिरिक्त बच्चे ऐसे कुल 68 बच्चों का निन्शुल्क उपचार किया गया है। बच्चों को शब्द चयन और उनके उच्चारण की प्रक्रिया बताई गई है।वही उन्हें शब्द सारणी देकर उनका अभ्यास करने को कहा गया है। उन्होंने बताया कि वे करीब 30 वर्षों से यह कार्य नि:शुल्क कर रहे हैं।मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ , उड़ीसा में भी शिविर कर चुके हैं।अग्रसेन समाज द्वारा यह 39 वा शिविर लगाया गया था।पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि पिछले चार वर्षो से तोतलेपन की यह बीमारी काफी बढ़ चुकी है, यह बीमारी लगातार बढ़ते जा रही है,आगे यह बीमारी और बढ़ेगी। इसकी प्रमुख वजह उन्होंने कान्वेंट स्कूल की अंग्रेजी शिक्षा को बताया है। उन्होंने कहा कि कॉन्वेंट स्कूलों में अंग्रेजी में पढ़ने, अंग्रेजी बोलने, अंग्रेजी उच्चारण,अंग्रेजी में बातचीत करना, सब कुछ अंग्रेजी में सिखाया जा रहा है। हिंदी की वर्णमाला, बाराखडी समाप्त कर दी गई है।वही संस्कृत और हिंदी में जो प्रार्थना होती थी वह भी लगभग खत्म हो चुकी है। इसी के चलते बच्चे ठीक ढंग से शब्दों का उच्चारण नहीं कर पाते और तोतलापन के शिकार हो जाते हैं। जिनका नि:शुल्क उपचार शिविर के माध्यम से किया गया है।

भगवान पार्श्वनाथ दर्शन के लिए उमड़ रहा भक्तों का जन सैलाब

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। जैन धर्म के इतिहास को सह- विस्तार से बताने और जैन धर्म की सभ्यता संस्कृति, रीति रिवाज आदि का बोध कराने के प्रमुख उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए, नगर के मेंन रोड स्थित भगवान पार्श्वनाथ भवन के सामने धरम वाटिका का निर्माण किया गया है। जिसे झारखंड राज्य के मधुबन गांव में स्थित सम्मेद शिखर जी के तीर्थ स्थल का आकार देते हुए, वहां मुख्य भगवान (मूल नायक) भगवान पार्श्वनाथ की प्रतिमा स्थापित कर एक झांकी का निर्माण किया गया है। जहां रोजाना ही धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराए जा रहे हैं। मुख्त: जैन धर्म सहित अन्य धर्म को जोड़ने और उन्हें जैन इतिहास से अवगत कराने के लिए 19 अगस्त से 2 सितंबर तक आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान रोजाना सुबह 10:30 बजे,और रात्रि 8 बजे सामूहिक रूप से आरती का आयोजन किया जा रहा है। तो वहीं रोजाना ही भगवान पार्श्वनाथ की प्रतिमा पर अंगी रचना (भगवान की प्रतिमा को सजाने का काम) कर प्रसाद वितरण सहित अन्य धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कराए जा रहे हैं। जो इन दिनों मुख्य आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। जिनके दर्शन करने एवं धार्मिक अनुष्ठानों में शामिल होने के लिए धरम वाटिका में रोजाना ही भक्तों का जनसैलाब उमड़ रहा है।वही इस आयोजन के दौरान विभिन्न बैनर पोस्टर के माध्यम से यहां आने वाले लोगों को जैन धर्म संस्कृति और उनके इतिहास की जानकारिया दी जा रही है। जिसका समापन 2 सितंबर को विशाल भंडारा का आयोजन कर किया जाएगा।

केवल बालाघाट की नहीं,यह मप्र में पहला आयोजन है- संचेती

आयोजन को लेकर की गई चर्चा के दौरान सामाजिक बंधु विराट संचेती ने बताया कि जैन धर्म के इतिहास की जानकारी देने के लिए धरम वाटिका का निर्माण कर उसे सम्मेद शिखरजी तीर्थ स्थल का स्वरूप दिया गया है। झांकी बनाकर यहां भगवान पार्श्वनाथ की प्रतिमा के अलावा मुख्य प्रतिमा के आजू-बाजू में भगवान आदिनाथ, नेमिनाथ भगवान, गौतम स्वामी महाराज,के अलावा दादा कुशल गुरुदेव जी और अधिष्ठायक तीर्थ संरक्षक देव भूमिया जी महाराज की प्रतिमा स्थापित कर, आकर्षक झांकी बनाई गई है। जहां रोजाना विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन किए जा रहे हैं। यह आयोजन केवल बालाघाट नगर में ही नहीं बल्कि संपूर्ण मध्य प्रदेश में पहली बार किया गया है।जिसका 2 सितंबर को सभी धर्मों के लिए आयोजित विशाल भंडारा के साथ समापन किया जाएगा।

पुलिया निर्माण कार्य में बरती जा रही अनियमितता, जिम्मेदार मौन

चिचगांव से नवेगांव पहुंच मार्ग नहर के ऊपर बनाये जा रहे पुलिया निर्माण कार्य की जांच कर दोषियों पर कार्यवाही एवं गुणवत्तापूर्ण निर्माण करवाने की मांग

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग 8 किमी. दूर ग्राम पंचायत चिचगांव से नवेगांव पहुंच मार्ग के बीच से गुजरी सर्राटी जलाशय माइनर नहर के ऊपर बना पुलिया क्षतिग्रस्त हो चुका था। वहीं पुलिया निर्माण की लंबे समय से मांग भी की जा रही थी। जिसके बाद जल संसाधन विभाग के द्वारा गत दिवस से लाखों रूपयों की लागत से नवीन पुलिया का निर्माण कार्य करवाया जा रहा है। लेकिन निर्माण कंपनी के द्वारा पुराने पुलिया के पुरे स्ट्रेक्चर को न तोड़ते हुए अधुरा तोड़कर उसी के ऊपर से नवीन पुलिया का निर्माण कार्य प्रारंभ कर दिया गया है। इस तरह से पुलिया निर्माण कार्य में अनियमितता बरतते हुए गुणवत्ताहीन कार्य करवाया जा रहा है। वहीं चिचगांव सरपंच गोविंद पटले सहित अन्य ग्रामीणजनों ने नहर के ऊपर बनाये जा रहे पुलिया निर्माण कार्य में भारी अनियमितता बरतने, गुणवत्ताहीन कार्य करवाने का आरोप नहर लाइनिंग निर्माण कंपनी के ठेकेदार एवं जिम्मेदार अधिकारियों पर लगाया है। साथ ही जिला प्रशासन से पुलिया निर्माण कार्य की जांच कर दोषियों पर कार्यवाही कर गुणवत्तापूर्ण कार्य करवाने की मांग की है।

निर्माण कार्य पर उठ रहे सवाल, जांच करवाने की उठी मांग

आपकों बता दे कि चिचगांव से नवेगांव पहुंच मार्ग के बीच से सर्राटी जलाशय माइनर नहर खमरिया की ओर जाती है और माइनर नहर का सीमेन्टीकरण निर्माण कार्य दो वर्ष पूर्व कर दिया गया था। लेकिन पुलिया का निर्माण कार्य नही किया गया था। जिसके कारण पुलिया क्षतिग्रस्त हो चुका था एवं किसी भी समय धराशायी हो सकता था और बड़ी दुर्घटना होने की संभावना बनी हुई थी। उक्त समस्या को लेकर विगत दिवस समाचार भी प्रकाशित किया गया था। जिसके बाद जल संसाधन विभाग के अधिकारी हरकत में आये और क्षतिग्रस्त पुलिया का निर्माण कार्य प्रारंभ करवाया है। लेकिन निर्माण कंपनी के द्वारा नवीन पुलिया का निर्माण कार्य गुणवत्तापूर्ण नही करवाया जा रहा है। जबकि पुराने पुलिया को तोड़कर नवीन निर्माण किया जाना चाहिए किन्तु ऐसा नही किया जा रहा है, पुराने नहर के पुलिया के नीचे बना मोगा (स्ट्रेक्चर) के ऊपर लोहा लगाकर निर्माण किया जा रहा है। ऐसी स्थिति में पुलिया कमजोर बनेगा, जबकि इस पुलिया के ऊपर से वन ग्राम के ग्रामीणजन, पर्यटक वन्यप्राणियों का दीदार करने जायेगें एवं जंगल के अंदर से बास एवं जलाऊ लकड़ी के ट्रक भी गुजरगें जिससे पुलिया जल्द खराब हो जायेगा। इस तरह से नहर लाइनिंग ठेकेदार के द्वारा अनियमितता बरतते हुए पुलिया निर्माण में कम माला में लोहा और अन्य आवश्यक सामग्री का उपयोग कर राशि का दुरूपयोग किया जा रहा है। साथ ही नवीन पुलिया निर्माण कार्य चालू होने के कारण आवागमन के लिए दुसरा अस्थाई मार्ग निर्माणाधीन पुलिया के समीप से बनाया गया है। लेकिन वह भी ठीक तरीके से नही बनाया गया है। जिसके कारण वनग्राम के ग्रामीणजन, वन विभाग के अधिकारी-कर्मचारियों सहित टेकाड़ी ला. सर्राटी जलाशय घुमने जाने वाले लोगों को भी आने-जाने में परेशानी हो रही है। वनग्राम के ग्रामीणजन सहित पर्यटकों ने शासन-प्रशासन से गुणवत्तापूर्ण पुलिया का निर्माण करवाने की मांग की है। वहीं जल संसाधन विभाग के ईई उदयसिंह परस्ते से दूरभाष पर चिचगांव से नवेगांव पहुंच मार्ग के बीच से गुजरे सर्राटी माइनर नहर के ऊपर बन रहे पुलिया निर्माण कार्य गुणवत्ताहीन किये जाने एवं अनियमितता बरतने के संबंध में चर्चा करने का प्रयास किया गया किन्तु संपर्क नही हो पाया।

क्षतिग्रस्त पुलिया के स्ट्रेक्चर को आधार बनाकर किया जा रहा है निर्माण - गोंविद

चिचगांव सरपंच गोंविद पटले ने बताया चिचगांव से नवेगांव पहुंच मार्ग के बीच से गुजरी माइनर नहर के ऊपर नवीन पुलिया का निर्माण कार्य किया जा रहा है। लेकिन ठेकेदार व जिम्मेदार अधिकारी उसी जर्जर (क्षतिग्रस्त) पुलिया के स्ट्रेक्चर को आधार बनाकर निर्माण करवा रहे है। जबकि इस पुलिया के ऊपर से वन विभाग के बांस व लकड़ी के ट्रकों का परिवहन होगा, ऐसी स्थिति में पुलिया जल्द खराब हो जायेगा। श्री पटले ने बताया कि बिना डिजाइन के कार्य करवाया जा रहा है, इस तरह से शासन की राशि का दुरूपयोग किया जा रहा है जो गलत है। जल संसाधन विभाग के उ'चाधिकारियों को निर्माण कार्य में अनियमितता बरतने की शिकायत की है और जल्द निर्माण स्थल का निरीक्षण कर दोषियों पर कार्यवाही करने एवं गुणवत्तापूर्ण पुलिया का निर्माण करवाने की मांग की है।

जैसा काम करने बताया गया है वैसा कर रहे है - सनद

पेटी कान्ट्रेक्टर सनद बघेल ने बताया कि पुलिया निर्माण की लागत, कार्य योजना सहित अन्य प्रकार की कोई भी जानकारी नही है। हमें इंजीनियर व ठेकेदार के द्वारा जो काम बताया गया है उस तरह का पुलिया का निर्माण कार्य कर रहे है एवं यह काम पेटी कांट्रेक्ट पर लिया गया है। श्री बघेल ने बताया कि निर्माण कार्य का समय-समय पर संबंधित विभाग के अधिकारी निरीक्षण भी करते है एवं काम सही हो रहा है।

खमरिया क्षेत्र में पारंपरिक रीति-रिवाज से मनाया गया पोला एवं नारबोद पर्व

दुल्हे की तरह सजाये बैलों को, किसानों ने की पूजा अर्चना, खिलाये पकवान

खमरिया/लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग 10 किमी. दूर स्थित ग्राम पंचायत खमरिया सहित आसपास के ग्रामीण अंचलों में पोला पाटन एवं नारबोद पर्व पारंपरिक रीति-रिवाज के साथ मनाया गया। इस अवसर पर प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी पोला पर्व पर क्षेत्रीय कृषकों के द्वारा भगवान नंदी के स्वरूप बैलों को विभिन्न रंगों से सजाकर आखर चौक में शनिवार को एकत्रित किया गया । जहां पर आम की तोरण के समीप खड़ाकर उनकी पूजा अर्चना की गई और झड़ती देकर उन्हें विदा किया गया। जिसके पश्चात घरों में पूजा अर्चना की गई एवं तरह-तरह के पकवान बनाकर अपने हाथों से उन्हे खिलाया गया। पोला पर्व के पश्चात खासतौर पर छोटे ब'चे नारबोद पर्व को मनाने के लिये उत्साहित रहते है और रविवार को नारबोद का पर्व मनाया गया। इस अवसर पर ग्रामीण क्षेत्रों में सुबह के समय नारबोद पर्व मनाते हुए मारबत का पुतला दहन किया गया। यह पर्व पोला पाटन के दूसरे दिन मनाया जाता है, इस दिन पूतना नामक राक्षसी का पुतला मारबद बनाकर लोग आफत, बलायें, बीमारियों व महंगाई सहित अन्य बुराईयों को भी गांव की सीमा से बाहर निकालने के लिये 'घेऊन जा री नारबोद' कहकर पुतले को गांव की सीमा से बाहर ले जाकर पुतले का दहन करते है। आपकों बता दे कि बालाघाट जिले में पोला का त्यौहार का खास महत्व है। इस दिन किसान बैलों को दुल्हे की तरह सजाकर उन्हे पकवान खिलाते है। ऐसी मान्यता है कि इस दिन किसान बैलों की सेवा उनका कृषि कार्य में सहयोग के लिए उपकार मनाते है। जिसके चलते यहां पोला किसानों का प्रमुख त्यौहार माना जाता है।

क्षेत्रभर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया मारबत का पर्व

गांव के सरहदी सीमा के बाहर मारबत (पूतना राक्षसी) के पुतले का किया गया दहन

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय सहित ग्रामीण क्षेत्रों में 24 अगस्त को मारबत (नारबोद) का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर सुबह से ही ग्रामीण क्षेत्रों में घेऊन जा री नारबोद....खासी खोखला ले जा नारबोद के साथ युवाओं ने गांव की सरहदी सीमा के बाहर नारबोद (पूतना राक्षसी) के पुतले का दहन कर मानव जीवन के लिए सुख शांति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की गई। वहीं किसानों के द्वारा अपनी फसलों को कीट-बीमारी आदि से बचाने के लिए गड़ाड़ी नामक पौधे की टहनियां फसलों में गड़ाकर अ'छी फसल होने की कामना की गई। साथ ही छोटे-छोटे बच्चों के द्वारा भी घर-घर पहुंचकर घेऊन जा रही नारबोद के नारे लगाते हुए गड़ाड़ी की टहनियां घरों में लगाकर उपहार के रूप में (बोजारा) रूपये मांगे। जिसके बदले में ग्रामीणों ने उन्हे रूपये देकर नारबोद पर्व की शुभकामनाएं दिये। इसी तरह ग्राम पंचायत बबरिया के बबरियाटोला, घोटी में मंगलवार की सुबह ग्रामीणजन एवं ग्राम के युवा ढोल-नगाड़े के साथ नारबोद के पुतले की शोभायात्रा निकालकर वैनगंगा नदी घाट में अपने-अपने घरों में बनाई बेड़ी को लेकर एकत्र हुए जहां मारबत (नारबोद) पूतना राक्षसी के पुतले का दहन किया गया। आपकों बता दे कि होली, दशहरा और पोला पर्व किसान भाईयों का आकर्षित पर्व है चूंकि यह त्यौहार खेती-किसानी से जुड़ा हुआ पर्व है। जिसमें किसान को कृषि क्षेत्र में कृषि करने के लिएबैलों की आवश्यकता होती है इसलिए पोला किसानों का मुख्य त्यौहार माना जाता है एवं पोला पर्व के दूसरे दिन नारबोद मनाई गई। इस अवसर पर लोग गांव की सीमा सरहद के बाहर निकालकर नारबोद को जलाकर मानव जीवन के लिए सुख शांति प्रदान करने हेतु ईश्वर से प्रार्थना करते हैं। ग्रामीणों ने बताया कि पोला पर्व के दूसरे दिन नारबोद पर्व मनाई गई और इस दिन गांव की सीमा के बार नारबोद के पुतले को ले जाकर उसे जलाया गया। साथ ही यह भी बताया कि ऐसी मान्यता है कि गेड़ी को गांव से बाहर ले जाते समय लोग अपनी समस्याओं और बुराइयों के साथ बीमारियों को भी गांव की सीमा से बाहर जलाते हैं। इस अवसर पर ग्रामीणजन बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

सरपंच प्रतिनिधि श्रीराम नागेश्वर ने गमछा भेंटकर किसानों का किया सम्मान

बकोड़ा में धूमधाम से मनाया गया पोला पाटन पर्व

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय से लगभग 4 किमी. दूर स्थित ग्राम पंचायत बकोड़ा में पोला पाटन पर्व शनिवार को धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर सभी किसान भाई अपने-अपने बैलों को सजाकर ढोल-नगाड़ों के साथ पूजा स्थल पहुंचे जहां पर उनके द्वारा प्रतिवर्षानुसार पारंपरिक रूप से आम के पत्ते की तोरन बांधकर पूजा अर्चना की गई तत्पश्चात सरपंच प्रतिनिधि श्रीराम नागेश्वर के द्वारा सभी किसानों का तिलकवंदन कर उन्हें सम्मानपूर्वक गमछा भेंट कर उनका सम्मान किया। जिसके बाद परंपरानुसार झड़ती बोलकर बैलों को रवाना किया गया। चर्चा में सरपंच प्रतिनिधि श्रीराम नागेश्वर ने बताया कि पोला पर्व केवल बैलों की पूजा करने तक ही सीमित नही है बल्कि यह प्रकृति व कृषि संस्कृति के अनुसार पशुधन के प्रति आभार व्यक्त करने का अवसर भी है। यह पर्व हमें यह अहसास कराता है कि मनुष्य का जीवन पूरी तरह से पशुधन और प्रकृति पर निर्भर है, खेती से जुड़ी यह परंपरा ग्रामीण जीवन में श्रम, सहयोग और सामूहिकता का संदेश देती है। इस पर्व पर किसान अपने खेती किसानी के कार्यों से मुक्त होने के पश्चात् पोला-पाटन पर्व पर अपने बैलों को नहलाकर व सजाकर तैयार करता है, उसकी पूजा अर्चना करने के पश्चात् उसे अपने घरों में बने अ'छे स्वादिष्ट पकवान खिलाता है। यानि पोला पर्व के माध्यम से किसान अपने बैलों का आभार व्यक्त करता है कि बैलों के सहयोग से कृषि कार्य सफलतापूर्वक सम्पन्न हो पाया है। इस तरह से हम यह कह सकते है कि यह पर्व विशेषकर बैलों को सम्मान देने के लिए मनाया जाता है एवं बैलों को हमारी संस्कृति में भगवान के तुल्य माना गया है। श्री नागेश्वर ने बताया कि इस पोला पर्व के अवसर पर सभी ग्राम के वरिष्ठजन बसंत मसखरे के निवास पर एकत्रित हुए जहां से आरती की थाल लेकर कृषि मंडी प्रांगण पहुंचे जहां बेलों की विशेष पूजा अर्चना कर झड़तियां बोलकर उन्हे दौड़ाया गया। साथ ही उपस्थित किसानों को गमछा भेंट कर सम्मान किया गया और सभी के जीवन में हमेशा खुशहाली बनाये रखने की ईश्वर से कामना की गई। इस अवसर पर सरपंच प्रतिनिधि श्रीराम नागेश्वर, उपसरपंच श्रीनिवास कावरे, नरेंद्र नागेश्वर, रामचरण, श्रीनिवास देशमुख, आशाराम पंचेश्वर, काशीराम पंचेश्वर, राजकुमार बाहेश्वर, पीतम बाहेश्वर, अक्षय कावरे, चानूराम बाहेश्वर, गिरजा शंकर मसकरे, हेमंत मसकरे, बसंत मसकरे, रवि पंचेश्वर, खुशीयाल, सोहन, मेहतर गोंदुड़े, पवन खैरवार, गणेश बाहेश्वर, भोजराज देशमुख, अमित कावड़े, रमेश नागेश्वर, रामचरण कावरे, झामराज पंचेश्वर, जोगलाल ठाकरे, सालिकराम कावरे, सुरेंद्र दांदरे, प्रकाश मातरे, पवन खैरवार, मन्नु खैरवार एवं परदेशी दांदरे सहित ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

श्वेताम्बर जैन मंदिर में मनाया जा रहा पर्युषण पर्व

भगवान महावीर के जन्मोत्सव पर निकाली गई शोभायात्रा, रोजाना हो रहे विविध धार्मिक कार्यक्रम

लालबर्रा (पद्मेश न्यूज)। नगर मुख्यालय स्थित श्वेताम्बर जैन मंदिर में जैन धर्मावलंबियों के द्वारा गत 20 अगस्त से 27 अगस्त तक पर्युषण पर्व मनाया जा रहा है। इस अवसर पर धर्मावलंबियों के द्वारा श्वेताम्बर जैन मंदिर में आकर्षक साज-स'जा व लाइटिंग की गई है जिससे पूरा मंदिर रौशनी से जगमगा रहा है एवं पर्युषण पर्व के अवसर पर जैन धर्मावलंबियों के द्वारा मंदिर में पहुंचकर विशेष पूजा एवं आराधना की जा रही है। पर्यूषण पर्व के पांचवे दिन रविवार को 24 वें तीर्थकर भगवान महावीर के जन्म महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर श्वेताम्बर जैन मंदिर से भगवान महावीर की शोभायात्रा बैडबाजे के साथ निकाली गई, जो नगर मुख्यालय के विभिन्न चौक-चौराहों का भ्रमण करते हुए कार्यक्रम स्थल पहुंची जहां विविध धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किये गये। चर्चा में श्वेताम्बर जैन मंदिर ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने बताया कि जैन धर्मालंबियों के द्वारा 20 अगस्त से पर्यूषण पर्व मनाया जा रहा है जिसमें प्रतिदिन प्रातः 6.30 बजे से प्रभु पक्षाल, स्नात्र पूजा, शांति कलश एवं कल्पसूत्र वाचन किया जा रहा है एवं रात में भगवान की भक्ति की जा रही है। साथ ही रोजाना विविध धार्मिक कार्यक्रम संपन्न हो रहे है। आगे बताया कि 24 अगस्त को पर्व के पांचवें दिन 24 वें तीर्थकर भगवान महावीर का जन्म उत्सव धूमधाम से मनाया गया, इस अवसर पर मंदिर से भगवान महावीर की शोभायात्रा निकाली गई एवं पर्व का समापन 27 अगस्त को किया जायेगा। यह पर्युषण पर्व 8 दिवस का होता है जिसमें प्रतिदिन प्रभु महावीर की आराधना की जाती है एवं पर्यूषण पर्व के पांचवे दिन भगवान महावीर का जन्म कल्याण (जन्मोत्सव) मनाया जाता है। साथ ही पर्यूषण पर्व के अवसर पर विविध धार्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किये जा रहे है। इस अवसर पर जैन धर्मालंबी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

रमरमा के ग्रामीणजन नल जल योजना से त्रस्त

एसडीएम नें शिकायत पर किया निरिक्षण

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी जनपद पंचायत अंतर्गत ग्राम पंचायत रमरमा में जल जीवन मिशन के अंतर्गत बनी नल जल योजना बंद पड़ी हुई है। जहां पानी ग्रामीणों को प्राप्त करने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ रही है तो वहीं कई प्रकार की समस्याओं का भी सामना करना पड़ रहा है। यह योजना को लेकर पंचायत और ठेकेदार आमने.सामने नजर आ रहे हैं। किंतु इस स्थिति में ग्रामीणों को परेशान होना पड़ रहा है उनके द्वारा करीब आधा किलोमीटर दूरी तय कर पानी प्राप्त करना पड़ रहा है। तो वहीं ग्राम के विभिन्न कुएँ और हैंडपंप की खाक छानी पड़ रही है ऐसे में भी कई ग्रामीण है जिन्हें पीने का शुद्ध पानी प्राप्त नहीं हो पा रहा है। ग्रामीणों में काफी आक्रोश व्याप्त है जिसकी शिकायत पर अनुविभागीय अधिकारी कार्तिकेय जायसवाल के द्वारा पीएचई विभाग के साथ ग्राम का निरिक्षण किया गया। तो वहीं नल जल योजना को देखकर ग्रामीणों से भी चर्चा की गई जहां पर ग्रामीणों के द्वारा काफी समस्या नल जल योजना को लेकर बताई गई। विदित हो की बीते कई दिनों से पूरी योजना बंद पड़ी हुई है पहले पुरानी नल जल योजना थी जिसे पानी दिया जाता था फिर आवश्यकता को देखते हुए नई नल जल योजना स्वीकृत की गई किंतु उसके निर्माण के बाद से कुछ दिन योजना संचालित की गई फिर बंद पड़ी हुई थी। किंतु 7 अगस्त के बाद ग्राम की पुरानी योजना और नई योजना में ताले लगा दिए गए जिससे पूरी नल जल योजना बंद पड़ी हुई है। जहां लोगों को पानी के लिए परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है हालांकि एसडीएम के द्वारा मौका निरीक्षण कर तले खुला तो दिए गए हैं। किंतु वर्तमान तक पूरी तरह योजना प्रारंभ नहीं हो पाई है जिससे पानी की समस्या यथावत बनी हुई है।

एसडीएम ने खुलवाये ताले

ग्राम पंचायत रमरमा की नल जल योजना में करीब 7 अगस्त को ताला लगा दिया गया था जिससे पानी की विकराल समस्या उत्पन्न हो गयी थी। किसने ताला लगवाया इसकी स्पष्ट जानकारी किसी के पास नहीं है किसी के द्वारा योजना के ठेकेदार और किसी के द्वारा ग्राम सरपंच को इसके लिए जिम्मेदार बताया जा रहा है। ऐसे में पूरी नल जल योजना बंद पड़ी हुई थी घटना की शिकायत मिलते ही 23 अगस्त को एसडीएम कार्तिकेय जायसवाल के द्वारा पीएचई विभाग के साथ ग्राम का मौका निरीक्षण किया गया। जहां योजना में लगे तालों को खुलवाकर तत्काल पंचायत और ठेकेदार से चर्चा की गई। जिसमें निर्माण एजेंसी को योजना का पूर्ण कार्य करके देने के लिए निर्देशित किया गया तो वहीं पंचायत को जल्द हैंडओवर लेकर संचालित करने कहा गया। इस दौरान पानी की समस्या को लेकर ग्रामीणों के द्वारा भी अधिकारियों के समक्ष उपस्थित होकर चर्चा की गई।

सरपंच की लापरवाही से ग्रामीणों को नही मिल रहा पानी-हसीन खान

ग्राम पंच हसीन खान ने बताया कि गांव की नल जल योजना 20 दिन हो गया बंद पड़ी हुई है। उसमें ताले लगे हुए हैं सरपंच सचिव को फ ोन कर रहे हैं तो कोई उठा नहीं रहा है सरपंच के घर जाओ तो वह बताता है मेरी गलती नहीं है। ठेकेदार से बात करो तो वह कहता है सरपंच हैंडओवर जब तक नहीं लेगा तब तक ताला नहीं खोलूंगा बोलता है। नल चालक का भुगतान बकाया है इस पर सरपंच कोई ध्यान नहीं दे रहा है ग्रामीण परेशान हो रहे हैं। पानी के लिए काफी दिक्कतें है आधा किलोमीटर से अधिक दूर जाना पड़ रहा है वहां भीड़ भी बहुत लग रही है। क्योंकि एक दो हैंडपंप है एक से दो घंटा लग जाता है दो गुंडी पानी लाने में हर मोहल्ले की यही समस्या है। पानी की तकलीफ हर किसी को है सरपंच पुत्र हमेशा धमकी देता रहता है।

इनका कहना है

दूरभाष पर चर्चा में बताया कि ग्राम में पुरानी नल जल योजना संचालित थी नई नल जल योजना बनाई गई थी। नई योजना को हैंडओवर हमने नहीं लिए थे तो 7 अगस्त को ताला लगा दिया गया था इसकी शिकायत भी हमने किये थे। एसडीएम आये तो हमने कहा है कि हर घर नल हर घर जल के तहत सभी मकानों में संतोषप्रद पानी पहुंच पायेगा तभी हम इसे हैंडओवर लेंगे।

रोनू बिसेन सरपंच पुत्र रमरमा

दूरभाष पर चर्चा में बताया कि रमरमा ग्राम पंचायत में नल जल योजना की समस्या थी जहां पर हमारे द्वारा देखा गया है। पीएचई अधिकारियों के साथ गए थे जल जीवन मिशन के तहत नल जल योजना का कार्य पूर्ण हो चुका है। उसे सरपंच हैंडओवर नहीं ले रहा है जिसके लिए एक सप्ताह का समय हमने दिया है।

कार्तिकेय जायसवाल एसडीएम वारासिवनी

मुंदीवाड़ा में मनाया गया ताना पोला उत्सव

कृषि और पशुधन के संस्कार देने, राणा हनुमान सिंह ट्रस्ट ने करवाया आयोजन

कटंगी(पद्मेश न्यूज)। बच्चों को खेती से जुड़ी पारंपरिक प्रथाओं और खेती में पशुधन के महत्व को बताने के लिए प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी कटंगी शहर के मुंदीवाड़ा में राणा हनुमान सिंह ट्रस्ट के द्वारा ताना पोला का आयोजन करवाया गया. रविवार की शाम साढ़े 05 बजे मुंदीवाड़ा सहित आस-पास के ग्रामीण इलाकों के बच्चे मुंदीवाड़ा स्कूल परिसर में अपने-अपने मिट्टी और लकड़ी से बने खिलौने यानी पशुधन को लेकर पहुंचे. जहां नगर परिषद उपाध्यक्ष श्रीमती धर्मकला देशमुख, ट्रस्टी विजय सिंह सरस्वार, हेमंत राजपूत, मनोज चौहान, सुरजीत सिंह ठाकुर, पवन अग्रवाल, प्रमोद अग्रवाल, प्रदीप मोर सहित स्थानीय जनों ने पशुधन की आकृति की पूजा अर्चना की. जिसके बाद ताना पोला में शामिल सभी बच्चों को उपहार भेंट किए गए. मुंदीवाड़ा में ट्रस्ट 2 दशक से यह आयोजन करवाते चला आ रहा है. इस ताना पोला को देखने के मिलए दूर-दराज के ग्रामीण इलाकों से लोग यहां पहुंचते है और मुंदीवाड़ा में आयोजित ताना पोला की तर्ज पर अब अन्य कई गांवों में भी ताना पोला का आयोजन शुरू हो गया है. पोला पर्व के ठीक दूसरे दिन नारबोद के दिन ताना पोला मनाया जाता है। ट्रस्टी विजय सिंह सरस्वार बताते है कि भारत जैसे कृषि प्रधान देश में शुरू से ही पशुओं का बहुत अधिक महत्व रहा है. क्योंकि पशु न केवल कृषि कार्यों में मदद करते हैं, बल्कि खाद्य, आय और सामाजिक सुरक्षा का भी एक महत्वपूर्ण स्रोत हैं. खेती-किसानी से लेकर आवागमन में पशुधन इंसानों का सहायक रहा है. किसान अपने खेत की जुताई से लेकर अंत में जब फसल पककरड्ढ तैयार होती थी तो गाहने और घर तक पहुंचाने में मददगार होते थे. जब वाहनों की सुविधा नहीं हुआ करती थी तब बैलगाड़ी आवागमन का प्रमुख साधन हुआ करती थी. पशु धन के इसी महत्व को बच्चों को बताने और उनमें पशु प्रेम, खेती के प्रति लगाव के लिए यह आयोजन करवाया जाता है।

बोनकट्टा में भी आयोजन-

मुंदीवाड़ा की तर्ज पर तिरोड़ी तहसील के ग्राम बोनकट्टा में भी रविवार को ताना पोला का आयोजन करवाया गया. गांव भर के बच्चे एक स्थान पर अपने खिलौने के साथ एकत्रित हुए जहां जनपद अध्यक्ष श्रीमती कविता अरविंद देशमुख, सरपंच भीमलता सुखदेव हाड़ंगे सहित गांव के अन्य प्रबुद्धजनों ने पशुधन की पूजा अर्चना कर बच्चों को उपहार बांटे और पशुओं का मानव समाज में क्या योगदान है इसकी जानकारी दी।

गाँधी चौक में मनाया गया तान्हा पोला

120 नौनिहालों ने की शिरकत

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। नगर के वार्ड नंबर 10 स्थित गांधी चौक में 24 अगस्त को तान्हा पोला का आयोजन किया गया। जिसमें वारासिवनी नगर के इतिहास में चौथी बार प्राचीन परंपरा को पुनर्जीवित करते हुए तान्हा पोला का आयोजन किया गया। जिसमें दर्जनों ब'चो ने अपने लकड़ी के बने नंदी के साथ उपस्थिति दर्ज कराई। जहां नौनिहालों की नदी के साथ भीड़ लगी रही इस दौरान विभिन्न आकृति और रंगों में बने नदी को देखने के लिए लोगों की भी उपस्थिति रही । वहीं कुछ नौनीहालों के द्वारा किसानो एवं भगवान कृष्ण की वेशभूषा भी धारण कर उपस्थिति दर्ज कराई गई जहां हर्षउल्लास के साथ तान्हा पोला पर्व मनाया गया। इस अवसर पर गांधी चौक मित्र मंडल सहित बड़ी संख्या में नगर वासी मौजूद रहे।

बच्चों में दिखा उत्साह

नगर के विभिन्न स्थानों से नन्हे मुन्ने बच्चे गांधी चौक में एकत्रित हुए जहां पर नगर वासियों के द्वारा बच्चे एवं उनके नंदी को तिलक लगाकर भेंट स्वरूप चॉकलेट, कुरकुरे, पेन पेंसिल, गमछा, टोपी व अन्य चीजों का वितरण किया गया। इस दौरान बड़ी संख्या में नगर वासियों ने उपस्थिति दर्ज करवा कर कार्यक्रम को सफल बनाया और उक्त कार्यक्रम का जमकर आनंद लिया। बच्चो द्वारा तरह तरह के वेशभूषा में अपने नंदी देव को सजा कर वह अन्य साज सज्जा कर लेकर उपस्थित हुये। जिसके बाद सामूहिक राष्ट्रगान कर तोरण तोडकर कार्यक्रम का समापन किया गया।

नंदी रहे आकर्षण का केंद्र

इस प्रतियोगिता में आकर्षण का केंद्र नन्हे मुन्ने नौनिहालों के द्वारा लाये गए छोटे बड़े नंदी जी ने विभिन्न रंगों व वस्तुओं से आकर्षक रूप से सजाया गया था। जो लोगों को अपनी ओर आकर्षित कर ध्यान खींच रहे थे जो प्रमुख रूप से आकर्षण का केंद्र है। वहीं नन्हे मुन्ने बच्चे भी धोती कुर्ता पैजामा सहित किसानो की वेशभूषा के रूप में कंधे पर गमछा डालें काफी सुंदर प्रतीत हो रहे थे। जहां कार्यक्रम में उपस्थित लोगों के द्वारा सभी की जमकर सराहना की गई।

तान्हा पोला की परम्परा को जिन्दा रखने का प्रयास किया जा रहा है- संदीप मिश्रा

पद्मेश से चर्चा में पार्षद संदीप मिश्रा ने बताया कि नगर में बच्चों के उत्साह को देखते हुए चौथी बार तान्हा पोला का आयोजन किया गया है। जिसमें बहुत अधिक बच्चों ने अपने लकड़ी के नंदी को सॉज सज्जा कर लाया है। जिनकी उपस्थित जनों के द्वारा पूजा अर्चना कर स्वेच्छा अनुरूप पुरस्कार का वितरण किया गया। सभी लकड़ी के नदियों की पूजा अर्चन की गई। यह हमारी बहुत पुरानी परंपरा है जो कहीं गुम हो गई थी जिसे पुनर्जीवित करने का कार्य किया जा रहा है। यह मुख्यता महाराष्ट्र की संस्कृति है और निश्चित ही आने वाले वर्ष में भव्य रूप से इसका आयोजन किया जायेगा। तान्हा पोला कार्यकम को आगामी समय में और अधिक भव्यता प्रदान की जायेगी।

बीआरसी के आदेश के खिलाफशिक्षक संघ के पदाधिकारियों ने सौंपा ज्ञापन

खैरलांजी/वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। खैरलांजी जनपद शिक्षा केन्द्र के अंतर्गत शालाओं में एटग्रेड की किताबों को शालावार ना भिजवाने पर शिक्षक संगठनों के द्वारा विरोध दर्ज किया जा रहा है। वर्तमान में शिक्षकों के द्वारा जनपद शिक्षा केन्द्र पहुंचकर किताबें लेकर जाना पड़ रहा है। ऐसे में वे शिक्षक जो 35 किलोमीटर दूरी से आते है उनके लिए बीआरसी का यह रवैया तानाशाह की तरह प्रतीत हो रहा है। इसी प्रकार मध्यप्रदेश शिक्षक कांग्रेस के पदाधिकारियों का आरोप है कि बहुत से प्रधान पाठकों को डिजीगव की लॉगिन आईडी और पासवर्ड नही दी जा रही है। उनका कहना है ऐसे प्रधान पाठक जरूर खुलकर सामने नही आ रहे हैं लेकिन यह नियम विरुद्ध है। सभी को लॉगिन आईडी का पासवर्ड उपलब्ध करवाई जाए। इन दो मांगों को लेकर संगठन के पदाधिकारियों और शिक्षकों के द्वारा बीआरसी एस एल भगत को ज्ञापन सौंप कर निराकरण की मांग की गई। इस संबंध में एक प्रतिलिपि विकास खण्ड शिक्षा अधिकारी बीआरसी को भी सौंपी गई। इस दौरान चंद्रकिशोर मेश्राम ,दामेंद्र मंदरेले ,विजय बिरनवार ,राजेश भीमटे ,जयनारायण बिसेन सहित अन्य शिक्षक मौजूद रहे। 2021 से डिजीगव ऑनलाइन प्लेटफार्म से शालाओं के भुगतान प्रक्रिया को संचालित किया जा रहा है। जिसमें प्रधान पाठक के साथ मेकर और चेकर तीन लोग सम्मिलित होते हैं। जिसमें ओटीपी के माध्यम से शालाओं को प्राप्त राशि के बिलों का भुगतान संपन्न होता है। फिर जिन प्रधान पाठकों को आईडी और पासवर्ड अभी तक नही प्राप्त हो पाई है वे लोग आज तक चुप क्यों रहे। इनकी शालाओं के भुगतान फिर अब तक किस प्रकार से होते रहे और कौन करता रहा। मतलब आईडी पासवर्ड का उपयोग कोई और करता रहा और शिक्षक संगठन भी खामोश रहे। बीआरसी इन मामले पर खामोश क्यों रहे। उन्होंने क्यों नही इस संबंध में प्रधान पाठकों से जानकारी प्राप्त की।

कहीं बीआरसी भी तो इस मामले में लिप्त नही है। जनशिक्षक भी सब जानते हुए अंजान बने रहे। यहां संबंधित सभी लोगों की भूमिका संदिग्ध नजर आ रही है।

इनका कहना है

तीसरी राउंड की किताबों के लिए शासन की ओर से कोई परिवहन की व्यवस्था नही की जाती। इसलिए प्रधान पाठकों को जनपद शिक्षा केन्द्र से किताबें लेकर जाने को कहा गया है। प्रथम और द्वितीय बार की किताबें उनके द्वारा शालावार छोड़कर दी गई है। डिजिव की आईडी के पासवर्ड सभी प्रधान पाठकों को पहले से ही उपलब्ध करवा दी गई है। 2021 से यह सिस्टम लागू है फिर अभी तक प्रधान पाठकों के द्वारा भुगतान किस प्रकार से किया गया । जबकि बिना आईडी पासवर्ड के कोई भुगतान संभव ही नहीं है। सारे आरोप झूठे और बेबुनियाद है। हमने भुगतान के लिए ऑनलाइन कैफे का उपयोग नही करने और शाला के टैब से इसका संचालन करने के लिए भी प्रधान पाठकों से कहा है।

एस एल भगत बीआरसी खैरलांजी

बहुत से प्रधान पाठक ऐसे हैं जो कैमरे के सामने और लिखित रूप से बोल चुके है कि उनको डिजिगो का पासवर्ड आज तक प्राप्त नही हो पाया है। इसी प्रकार एटग्रेट की किताबें भी शालावार भिजवाई जानी चाहिए ऐसे शासन के निर्देश है।

नरेन्द्र दरवड़े शिक्षक

फरार स्थाई वारंटी टेकचंद गिरफ्तार

वारासिवनी(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी पुलिस के द्वारा फरार स्थाई वारंटी टेकचंद मेश्राम को गिरफ्तार कर 24 अगस्त को न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार टेकचंद पिता रामचरण मेश्राम 30 वर्ष पाढरवानी अरी सिवनी निवासी है। जिसकी पत्नी ने न्यायालय में अपील की थी। घटना दिनांक के बाद से यह फरार था जिसमें न्यायिक मजिस्ट्रेट की न्यायालय के द्वारा स्थाई वारंट धारा 125 (3)प्रकरण क्रमांक 11/22 में जारी किया गया था। जिसमें व्यक्ति की लंबे समय से पतासाजी की जा रही थी किंतु वह गिरफ्त में नहीं आ रहा था। ऐसे में पुलिस के द्वारा मूकबीर सूचना के आधार पर दबीस देकर टेकचंद मेश्राम को गिरफ्तार कर वारासिवनी पुलिस थाने में लाया गया। जहां पर कार्यवाही करने के उपरांत न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया गया।

सांसद श्रीमती भारती पारधी का दौरा कार्यक्रम

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। बालाघाट-सिवनी लोकसभा क्षेत्र की संसद श्रीमती भारती पारधी 25 अगस्त को प्रातः 6ः00 बजे बालाघाट से जबलपुर के लिए प्रस्थान करेंगी और जबलपुर में प्रातः 11 बजे से भाजपा के राष्टीय अध्यक्ष एवं केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री श्री जे पी नड्डा की अध्यक्षता में आयोजित संभागीय बैठक में शामिल होंगी। इसके पश्चात वे शाम 6ः15 बजे जबलपुर से बालाघाट के लिए प्रस्थान करेंगी और रात्रि 10ः30 बजे बालाघाट पहुंचेंगी।

ई20 मिश्रित पेट्रोल की अनिवार्यता नहीं होनी चाहिए

केंद्र सरकार के इथेनॉल मिश्रण कार्यक्रम को चुनौती देते हुए सर्वोच्च न्यायालय में एक जनहित याचिका (पीआईएल) दायर की गई है, जिसमें 20त्न इथेनॉल (श्व20) मिश्रित पेट्रोल की बिक्री अनिवार्य है। याचिकाकर्ता, अक्षय मल्होत्रा नामक एक वकील ने तर्क दिया कि उपभोक्ताओं को इथेनॉल-मुक्त पेट्रोल (श्व0) का विकल्प दिए बिना केवल श्व20 पेट्रोल उपलब्ध कराना, उन लाखों वाहन मालिकों के मौलिक अधिकारों का उल्लंघन है जिनके वाहन उच्च इथेनॉल मिश्रण के अनुकूल नहीं हैं। इसके अलावा, जन जागरूकता पैदा किए बिना ऐसा कार्यक्रम उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के तहत उपभोक्ताओं के सूचित विकल्प के अधिकार का उल्लंघन करता है। याचिकाकर्ता का कहना है कि लाखों भारतीय इस बात से अनजान हैं कि उनके वाहनों में इस्तेमाल होने वाला पेट्रोल 100त्न पेट्रोल नहीं, बल्कि इथेनॉल और पेट्रोल का मिश्रण है, जो उपभोक्ता को एक महत्वपूर्ण तथ्य का खुलासा न करने के कारण सूचित उपभोक्ता विकल्प के मूल तत्व को दूषित करता है। याचिका के अनुसार, श्व20 पेट्रोल के इस्तेमाल से ईंधन दक्षता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है और वाहन के विभिन्न पुर्जों में जंग लग सकता है, जिससे उपभोक्ताओं पर अतिरिक्त लागत और सुरक्षा संबंधी चिंताएँ बढ़ जाती हैं। याचिका में आगे कहा गया है कि ऑटोमोबाइल निर्माताओं को श्व20 के अनुरूप वाहन डिज़ाइन करने और जारी करने का पर्याप्त अवसर दिए बिना नीति को लागू करने का केंद्र का कदम अनुचित और मनमाना है। कहा गया है कि अप्रैल 2023 से पहले भारत में निर्मित वाहन इथेनॉल-मिश्रित पेट्रोल के अनुकूल नहीं हैं। इसके अलावा, 2 साल पुराने वाहन, भले ही क्क्र-ङ्क्ष्ठ मानकों के अनुरूप हों, 20त्न इथेनॉल के अनुकूल नहीं हैं, हालाँकि वे श्व-10 के अनुकूल हो सकते हैं।जैसा मेरा मानना है यह 2023 के पहले पुराने कार के इंजन के लिए खतरनाक है जैसा की मालूम है इथेनॉल का सूत्र ष्टर ॥५ह्र॥ (Øæ CH3CH2OH) है। धातुओं पर विद्युत-रासायनिक हमले, जिनमें अक्सर इथेनॉल शामिल होता है, धातु की सतह पर एथोक्साइड के निर्माण जैसी प्रक्रियाओं के माध्यम से होते हैं, जो फिर ऑक्सीकरण से गुजरता है और धातु के विघटन और इलेक्ट्रॉनों के उत्सर्जन में योगदान देता है। यह एक सुरक्षात्मक परत बनाता है जो एनोडिक और कैथोडिक प्रतिक्रियाओं को बदल सकता है, जिससे धातु की सतह पर इथेनॉल की संक्षारक क्रिया होती है।कार का डिजाइन उसके इंजन के लोड और फ्यूल पर डिजाइन किया जाता है अत: अगर सिर्फ पेट्रोल के लिए डिजाइन है तो .इथेनॉल मिक्स्ड पेट्रोल कैसे लगाएंगे इंजन खराब होगा इसलिए इस पर ध्यान देने की जरुरत है ऐ फ्यूल यदि पेट्रोल है तो उसमें ही फिट होगा इसलिए अगर किसी को पेट्रोल चाहिए तो पेट्रोल के बदले इथेनॉल मिक्स्ड पेट्रोल की अनिवार्यता करना जरुरी नहीं होना चाहिए क्योंकि वाहन सुरक्षित चले यहीं सबसे बेहतर है इंजन खराब होने से रास्ते में दुर्घटना हो सकती है इसलिए इसे थोपने की जरुरत नहीं है यहाँ सभी तरह के लोग जिसके पास पैसे की कमी है वो आखिर नया कार क्यों ले यदि नहीं लेगा तो ऐसे ईंधन से पुरानी गाड़ी खराब होगी इससे बेहतर है सीएनजी का ऑप्शन लें उससे बेहतर है इंजन सेफ रहेगा। इथेनॉल पेट्रोल की तुलना में अधिक संक्षारक है, खासकर रबर, प्लास्टिक और स्टील जैसी कुछ धातुओं के लिए, क्योंकि यह हाइग्रोस्कोपिक (पानी सोख लेता है) होता है और इसमें क्लोराइड आयन जैसे संक्षारक घटक हो सकते हैं। यह बढ़ी हुई संक्षारकता ईंधन प्रणाली के घटकों, जैसे होज़, सील और ईंधन टैंक, को खराब कर सकती है, खासकर पुराने वाहनों में जो उच्च इथेनॉल मिश्रण के लिए डिज़ाइन नहीं किए गए हैं F इथेनॉल वायुमंडल से पानी सोख लेता है। पानी एक इलेक्ट्रोलाइट के रूप में कार्य करता है, जो संक्षारण सेल के कार्य करने और संक्षारण प्रक्रिया को तेज करने के लिए आवश्यक है।

संसद संवाद और बहस का मंच है, हंगामे का नहीं

लोकतंत्र की सबसे बड़ी पहचान उसकी संसद होती है। संसद वह संस्था है जहां जनता द्वारा चुने गए प्रतिनिधि राष्ट्र की नीतियों, योजनाओं और कानूनों पर विचार-विमर्श करते हैं। यह वह सर्वोच्च मंच है जहाँ विभिन्न विचारधाराएं और दृष्टिकोण टकराते हैं और देशहित में समाधान निकलता है। लेकिन दुर्भाग्यवश आज भारतीय संसद की छवि हंगामे, तोड़फोड़, शोर-शराबे और गतिरोध का पर्याय बनती जा रही है। हाल ही में संपन्न मानसून सत्र इसकी बानगी था, जो आरंभ से अंत तक त्रासद हंगामे की भेंट चढ़ गया। यह सत्र बेहद निराशा एवं अफसोसजनक रहा, क्योंकि सरकार और विपक्ष में टकराव उग्र से उग्रत्तर हुआ। राज्यसभा में केवल 41.15 घंटे और लोकसभा में 37 घंटे काम हुआ। संवाद एवं सौहाई की कमी दिखी, कई सवाल अधूरे रहे, जिनका जवाब देश जानना चाहता था। यहां दोनों पक्षों से ज्यादा समझदारी, सौहार्द और संतुलित नजरिये की अपेक्षा थी, लेकिन देशहित को दोनों पक्षों ने नेस्तनाबूद किया। यह स्थिति केवल दुखद ही नहीं बल्कि लोकतंत्र के भविष्य के लिए गंभीर चिंता का विषय भी है। लोकसभा के मानसून सत्र के लिए कुल 120 घंटे चर्चा के लिये निर्धारित थे, लेकिन कार्यवाही मात्र 37 घंटे ही चल पाई। यानी 70 प्रतिशत से अधिक समय लोकसभा में और 61 प्रतिशत से ज्यादा समय राज्यसभा में हंगामे और शोर-शराबे की भेंट चढ़ गया। संसद में बिताया गया प्रत्येक घंटा जनता के करोड़ों रुपये की कमाई से संचालित होता है। जब वही समय व्यर्थ हो जाए तो यह सीधे-सीधे जनता के साथ अन्याय है। गुजरात के एक निर्दलीय सांसद ने यह प्रश्न उठाया भी कि जो सांसद हंगामा कर सदन को ठप कर देते हैं, क्या वे जनता के धन की बरबादी की भरपाई करेंगे? यह प्रश्न केवल प्रतीकात्मक नहीं, बल्कि लोकतंत्र के प्रति हमारी गंभीरता की कसौटी भी है। काम कम, हंगामा अधिक-आखिर हमारे राजनीतिक दल एवं जनप्रतिनिधि लोकतंत्र की मर्यादा एवं आदर्श को तार-तार करने पर क्यों तुले हैं? कैसी विडम्बना है कि लोकसभा की कार्यवाही के लिए 419 तारांकित प्रश्न शामिल किए गए थे और इनमें से महज 55 का मौखिक उत्तर मिल सका। लोकतंत्र में असहमति स्वाभाविक है और आवश्यक भी। विपक्ष का काम ही है सवाल उठाना, सत्ता को जवाबदेह बनाना। लेकिन यह काम हंगामे, नारेबाजी और सदन की कार्यवाही बाधित करने से नहीं हो सकता। संसद संवाद का मंच है, न कि संघर्ष का अखाड़ा। दुर्भाग्य यह है कि आज बहस और तर्क की जगह हंगामे और टकराव ने ले ली है। इससे न तो जनता की समस्याओं पर गंभीर विमर्श हो पाता है और न ही संसद की गरिमा सुरक्षित रह पाती है। सत्र शुरू होने के पहले कार्य मंत्रणा समिति में सरकार और विपक्ष के बीच कुछ मुद्दों पर चर्चा की सहमति बनी थी। लेकिन, सत्र शुरू होने के साथ ही उसे भुला दिया गया। संसदीय परंपरा में विरोध भी अधिकार है, लेकिन इसकी वजह से सदन की गरिमा और उसके कामकाज पर असर पड़ना दुर्भाग्यपूर्ण एवं चिन्ताजनक है। भारत का हर नागरिक संसद से अपेक्षा करता है कि वहां उसकी समस्याओं पर चर्चा होगी- बेरोजगारी, महंगाई, भ्रष्टाचार, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा जैसे मुद्दे प्राथमिकता पाएंगे। लेकिन जब टीवी स्क्रीन पर वह अपने प्रतिनिधियों को मेज थपथपाते, नारे लगाते और वेल में जाकर हंगामा करते देखता है तो उसका विश्वास टूटता है और मन आहत होता है। उसे लगता है कि जिन नेताओं को उसने वोट देकर भेजा था, वे उसके हितों की बजाय केवल राजनीति का खेल खेल रहे हैं। यही कारण है कि आज लोकतंत्र के प्रति आम नागरिक का मोहभंग बढ़ रहा है। वैसे भी यह मानसून सत्र ऐसे वक्त हो रहा था, जब भारत नई चुनौतियों से गुजर रहा है। विदेश और आर्थिक, दोनों मोर्चों पर हालात तेजी से करवट ले रहे हैं। ऐसे में और भी अहम हो जाता है कि संसद में इस पर सार्थक चर्चा होती और वाद-विवाद से रास्ता निकाला जाता। बिहार में वोटर लिस्ट रिवीजन-एसआईआर और ऑपरेशन सिंदूर पर कई सवाल बचे रह गए। प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री एवं अन्य मंत्रियों के सजा की स्थिति-यानी जेल में होने पर पद से हटाने वाले संविधान संशोधन विधेयक जैसे महत्वपूर्ण मुद्दे पर जिस गंभीरता की जरूरत थी, वह नहीं दिखी। संसद में हंगामे की प्रवृत्ति में केवल विपक्ष ही नहीं बल्कि सत्ता पक्ष भी अक्सर इसमें बराबर का भागीदार होता है। जब कोई दल विपक्ष में होता है तो वह विरोध के लिए हरसंभव कदम उठाता है, और जब वही दल सत्ता में आता है तो संसद की गरिमा की दुहाई देने लगता है। यह दोहरा रवैया लोकतंत्र को कमजोर करता है। संसद को सुचारुरूप से चलाना केवल सरकार की ही नहीं, बल्कि विपक्ष की भी जिम्मेदारी है। दोनों पक्षों को यह समझना होगा कि वे जनता के सेवक हैं, और जनता उनके कामकाज पर पैनी नजर रखती है। संसद में अनुशासन और मर्यादा बनाए रखने के लिए कठोर नियमों की आवश्यकता है। यदि कोई सांसद बार-बार हंगामा करता है, सदन की कार्यवाही बाधित करता है, तो उसके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई होनी चाहिए। आर्थिक दंड एक प्रभावी उपाय हो सकता है। जिस प्रकार एक कर्मचारी को कार्यालय में अनुशासन भंग करने पर वेतन काटा जाता है, उसी प्रकार सांसद का भत्ता और सुविधाएं भी रोकी जानी चाहिए। तभी उन्हें यह समझ आएगा कि संसद खेल का मैदान नहीं बल्कि देशहित का पवित्र मंच है। कई बार सांसद यह तर्क देते हैं कि यदि उनकी आवाज संसद में नहीं सुनी जाती तो वे मजबूर होकर हंगामा करते हैं। लेकिन यह तर्क स्वीकार्य नहीं है। संसद में बोलने के लिए पर्याप्त अवसर मिलते हैं, शून्यकाल, प्रश्नकाल, विशेष उल्लेख, स्थायी समितियाँ-ये सभी मंच सांसदों को मुद्दे उठाने का अवसर देते हैं। यदि इन मंचों का सही उपयोग हो तो हंगामे की कोई आवश्यकता नहीं रहती। सड़क की राजनीति और संसद की राजनीति में अंतर होना चाहिए। यदि संसद भी सड़क जैसी दिखने लगे तो लोकतंत्र की पवित्रता पर प्रश्नचिह्न लगना स्वाभाविक है। अब समय आ गया है कि जनता अपने सांसदों से सवाल पूछे। मतदाता केवल जाति, धर्म या दल देखकर वोट न दें, बल्कि यह भी देखें कि उनका प्रतिनिधि संसद में कितना समय उपस्थित रहता है, कितनी बार बोलता है, कितने प्रश्न पूछता है और कितनी गंभीरता से बहस में भाग लेता है। चुनाव आयोग और मीडिया को भी यह आँकड़े मतदाताओं तक पहुँचाने चाहिए। जब मतदाता यह तय करने लगेंगे कि उनका वोट केवल उन नेताओं को जाएगा जो संसद में गंभीरता से काम करते हैं, तभी यह प्रवृत्ति बदलेगी। लोकतंत्र की सफलता केवल संविधान या संस्थाओं से नहीं, बल्कि उन लोगों से होती है जो उन्हें संचालित करते हैं। यदि सांसद ही अपनी जिम्मेदारी नहीं निभाएँगे तो लोकतंत्र खोखला हो जाएगा। आज आवश्यकता है कि सभी राजनीतिक दल एक साथ बैठकर यह संकल्प लें कि चाहे सत्ता में हों या विपक्ष में, वे संसद की गरिमा को आंच नहीं आने देंगे। असहमति और संघर्ष लोकतंत्र का हिस्सा हैं, परंतु वह असहमति तर्क और संवाद से होनी चाहिए, हंगामे और अव्यवस्था से नहीं। संसद में हंगामे की प्रवृत्ति लोकतंत्र की आत्मा पर प्रहार है। यह जनता की गाड़ी कमाई की बरबादी है और उनकी उम्मीदों का अपमान भी। यह संसाधनों की बर्बादी एवं जनविश्वास का हनन है। चिंताजनक बात यह है कि संसदीय कार्यवाही का ऐसा अंजाम अब आम हो चुका है। पिछले शीत सत्र में ही लोकसभा के 65 से ज्यादा घंटे बर्बाद हुए थे। संसद सत्र को चलाने में हर मिनट ढाई लाख रुपये से ज्यादा खर्च होते हैं। ऐसे में सदन जब काम नहीं करता, तो जनता की गाढ़ी कमाई के इन रुपयों के साथ देश का बेहद कीमती समय भी जाया हो जाता है। संसद में केवल वही बहसें होनी चाहिए जो देश के भविष्य को दिशा दें, समस्याओं का समाधान निकालें और नीतियों को प्रभावी बनाएँ। यदि संसद ही शोरगुल और हंगामे का अखाड़ा बन जाए तो लोकतंत्र का उद्देश्य ही विफल हो जाएगा। विरोध भी जरूरी है, पर मुद्दों पर और सकारात्मक उद्देश्य के साथ।

-ललित गर्ग

वॉटरशेड- साकार होता विकसित भारत का सपना

जल ही जीवन है और मिट्टी हमारा अस्तित्व, हमारा आधार है। जल और मिट्टी के बिना जीवन की कल्पना भी नहीं की जा सकती। आज जब पर्यावरण संकट गहराता जा रहा है, कुएं सूख रहे हैं, नदियों की धाराएं कमजोर हो रही हैं और भूजल पाताल में समा रहा है, तब यह हमारी जिम्मेदारी बनती है कि हम आने वाली पीढ़ियों के लिए भी जल और मिट्टी की रक्षा करें। जब हमारे खेत हरे-भरे होंगे और किसान खुशहाल होंगे, तभी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के विकसित भारत-2047 के संकल्प को साकार किया जा सकेगा, क्योंकि इस संकल्प का रास्ता हमारे गांवों की पगडंडियों, उपजाऊ मिट्टी और लहलहाती फसलों से होकर ही गुजरता है। आज बिगड़ते पर्यावरण के कई जगहों पर भूजल का स्तर हजार-डेढ़ हजार फीट नीचे चला गया है। अगर हमारी उपजाऊ मिट्टी इसी तरह बहती रही और जमीन बंजर होती रही, तो हमारी आने वाली पीढ़ियों का भविष्य कैसा होगा? इसी दूरदर्शी सोच और भविष्य की चिंता को लेकर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में हमारी सरकार ने एक बीड़ा उठाया है। प्रधानमंत्री श्री मोदी जी ने हमेशा दूरदृष्टि से काम किया है। वे सिर्फ आज की नहीं, आने वाले 50-100 वर्षों की सोचते हैं। उनके नेतृत्व में भारत सरकार का भूमि संसाधन विभाग, 'प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना' के तहत 'वॉटरशेड विकास घटक (WDC-PMKSY)' को पूरे देश में लागू कर रहा है। लेकिन यह काम अकेले सरकार नहीं कर सकती। इस महायज्ञ में सरकार के साथ समाज को भी खड़ा होना पड़ेगा। यह धरती को बचाने का अभियान है। पानी, माटी, धरती बचेगी तो भविष्य बचेगा। यह योजना विशेष रूप से उन क्षेत्रों में लागू की जा रही है जो सूखे और वर्षा पर निर्भर हैं और इन इलाकों में बसे हमारे किसान भाई-बहनों के जीवन में समृद्धि लाने का एक महाभियान है, जहाँ कभी पानी की एक-एक बूँद के लिए संघर्ष करना पड़ता था। कई लोग मुझसे पूछते हैं कि आखिर यह वाटरशेड योजना है क्या? मैं उन्हें सरल भाषा में बताता हूँ कि यह केवल एक सरकारी योजना नहीं, बल्कि लोगों की अपनी, लोगों के लिए चलाई जाने वाली एक क्रांति है। इस योजना का मूलमंत्र है- खेत का पानी खेत में और गाँव का पानी गाँव में। इसके तहत हम सब मिलकर खेतों की मेड़ें मजबूत करते हैं, खेत में ही छोटे तालाब बनाते हैं, और छोटे-छोटे नालों पर चेक डैम जैसी जल-संरचनाएं खड़ी करते हैं। इससे बारिश का पानी बहकर बेकार नहीं जाता, बल्कि धीरे-धीरे धरती की प्यास बुझाता है, जिससे भूजल का स्तर बढ़ता है और मिट्टी में लंबे समय तक नमी बनी रहती है। इस योजना की सबसे बड़ी शक्ति इसकी जन-भागीदारी है। गाँव के लोग खुद बैठकर यह तय करते हैं कि तालाब कहाँ खोदना है, मेड़ कहाँ बनानी है और पेड़ कहाँ लगाने हैं। भूमिहीन परिवारों और महिलाओं के स्वयं सहायता समूहों को भी मुर्गीपालन और मधुमक्खी पालन जैसे कामों से जोड़कर उनकी आमदनी बढ़ाने का काम किया जा रहा है। इस योजना के बहुत सुखद परिणाम मिल रहे हैं। इसका सबसे बड़ा लाभ हमारे किसान भाई-बहनों को मिला है, जिनकी आमदनी में 8त्न से लेकर 70त्न तक की ठोस वृद्धि हुई है। यह इसलिए संभव हुआ है क्योंकि 2015 से अब तक, सरकार ने 20,000 करोड़ से अधिक की धनराशि खर्च करके देशभर में 6,382 से अधिक परियोजनाएं चलाई हैं और लगभग 3 करोड़ हेक्टेयर भूमि को फिर से उपजाऊ बनाने का काम किया है।मध्य प्रदेश के झाबुआ में, जहाँ कभी सूखा एक बड़ी समस्या थी, आज आदिवासी गाँवों में पानी भरपूर है और मिट्टी की उर्वरक शक्ति भी बढ़ गई है। परियोजना क्षेत्र के 22 गाँवों में भूजल स्तर एक मीटर तक बढ़ गया है। इससे खेती में भी परिवर्तन आया है। यहीं के किसान भाई बताते हैं कि गाँव में चेकडैम बनने से अब वे मक्के के साथ-साथ चने की फसल भी ले रहे हैं, जिससे उनकी आमदनी ?50,000 से 60,000 तक बढ़ गई है। साथ ही झाबुआ की ही परवलिया पंचायत में 12 खेतों में बने खेत तालाबों से किसानों की आमदनी 1 लाख से 1.5 लाख प्रति हेक्टेयर तक बढ़ी है। इस योजना के तहत 9 लाख से ज्यादा चेक डैम, रिसाव तालाब, खेत तालाब, जैसी वाटरशेड संरचनाएँ बनी हैं। 5.6 करोड़ से ज्यादा श्रम दिवस उपलब्ध हुए हैं, जिससे ग्रामीण रो?गार में वृद्धि हुई है। वाटरशेड विकास परियोजनाओं के लागू होने से गाँवों में उल्लेखनीय बदलाव आया है। जहाँ पहले पानी की कमी थी, उन परियोजना क्षेत्र में अब 1.5 लाख हेक्टेयर से ज़्यादा नए इलाक़े में जल स्रोत फैले हैं, यानी 16प्रति. का इज़ाफा हुआ है। साथ ही अब किसान पारंपरिक फसलों के अलावा फलों और अन्य पेड़-पौधों की खेती भी करने लगे हैं, जिससे बागवानी और पेड़-पौधों की खेती का दायरा 12त्न बढ़कर 1.9 लाख हेक्टेयर पहुंच गया है। राजस्थान के बाड़मेर जैसे रेगिस्तानी इलाके में, जहाँ पानी की कमी किसानों को पलायन पर मजबूर कर रही थी, आज अनार की खेती से हरियाली लौट आई है। योजना के अंतर्गत 120 से अधिक किसानों को अनार के पौधे उपलब्ध कराए गए, जो वहाँ की बालू मिट्टी और सीमित पानी जैसी कठिन परिस्थितियों में भी आसानी से पनप जाते हैं। अनार की खेती ने न केवल आमदनी बढ़ाई, बल्कि बूड़ीवाड़ा गांव के मांगीलाल परांगी का कहना है कि उनके जैसे किसान अब अरंडी छोड़कर बागवानी की ओर बढ़ गए हैं। त्रिपुरा के दाशी रियांग और बिमन रियांग जैसे किसान योजना की मदद से अनानास की बागवानी करके अपनी बंजर भूमि को फिर से उपजाऊ बना रहे हैं और अच्छी आय अर्जित कर रहे हैं। इस पूरी क्रांति को जन-जन तक पहुँचाने और इसे एक जन-आंदोलन बनाने के लिए हमने 'वॉटरशेड यात्रा' भी निकाली। इस यात्रा के माध्यम से हमने देशभर में जल संरक्षण और भूमि संवर्धन के लिए एक जनजागरण अभियान चलाया। हमने इस योजना में तकनीक का भी भरपूर उपयोग किया है। 'भुवन जियोपोर्टल (सृष्टि)' और 'दृष्टि' मोबाइल ऐप जैसे डिजिटल उपकरणों से योजनाओं की प्रगति की सटीक निगरानी हो रही है। किसानों की मेहनत और हमारी योजनाओं की वजह से, देशभर के फसल क्षेत्र में बढ़ोतरी हुई है। सैटेलाइट से मिले आँकड़े बताते हैं कि फसल क्षेत्र में लगभग 10 लाख हेक्टेयर (5प्रति. की वृद्धि) और जल स्रोतों के क्षेत्र में 1.5 लाख हेक्टेयर (16प्रति. की वृद्धि) का इजाफा हुआ है। सबसे बड़ी बात यह है कि 8.4 लाख हेक्टेयर से ज्यादा बंजर जमीन अब फिर से खेती के योग्य बन चुकी है। प्रधानमंत्री मोदी जी के कुशल नेतृत्व में आज अमृतकाल में हम सब मिलकर भूमि संरक्षण की एक नई गाथा लिख रहे हैं। यह सिर्फ आँकड़े नहीं हैं, यह हमारे किसानों की मेहनत और उनके बेहतर भविष्य की जीती-जागती कहानी है। जब हम पानी और मिट्टी को बचाएंगे, तभी हम अपनी आने वाली पीढ़ियों का भविष्य सुरक्षित कर पाएंगे। इस संकल्प को मिलकर पूरा करें और किसानों को समृद्ध तथा भारत को विकसित बनाएं। प्रधानमंत्री मोदी जी का मानना है कि केवल सरकार नहीं, समाज की भागीदारी से ही यह अभियान सफल होगा।

- शिवराज सिंह चौहान

संविधान का 130 वाँ संशोधन विधेयक 2025- मंत्रियों के स्तरपर होने वाले भ्रष्टाचार पर सख्ती से अंकुश लगाने में मील का पत्थर साबित होगा

भारतीय स्वतंत्रता के बाद से अब तक देश में 129 बार संविधान संशोधन किए गए हैं और हर बार इनका उद्देश्य लोकतंत्र को मज़बूत करना, जनकल्याण को सुनिश्चित करना और शासन प्रणाली को अधिक पारदर्शी बनाना रहा है।वर्ष 2025 में पेश किया गया संविधान (130 वां संशोधन विधेयक) इसी कड़ी की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। इसका मुख्य उद्देश्य मंत्रियों के स्तरपर होने वाले भ्रष्टाचार पर सख्ती से अंकुश लगाना है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी गोंदिया महाराष्ट्र,ऐसा मानता हूं कि आज़ादी के 75 साल बाद भी यदि भ्रष्टाचार उच्च पदस्थ नेताओं और मंत्रियों तक फैला है, कि 10 पेर्सेंट 20 पेर्सेंट नामों से उनका संज्ञान लिया जाता है,जो न केवल लोकतंत्र के लिए चुनौती है बल्कि जनता के विश्वास पर भी गहरी चोट है।यही कारण है कि इस विधेयक ने राजनीतिक विमर्श में हलचल मचा दी है।भारत जैसे विशाल लोकतंत्र में भ्रष्टाचार हमेशा से सबसे गंभीर समस्या रहा है।1960 और 1970 के दशक से लेकर आज तक कई बड़े घोटाले हुए,चाहे वह बोफोर्स हो,कोयला घोटाला हो, 2जी स्पेक्ट्रम,या फिर हाल के वर्षों में विभिन्न मंत्रालयों में सामने आए अनियमितताओं के मामले।अक्सर जनता यह आरोप लगाती रही है कि 卐कानून केवल छोटे अपराधियों के लिए है, बड़े नेताओं और मंत्रियों पर कभी हाथ नहीं डाला जाता।卐यह धारणा लोकतंत्र की आत्मा को कमजोर करती है।संविधान निर्माताओं ने अनुच्छेद 75 और 164 में मंत्रियों की जिम्मेदारी तय की थी,परंतु उनके खिलाफ भ्रष्टाचार-रोधी तंत्र को पर्याप्त दाँत-पंजे नहीं दिए गए।मंत्रियों के खिलाफ कार्रवाई के लिए कभी सीबीआई,कभी लोकपाल, कभी सीवीसी का सहारा लिया गया, लेकिन राजनीतिक हस्तक्षेप और प्रक्रिया की जटिलताओं के कारण 卐न्याय卐 अक्सर विलंबित हुआ। इसी पृष्ठभूमि में 130 वां संशोधन लाया गया, जो पहली बार संविधान में विशेष प्रावधानों के तहत मंत्रियों के भ्रष्टाचार पर सीधी कार्रवाई की गारंटी देता है।गृह व सहकारिता मंत्री ने विधेयक पेश करने के बाद इसे संयुक्त संसदीय समिति के पास भेजने का आग्रह किया, 21 अगस्त 2025 को संसद की कार्यवाही अनिश्चितकाल के लिए स्थगित की गई। साथियों बात अगर हम संविधान (130 वां संशोधन) विधेयक 2025 को समझने की करें तो,यह विधेयक 20 अगस्त 2025 को केंद्रीय गृह मंत्री द्वारा संसद के मानसून सत्र में लोकसभा में पेश किया गया।सेक्शन वाइज वअन्य संलग्न जानकारी-(अ) उद्देश्य और नैतिकता को संवारना- -विधेयक का उद्देश्य सार्वजनिक जीवन में गिरती नैतिकता को सुधारना, राजनीतिक नेतृत्व में पारदर्शिता लाना, और यह सुनिश्चित करना है कि गंभीर आरोपों का सामना कर रहे मंत्री (प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, अन्य मंत्री) जेल से सरकार न चला सकें। (ब) संविधान के अनुच्छेदों में संशोधन- यह विधेयक निम्नलिखित अनुच्छेदों में संशोधन प्रस्तावित करता है,(1) अनुच्छेद 75 (केंद्र के मंत्रिमंडल)- प्रधानमंत्री और केंद्रीय मंत्रियों के लिए लागू।(2) अनुच्छेद 164 (राज्य के मंत्रिमंडल) -मुख्यमंत्री और राज्य मंत्रियों पर लागू। (3) अनुच्छेद 239 (दिल्ली विधान सभा और मंत्रिमंडल)-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली के लिए लागू।संशोधन का उद्देश्य इन पदों पर बैठे नेताओं को गहन आरोपों के बीच पद में बने रहने से रोकना है (4) मुख्य प्रावधान-यदि कोई प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या अन्य मंत्री लगातार 30 दिनों तक गंभीर अपराधों (5 वर्ष या उससे अधिक की सजा वाले अपराध) के आरोप में गिरफ्तार या हिरासत में रहता है, तो उसे पद से हटाया जाएगा। केंद्रीय स्तर- राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री की सलाह पर उसे 31वें दिन पद से हटाएगा; यदि सलाह न दी जाए, तो वह स्वयं पर से अपने आप पदमुक्त हो जाएगा।राज्य स्तर-राज्यपाल,मुख्यमंत्री की सलाह पर हटाएगा; सलाह न आने पर 31वें दिन स्वत: पद समाप्त मान लिया जाएगा।दिल्ली/केंद्रशासित प्रदेश- इसी तरह, उप-गवर्नर की ओर से हटाव का प्रावधान है। (5) पुनर्नियुक्ति की संभावना-यह विधेयक पुनर्नियुक्ति को निषिद्ध नहीं करता। गिरफ्तारी और हिरासत समाप्त होने के बाद पुन: नियुक्ति (फिर से प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री या मंत्री बनना) संभव है। (6) कानूनी और संवैधानिक चिंताएँ-न्याय की अधिभार- यह प्रावधान निर्दोष मान्यीकरण के सिद्धांत (प्रेन्सुम्प्शन ऑफ इनोसेंस) का उल्लंघन कर सकता है

क्योंकि अभियोग के दौरान ही हटाव संभव है, जबकि वर्तमान व्यवस्था में केवल दोषसिद्धि पर पदावसान होता है ।राजनीतिक दुरुपयोग का खतरा- विपक्ष का दावा है कि यह विधेयक केंद्रीय एजेंसियों (जैसे सीबीआई, ईडी) के जरिए राजनीतिक विरोधियों को निशाना बनाने के लिए उपयोग किया जा सकता है ।संघीय ढांचे पर असर- यह राज्यों की स्वायत्तता और केंद्र- राज्य संबंधों के संतुलन को प्रभावित कर सकता है, जिससे संघीयता कमजोर हो सकती है। (7) संसदीय प्रक्रिया और वृहद प्रतिक्रिया-विधेयक को संसद के दो सदनों में विशेष (2/3) बहुमत द्वारा पारित होना आवश्यक है; फिलहाल एनडीए की संख्या पर्याप्त नहीं है, इसीलिए बिना विपक्ष के समर्थन के पारित होना कठिन है। साथियों बात अगर हम,यह विधेयक लाने कीआवश्यकता और उसकी विशेषताओं की करें तो,इस संशोधन की आवश्यकता इसलिए महसूस हुई क्योंकि अब तक मंत्रियों के खिलाफ मामलों में राजनीतिक दबाव हावी रहता था। जांच एजेंसियाँ निष्पक्ष होकर काम नहीं कर पाती थीं। इसके अलावा, कई बार नैतिक जिम्मेदारी के नाम पर मंत्री इस्तीफा देते तो थे, लेकिन कानूनी प्रक्रिया से बच निकलते थे। जनता का गुस्सा और असंतोष यही दिखाता है कि केवल इस्तीफा पर्याप्त नहीं है, बल्कि कानूनी दंड और संवैधानिक बाध्यता भी ज़रूरी है।130वें संशोधन की प्रमुख विशेषताएँ-इस संशोधन में कई व्यापक प्रावधान जोड़े गए हैं। इनमें से कुछ प्रमुख हैं,(1) संवैधानिक दायित्व की स्पष्टता- अब हर मंत्री को शपथ लेते समय यह लिखित घोषणा करनी होगी कि वह भ्रष्टाचार, भाई- भतीजावाद और किसी भी प्रकार की वित्तीय अनियमितता में संलिप्त नहीं होगा। (2) विशेष जांच आयोग का गठन-संशोधन के तहत मंत्रियों के खिलाफ आने वाली शिकायतों की जाँच हेतु संसद द्वारा एक स्वतंत्र संवैधानिक आयोग का गठन किया जाएगा। यह आयोग न तो प्रधानमंत्री और न ही किसी मुख्यमंत्री के प्रत्यक्ष नियंत्रण में होगा। (3) सीधी जवाबदेही संसद और विधानसभाओं को-यदि किसी मंत्री पर भ्रष्टाचार का आरोप साबित होता है, तो उसे तुरंत पद से हटाना अनिवार्य होगा। (4) लोकपाल और न्यायपालिका से समन्वय-यह संशोधन मौजूदा लोकपाल व्यवस्था को और अधिक सशक्त बनाता है तथा सुप्रीम कोर्ट/हाई कोर्ट की देखरेख में जांच सुनिश्चित करता है। (5)समयबद्ध कार्रवाई-आरोप लगने के 6 महीनों के भीतर जांच पूरी करना और दोषी पाए जाने पर 1 साल के भीतर दंड प्रक्रिया पूरी करना अनिवार्य होगा। साथियों बातें कर हम इस विधेयकके विपक्ष और समर्थन मैं दी गई दलीलों की करें तो,इस विधेयक को लेकर संसद और समाज में मिश्रित प्रतिक्रियाएँ आई हैं (अ) समर्थक दलों का तर्क है कि यह संशोधन जनता का विश्वासलौटाने का काम करेगा और मंत्रियों को 卐जवाबदेही卐 का असली एहसास कराएगा।इससे न केवल शासन व्यवस्थापारदर्शी बनेगी बल्कि भ्रष्टाचार के मामलों में राजनीतिक संरक्षण भी खत्म होगा। (ब) विपक्षी दलों की चिंताएँ हैं कि इस संशोधन का दुरुपयोग हो सकता है। किसी भी मंत्री को झूठे आरोप लगाकर राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता के तहत फँसाया जा सकता है। इसके अलावा, यह भी आशंका जताई जा रही है कि जांच आयोग पर भी सत्तारूढ़ दल का अप्रत्यक्ष प्रभाव रह सकता है। आलोचनाएँ और चुनौतियाँ-(1)भले ही उद्देश्य नेक है, लेकिन इस संशोधन के क्रियान्वयन में कई चुनौतियाँ होंगी। (2) राजनीतिक बदले की भावना से कार्रवाई की आशंका (3) जांच आयोग की निष्पक्षता पर प्रश्न (4) न्यायालय में लंबित रहने वाली अपीलें (5) जनता की अपेक्षाओं और व्यावहारिक परिणामों के बीच अंतर बंनकर उभरा है। साथियों बातें अगर हम इस विधेयक के दूरगामी परिणामों की करें तो (1)भ्रष्टाचार की लागत बढ़ेगी- अब मंत्री भ्रष्टाचार करने से पहले सौ बार सोचेंगे क्योंकि परिणाम सिर्फ पद से हटना नहीं बल्कि कानूनी दंड भी होगा।(2) नौकरशाही पर भी असर- जब मंत्रियों को कठोर जवाबदेही के दायरे में लाया जाएगा,तो नौकरशाही पर भी पारदर्शिता का दबाव बढ़ेगा।(3)ऐतिहासिक घोटालों का विश्लेषण(4)विपक्ष की दलीलों का गहन मूल्यांकन (5)जनता और मीडिया की भूमिका (6) भ्रष्टाचार पर रोकथाम के सामाजिक-आर्थिक प्रभाव।

अत: अगर हम अपरोध पूरी विवरण का अध्ययन करें इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि संविधान का 130 वां संशोधन विधेयक,2025-मंत्रियों के स्तरपर होने वाले भ्रष्टाचार पर सख्ती से अंकुश लगाने में मील का पत्थर साबित होगा,भ्रष्टाचार पर सख्त कार्रवाई से निवेशकों का विश्वासबढ़ेगा प्रशासनिक दक्षता बढ़ेगी और अंतरराष्ट्रीय स्तरपर भारत की छवि卐जवाबदेह लोकतंत्र की बनेगी संविधान का 130 वां संशोधन विधेयक, 2025- राज्य के मंत्री से लेकर प्रधानमंत्री तक घेरे में-भारतीय राजनीति में एक नया युग आएगा।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं

इंदौर बाजार की साप्ताहिक समीक्षा

इंदौर। स्टॉकिस्ट बिकवाली से आलौच्य सप्ताह के दौरान अनाज मंडी में चना गिरावट पर रहा। लिवाली अटकने से मसूर में बाजार सुस्ती पर रहे। खाद्य तेलों में पूछपरख ठंडी पड़ने से बाजार नरमी पर रहे। माँग की सुस्ती से नारियल बाजार टूटत पर रहे।

किराना- शनिवार को समाप्त हुए आलौच्य सप्ताह के दौरान स्थानीय सियागंज किराना बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। समीक्षा सप्ताह के दौरान शक्कर में पूछपरख सीमित रहने से बाजार में 10-15 रू. प्रति क्विंटल की नरमी आयी और शक्कर बाजार 4230-4280 रू. प्रति क्विंटल पर आ गये। खोपरे गोले में माँग ठंडी रहने के बावजूद माल की अक्षत से बाजार 10-25 रू. प्रति किलो की तेजी आयी और खोपरा गोला बाजार 310-345 रू. प्रति क्विटल पर आ गये। कालीमिर्च में लेवाली वाली बात नहीं है, किन्तु उत्पादक क्षेत्रों में माल की आपूर्ति कमजोर पड़ने से बाजार ऊँचाइयों पर रहे। कालीमिर्च में एटम क्वालिटी मालों में बाजार 770-775 रू. प्रति किलो पर आ गये। सूखे मेवों में बादाम में आयातित मालों में आयी सुर्खी से बाजार मजबूती पर बने रहे। समीक्षा सप्ताह के दौरान बादाम गिरी बाजार 780-850 रू. प्रति किलो पर आ गये। नारियलों में पूछपरख कमजोर रहने से बाजार घटाकर बोले गये। आलौच्य सप्ताह के दौरान नारियल में बाजार 100 रू. प्रति थैले की गिरावट आयी और नारियल 120 भरती मालों में बाजार 3700-3800 से घटकर 3600-3700 रू. प्रति थैले पर आ गये।

तेल तिलहन- समीक्षा सप्ताह के दौरान खाद्य तेलों में बाजार मंदी के देखे गये। बाजार सूत्रों का मानना है कि आने वाले दिनों में त्यौहारी माँग रहने की आशा है, जिससे खाद्य तेलों में बाजार लम्बी मंदी के नहीं लगते है। समीक्षा सप्ताह के दौरान खाद्य तेलों में सींगदाना तेल इंदौर लाइन पर 10 रू. घटकर 1350-1370 रू. प्रति 10 किलो पर आ गया। सोया व कपास्या तेलों में बाजार 5-15 रू. प्रति 10 किलो की नरमी आयी। सोया तेल रिफाइंड मालों में 1240-1245 रू. प्रति 10 किलो से घटकर 1235-1240 रू. प्रति 10 किलो पर आ गये। तिलहनों में सोयाबीन बाजार कमजोर माँग से 4150-4200 रू. प्रति क्विंटल पर आ गये।

दाल दलहन- आलौच्य सप्ताह के दौरान दाल-दलहनों में व्यापार की मात्रा कम ही रही। चने में स्टॉकिस्ट बिकवाली से बाजार 150 रू. प्रति क्विंटल तक टूटकर 6300-6350 रू. प्रति क्व्ंिटल से 6150-6200 रू. प्रति क्विंटल पर आ गये। तुअर में लेवाली से बाजार 50-100 रू. प्रति क्विंटल सुधरकर 6050-6500 रू. प्रति क्विटल पर आ गये। मूंग में पूछपरख सामान्य रहने से भावों में सुधार देखा गया। मसूर में लेवाली कमजोर रहने से बाजार 100 रू. प्रति क्विंटल घटकर 6200-6250 से 6100 रू. प्रति क्विंटल पर आ गये।

ई20 पेट्रोल से कारों की माइलेज में 2-5 फीसदी गिरावट संभव- विशेषज्ञ

नई दिल्ली। वाहनों में 20 प्रतिशत एथनॉल (ई20) मिश्रित पेट्रोल के उपयोग से माइलेज में 2 से 5 प्रतिशत तक की गिरावट आ सकती है। ऑटोमोबाइल उद्योग के विशेषज्ञों का कहना है कि इथेनॉल का कैलोरी मान पेट्रोल की तुलना में कम होने के कारण यह असर देखने को मिल सकता है। हालांकि सरकार का कहना है कि ई20 ईंधन से दक्षता में भारी कमी नहीं आती। विशेषज्ञों के अनुसार ई20 के अनुरूप न होने वाले पुराने वाहनों में लंबे समय में गैसकेट, रबर होज और ईंधन पाइपलाइन जैसे हिस्सों में क्षरण हो सकता है। हालांकि यह प्रभाव तुरंत नहीं होता, लेकिन नियमित उपयोग के साथ धीरे-धीरे यह समस्याएं सामने आ सकती हैं। टाटा मोटर्स ने पुष्टि की है कि उसके वाहन ई20 के अनुकूल हैं। वहीं मारुति सुजुकी और हुंडई मोटर इंडिया ने इस पर कोई टिप्पणी नहीं की है। सरकार का उद्देश्य इथेनॉल सम्मिश्रण से न केवल प्रदूषण को कम करना है, बल्कि किसानों की आय में भी वृद्धि करना है। इथेनॉल गन्ना और मक्का जैसे कृषि उत्पादों से प्राप्त किया जाता है, जिससे देश की ऊर्जा आत्मनिर्भरता बढ़ेगी। विशेषज्ञों का सुझाव है कि उपभोक्ता पुराने वाहनों में ई20 का इस्तेमाल करते समय सावधानी बरतें और नियमित रूप से ईंधन सिस्टम की जांच कराएं। नए वाहन खरीदते समय यह सुनिश्चित करें कि वह ई20 के अनुकूल हो।

विदेश में खाद्य तेलों में मजबूती से आयातित तेल की कीमतों में सुधार

नई दिल्ली। बीते सप्ताह खाद्य तेलों के घरेलू बाजार में मिश्रित रुख देखने को मिला। विदेशी बाजारों में कीमतों में मजबूती के असर से आयातित तेलों, विशेषकर सोयाबीन तेल, कच्चा पामतेल (सीपीओ) और पामोलीन तेल के दाम में तेजी दर्ज की गई। दूसरी ओर सरसों और बिनौला तेलों के भाव में गिरावट देखी गई, जबकि मूंगफली तेल के दाम स्थिर रहे। बाजार सूत्रों के अनुसार, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तेलों के भाव बढ़ने से घरेलू बाजार में भी सोयाबीन डीगम, पाम और पामोलीन के भाव में सुधार हुआ। सोयाबीन डीगम 150 रुपए की बढ़त के साथ 10,550 प्रति क्विंटल पर पहुंच गया। सीपीओ 11,850 और पामोलीन दिल्ली 13,450 रुपए प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। हालांकि सरसों तेल-तिलहन पर उच्च कीमतों का असर पड़ा। थोक भाव ऊंचा होने के कारण उठाव कमजोर रहा। सरसों दाने 50 रुपए गिरकर 7,225ङ्क7,275 प्रति क्विंटल, सरसों दादरी तेल 250 रुपए की गिरावट के साथ 15,750 प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसके अलावा, कमजोर मांग के चलते बिनौला तेल के दाम 300 रुपए की गिरावट के साथ 13,000 रुपए प्रति क्विंटल पर आ गए। मूंगफली तेल-तिलहन बाजार में सुस्ती के चलते स्थिर रहा। मूंगफली तिलहन 5,700ङ्क6,075, गुजरात मूंगफली तेल 13,500 रुपए प्रति क्विंटल पर टिका रहा। विशेषज्ञों का मानना है कि अक्टूबर में नई फसलों की आवक (सोयाबीन, कपास, मूंगफली) और बढ़ा हुआ न्यूनतम समर्थन मूल्य बाजार पर असर डालेगा। पुराने स्टॉक की खपत पहले से ही धीमी है, जिससे आगे की रणनीति चुनौतीपूर्ण हो सकती है।

संयुक्त खातों और एफडी में नाम जोड़ना पड़ सकता है भारी

नई दिल्ली। बैंक खातों और फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) में परिवार के सदस्यों का नाम जोड़ना एक आम परंपरा है। लोग इसे सुविधा या भविष्य की प्लानिंग के तहत करते हैं। लेकिन टैक्स विशेषज्ञों के अनुसार, यह आदत अब परेशानी का कारण बन सकती है। आयकर विभाग से नोटिस आने की घटनाएं बढ़ रही हैं, खासकर उन लोगों को जिनकी खुद की कोई आय नहीं है। असल में इनकम टैक्स के नियमों के तहत बैंक, एनबीएफसी और म्यूचुअल फंड कंपनियों को बड़े लेन-देन की जानकारी सरकार को देनी होती है। उदाहरण के लिए, सेविंग अकाउंट में 10 लाख से ज्यादा जमा या निकासी, एफडी में 10 लाख रुपए से अधिक, और 2 लाख रुपए से ज्यादा के म्यूचुअल फंड निवेश की रिपोर्ट की जाती है।

आज का राशिफल

मेष- आज बुधवार का दिन चंद्रमा के तीसरे भाव में होने से लाभदायक रहेगा। आपका साहस और उत्साह आज आसमान छूएगा। आपको आज कारोबार में आर्थिक लाभ का मौका मिलेगा। आज आपको संपर्क बढ़ाने का मौका मिलेगा, परिचय का दायरा आपका बढेगा। ज्योतिषीय गणना कहती हैं कि, राशि में शुक्र के होने से परिवार में सुख-समृद्धि आएगी और आपके जीवन स्तर में भी सुधार आएगा। छोटे-छोटे लाभ के अवसरों को पहचान कर उन पर अमल करेंगे तो यह आपके लिए विशेष रूप से फायदेमंद होगा। शिक्षा के मामले में दिन छात्रों के लिए अच्छा है।

वृषभ- आज चंद्रमा का गोचर शुभ फलदायी होगा। आपके परिवार और निजी संबंध मजबूत और सुखद बने रहेंगे। आपको किसी नए काम में निवेश करने का मौका मिल सकता है। कोई लाभदायक अवसर आपको आज अचानक ही प्राप्त हो सकता है। आप आज कुछ नए काम भी शुरू कर सकते हैं। नौकरी में आपका काम आज सुचारू रूप से चलेगा और आपको आज अपने काम में अपेक्षा से बढ़कर लाभ प्राप्त होगा।

मिथुन- आज का दिन चतुराई और बुद्धि से लाभ पाने का रहेगा। आप अपनी व्यवहार कुशलता और मधुर वाणी से आज काम निकलवाने में सफल रहेंगे। आपकी व्यावसायिक योजना लंबे समय से अटकी है तो आज इसमें आपको सफलता मिल सकती है। आज त्याग और सहयोग की भावना भी बढ़ेगी और आप बजट बनाकर चलेंगे तो यह आपके लिए बेहतर होगा। कुछ अतिरिक्त खर्च होने के योग बने हैं। आपको आज सगे संबंधियों से मिलने का मौका मिलेगा। शाम का समय आपका मनोरंजन और सुखद बीतेगा।

कर्क- आज का दिन बहुत ही शुभ और लाभदायक रहेगा। नौकरी कारोबार में आपको आज लाभ मिलेगा लेकिन आपको इसके लिए अधिक परिश्रम करने की जरूरत होगी। पारिवारिक जीवन में आपको आज भाइयों से सहयोग मिलेगा। वैवाहिक जीवन मे भी आपके आज सामंजस्य बना रहेगा लेकिन आपको आज अपने खर्च पर कंट्रोल करना होगा। आपके लिए जरूरी है कि आप विवादित विषयों से दूर रहें और अपने काम से काम रखें।

सिंह- आज का दिन सकारात्मक और लाभदायक रहने वाला है। आपको आज अपने अनुभव, ज्ञान और बुद्धि का पूरा लाभ मिलेगा। जो लोग नौकरी की तलाश में हैं आज उनको कोई अच्छा मौका मिल सकता है। नौकरी में आपको आज प्रबंधन क्षमता का भी फायदा मिलेगा। अधिकारी वर्ग से आपको आज पूरा सहयोग प्राप्त होगा। लव लाइफ में आज आपके प्रेम और आपसी सामंजस्य बना रहेगा। आपके लिए सलाह है कि आज दूसरों की बातों में आकर कोई भी फैसला लेने से बचें।

कन्या- आज गजकेसरी योग लाभदायक रहेगा। भाग्य का आपको आज साथ मिलेगा और आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। आपको किसी धार्मिक आयोजन में भाग लेने का मौका मिल सकता है। सामाजिक क्षेत्र में आपका सम्मान और प्रभाव बढेगा। आपको दोस्तों और सगे संबंधियों से मिलने का मौका मिलेगा। राजनीतिक संपर्क का भी आपको आज फायदा मिल सकता है। कोई काम जो आपका काफी समय से फंसा हुआ था वह भी आज पूरा हो सकता है।

तुला- आज बुधवार का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आर्थिक मामलों में आपको आज लाभ मिलेगा। आपको आज कुछ नए लोगों से मिलने और संपर्क बढ़ाने का मौका मिलेगा। किसी पार्टी या मनोरंजक कार्यक्रम में शामिल होने का आपको मौका मिलेगा। आप कुछ विलासितापूर्ण वस्तुएं खरीद सकते हैं। जीवनसाथी से आपको भरपूर सहयोग और सानिध्य मिल सकता है।

वृश्चिक- आज का दिन एक से अधिक स्त्रोतों से लाभ को दर्शा रहा है। साझेदारी के काम मे भी आज आपको ग्रहों की शुभ स्थिति का फायदा मिलेगा। लंबे समय बाद आज किसी पुराने मित्र से आपकी मुलाकात हो सकती है। पैतृक संपत्ति को लेकर कोई विवाद चल रहा है तो उसमें आपको जीत मिल सकती है। दोस्तों और पड़ोसियों से आपको आज सहयोग प्राप्त होगा।

धनु- आज का दिन आपके लिए काम कमाई दोनों ही लिहाज से अच्छा रहने वाला है। आज आपको कुछ अनुभवों से लाभ होगा। करियर को लेकर कोई परेशानी चल रही थी तो उससे आप आज राहत प्राप्त कर सकते हैं। लेकिन आप सितारे यह भी कहते हैं कि आपको आज संयम और धैर्य से काम करना होगा।

मकर- आज बुधवार का दिन मिलाजुला रहेगा। आपको आज अपने काम से काम रखना चाहिए। विरोधी और शत्रु आज अधिक सक्रिय नजर आएगे। वैसे आज आपको बैंकिंग संबंधी काम में आज सफलता मिलेगी। शिक्षा और प्रतियोगिता के लिहाज से भी आज का दिन आपके पक्ष में रहेगा। नौकरी और कारोबार में आपको आज योजना बनाकर काम करना होगा क्योंकि कुछ अतिरिक्त काम अचानक आ सकता है जिससे आपको अपनी योजना में बदलाव करना होगा। कुछ अनचाहे खर्च भी आज होने वाले हैं।

कुंभ- आज बुधवार का दिन सामान्य रूप से अच्छा रहेगा। आपको आज सुख साधनों की प्राप्ति होगी। नौकरी में भी आज का दिन आपका सामान्य रूप से चलता रहेगा। आपको आज बिजनेस में आर्थिक लाभ मिलेगा। लेकिन साथ ही आपको आज अपने कीमती सामान का ध्यान रखना होगा, चोरी अथवा खोने का भय रहेगा।

मीन- आज का दिन कुल मिलाकर अच्छा रहेगा। आप आज परिवार के सदस्यों से सहयोग पाएंगे। आपके पारिवारिक जीवन मे आज आपसी सामंजस्य बना रहेगा। छात्र आज शिक्षा मे रुचि लेंगे और विषयों को गहराई से जानने की रुचि रहेगी। कोई दबी हुई चाहत आज उभर सकती है। आप आज किसी सुख साधन से संबंधित वस्तुओं की खरीदारी कर सकते हैं।

शब्दजाल - 8000

शब्द जाल में उन 10बल्लेबाजों के नाम ढूंढिए जिन्होंने 7000 से अधिक रन बनाएं हैं. नाम उपर से नीचे एवं तिरछे हो सकते हैं.

सुनील गावस्कर, एलन बोर्डर, सचिन तेंदुलकर, स्टीव वॉग, जावेद मियांदाद, मार्क टेलर, ग्रेग चैपल, गोर्डन ग्रिनीज,ग्राहम गूच, अजहरुद्दीन,

अ	सु	ग	ए	ल	न	बो	र्ड	र	र	जा
दा	नी	ल	ग	गो	र्ड	न	ग्रि	नी	ज	वे
गि	ल	शे	स	बा	छ	ची	ता	रा	क	द
री	गा	र	दो	चि	ज	न	ह	ग्रे	त	मिं
क	व	दो	ग्रा	लू	न	का	म	ग	व	या
ज	स्क	ल	ह	य	ख	तें	ना	चै	र	दा
मा	र	म	म	या	प	र	दु	प	र	द
र्क	ज	ल्जा	गू	धा	ब	क	गो	ल	श	ण
टे	बा	म	च	ब्रा	ह	त्या	री	श	क	क
ल	दु	आ	प	स्टी	व	वॉ	ग	बें	हा	र
र	दु	ल्हे	रा	अ	ज	ह	रु	द्दी	न	थ

शब्दजाल - 7999 का हल

र	श	डा.	आं	बे	ड	क	र	झ	क	अ
वि	च	र	ह	रिं	लै	ता	दि	शा	को	ब्दु
शं	र	ह	वि	नो	बा	भा	वे	ला	ल	ल
क	म	दा	च	ल	क	इं	हा	दा	रा	क
र	जा	र	सी	हा	मि	री	दि	स	जी	ला
ह	कि	प	वी	दा	ह	ला	ती	रा	व	म
ट	र	बु	र	र	म	ट	ह	ला	गा	क
बा	हु	वा	म	क	छ	सौ	न	ट	धी	धी
स	सै	तें	न	ह	अ	म	र्त्य	से	न	द
र	न	प	ति	रं	ट	ऐ	बें	न	रु	थो
म	द	र	टे	रे	सा	बौ	ख	ला	ह	ट

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 6944

1		2	■	3		4	■	5	6
	■	7			■	8			
■	9		■	10			■	■	
11		■	12		■	■	13	14	
15		16	■	17		18	■		■
	■		■		■	19	20	■	21
■	22			■	23	■	24	25	
26	■	27	■				■		■
28				■		■	29		
	■		■	30			■		■

बायें से दायें:-

१. 'ये तारा वो तारा' गीत वाली आशुतोष गोवारीकर की फिल्म-३
३. 'तुम्हें अपना बनाने की' गीत वाली संजयदत्त, पूजा भट्ट की फिल्म-३
५. राजकपूर, नर्गिस की 'ये शाम की तन्हाइयाँ' गीत वाली फिल्म-२
७. 'चलती है पुरवाई' गीत वाली जतिन ग्रेवाल, नेहा की फिल्म-३
८. ऋषिकपूर, जयाप्रदा की 'रामजी की निरली सवारी' गीत वाली फिल्म-४
९. 'मैं शायर तो नहीं' गीत वाली ऋषिकपूर, डिम्पल की फिल्म-२
१०. राजेश खन्ना, शर्मिला की 'कन्हैया कन्हैया तुझे' गीत वाली फिल्म-३
११. 'बंदा ये बिंदास है' गीत वाली अमिताभ, रवीना, नंदिता की फिल्म-२
१२. अमिताभ, जीनत की 'ये मेरा दिल यार का दीवाना' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'दिन सारा गुजारा' गीत वाली शम्मी कपूर, सायरा की फिल्म-३
१५. राजेंद्रकुमार, वहीदा की 'ये मौसम भीगा भीगा है' गीत वाली फिल्म-४
१७. 'वो शाम कुछ अजीब थी' गीत वाली राजेश खन्ना, वहीदा की फिल्म-३
१९. आमिर, जूही, ममता की 'धीरे धीरे आप मेरे' गीत वाली फिल्म-२
२२. फिल्म 'रिफ्यूजी' में अभिषेक के साथ नायिका कौन थी-३
२४. अक्षयकुमार, करीना की 'दिल ले गया परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'बहारों फूल बरसाओ' गीत वाली राजेंद्रकुमार, वैजयंती की फिल्म-३
२८. किशोरकुमार की 'एक चतुर नार करके सिंगार' गीत वाली फिल्म-४
२९. 'फिर वही चांद वही गम' गीत वाली देवआनंद, नूतन की फिल्म-३
३०. डिनो, बिपाशा की 'जब दिल चुराये कोई' गीत वाली फिल्म-३

ऊपर से नीचे:-

१. 'कैसे कटे दिन कैसे' गीत वाली राजेश, गोविंदा, जूही की फिल्म-२
२. अमिताभ, जयाप्रदा की 'मंजिलें अपनी जगह हैं' गीत वाली फिल्म-३
३. फिल्म 'तेरे नाम' में नायक कौन था-४,२
४. ऋषि, चंकी, नीलम की 'देखा जो हुस्न आपका' गीत वाली फिल्म-३
५. काहे कोयल शोर, मचाये' गीत वाली राजकपूर, नर्गिस की फिल्म-२
६. जीतेंद्र, लीना चंदावरकार की 'तूने तूने ओ सनम' गीत वाली फिल्म-४
९. 'है मुबारक आज का' गीत वाली मिथुन चक्रवर्ती, रति की फिल्म-३
११. संजय दत्त, अनिता की 'तुन्ना तुन्ना तक तक तुन्ना' गीत वाली फिल्म-३
१४. 'हम तुम को निगाहो' गीत वाली सलमान, अरबाज, शिल्पा की फिल्म-२
१६. राजकपूर, वहीदा रहमान की 'सजन रे झूठ मत बोलो' गीत वाली फिल्म-३,३
१८. फिल्म 'मिस ४२०' में नायिका कौन थी-२
२०. सनी देओल, सलमान, करिश्मा, तब्बू की 'तू धरती पे चाहे जहाँ' गीत वाली फिल्म-२
२१. 'फूल ये कहाँ से' गीत वाली जैकी श्रॉफ, डिम्पल कपाड़िया की फिल्म-२
२३. अजय देवगन, अमीषा पटेल की 'प्यार तो होता है प्यार' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'मेरे अंगने में तुम्हारा' गीत वाली अमिताभ, जीनत अमान की फिल्म-४
२६. अरविंद स्वामी, प्रभुदेवा, काजोल की 'एक बगिया में रहती है' गीत वाली फिल्म-३

फिल्म वर्ग पहेली- 6943

रा	हु	ल	■	ना	■	गै	ब	ल	र
जा	■	■	घा	य	ल	■	द	■	न
औ	ला	द	■	ब	गा	व	त	■	■
र	■	स	त्या	■	न	■	मी	ना	क्षी
रं	गी	ला	■	■	अ	ज	य	■	■
क	■	ख	ल	ना	य	क	■	क	था
■	दो	■	की	■	■	ल	क्ष्य	■	ने
खू	ब	सू	र	त	■	मं	■	दा	दा
■	द	■	■	ला	■	द	स	■	र
डॉ	न	■	रे	श	नी	■	नी	तू	■

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्द पहेली - 8468

1	2	■	3	4	5	■	6	7
8		9	■	10		11	■	
■	12		13	■	14		15	■
16	■	17		18	■	19		20
21	22	■	23		24	■	25	
26		27	■	28		29	■	
■	30		31	■	32		33	■
34	■	35		36	■	37		38
39		■	40			■	41	

बाएँ से दाएँ

1.ईश्वर,भगवान-2
3.सुंदर,खूबसूरत-3
6.सलाह,मत-2
8.स्नान करना-3
10.वध करना-3
12.निर्माण-3
14.रूई का पौधा-3
17.आयोग्य-3
19.अंजाम देना-3
21.कत्ल,हत्या-2
23.नौकरानी-3
25.गाने का ढंग, शैली-2
26.मुलायम-3
28.एक गहरा व बड़ा बर्तन-3
30.तृतीय, दूसरे के बाद-3
32.सेनापति, अगुवा-3
35.भीरु,डरपोक-3
37.कथा,गाथा-3
39.वध,मर्डर-2
40.राहु का एक पुत्र-3
41.एक विदेशी शराब

ऊपर से नीचे

1.क्रिकेट में बनते हैं-2
2.बसंत का समय-3
4.हद,सरहद-2
5.स्वर्ग का विलोम-3
7.यमराज,मृत्यु देवता-2
9.नृत्य करना-3
11.अपवित्र-3
13.असफल-3
15.सहज, आसान-3
16.श्रावण, आषाढ़ के बाद का महीना-3
18.आराम, मदद, चैन-3
20.मुखिया, सरदार-3
22.भूमि, वसुंधरा-3
24.क्रुद्ध, खफा होना-3
27.मक्खन-3
29.योग्य, काबिल, गुणवान-3
31.दही का एक भोज्य पदार्थ-3
33.एक जाती जो प्राय: डोली ढोने, पानी भरने आदि के काम करती है-3
34.रास्ता, मार्ग-2
36.एक अंग्रेजी शराब-2
38.एक औषधीयुक्त पेड़-2

शब्द पहेली -8467 का हल

■	बं	ध	न	■	आ	द	मी	■
क	द	■	म	■	रा	■	न	ल
त	■	■	क	या	म	त	■	जा
रा	य	ता	■	र	■	र	च	ना
■	■	क	ला	■	आ	स	■	■
प	का	ना	■	मा	■	ना	का	म
ना	■	■	भ	न	क	■	■	न
ह	त्या	■	व	■	स	■	म	न
■	ग	ल	न	■	र	ट	ना	■

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

25 अगस्त 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	कन्या	07.20 बजे से
चंद्र	सिंह में	तुला	09.31 बजे से
मंगल	कन्या में	वृश्चिक	11.46 ब.से
बुध	कर्क में	धनु	14.02 बजे से
गुरु	मिथुन में	मकर	16.07 बजे से
शुक्र	कर्क में	कुंभ	17.54 बजे से
शनि	मीन में	मीन	19.26 बजे से
राहु	कुंभ में	मेष	20.57 बजे से
केतु	सिंह में	वृष	22.37 बजे से
राहुकाल 7.30 से 9.00 बजे तक		मिथुन	00.35 बजे से
		कर्क	02.49 बजे से
		सिंह	05.05 बजे से

सोमवार 2025 वर्ष का 237 वा दिन **दिशाशूल** पूर्व **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2082 **शक संवत्** 1947 **मास** भाद्रपद **पक्ष** शुक्ला **तिथि** द्वितीया 12.35 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** उत्तराफाल्गुनी 03.50 बजे को रात्र समाप्त। **योग** सिद्ध 12.06 बजे को समाप्त। **करण** कौलव 12.35 बजे तदनन्तर तैतिल 01.11 बजे रात्र को समाप्त। **चन्द्रायु** 1.8 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 10° 44' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872447 **जूलियन दिन** 2460912.5 **कलियुग संवत्** 5126 **कल्पारंभ संवत्** 1972949123 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885123 **वीरनिर्वाण संवत्** 2551 **हिजरी सन्** 1446 **महीना** रवि उलावल **तारीख** 01 **विशेष** वराह जयंती।

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
अमृत	05.53 से	07.22 बजे तक	चर	05.43 से	07.14 बजे तक
काल	07.22 से	08.50 बजे तक	रोग	07.14 से	08.45 बजे तक
शुभ	08.50 से	10.19 बजे तक	काल	08.45 से	10.17 बजे तक
रोग	10.19 से	11.48 बजे तक	लाभ	10.17 से	11.48 बजे तक
उद्वेग	11.48 से	01.17 बजे तक	उद्वेग	11.48 से	01.19 बजे तक
चर	01.17 से	02.45 बजे तक	शुभ	01.19 से	02.51 बजे तक
लाभ	02.45 से	04.14 बजे तक	अमृत	02.51 से	04.2 बजे तक
अमृत	04.14 से	05.43 बजे तक	चर	04.22 से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः साहस और संकल्प

मगध सम्राट कुमारगुप्त का पुत्र स्कंदगुप्त जब किशोर ही था, तब उसे पता चला कि हूण बार-बार भारत पर आक्रमण करते हैं और युद्ध के नियमों के विपरीत छल का सहारा लेकर भारी नुकसान पहुंचाते हैं। स्कंदगुप्त से देश का अपमान देखा न गया। उसने पिता से आग्रह किया कि उसे हूणों पर आक्रमण की आज्ञा दी जाए। पिता बड़े असमंजस में थे क्योंकि एक तो स्कंदगुप्त अभी किशोर ही था, शारीरिक बल और युद्ध कौशल की दृष्टि से उसे अभी बच्चा ही कहा जा सकता था। दूसरे, हूणों का क्षेत्र बहुत दूर था। हिमाच्छादित पहाड़ों की चोटियां पार कर के वहां जाना होता था। ऐसे दुर्गम मार्ग को पार करना सेना के लिए भी कठिन था, फिर हूण युद्ध में धोखे से ही काम लेते थे। ऐसी स्थिति में उसे आक्रमण की आज्ञा कैसे दी जाए? लेकिन कुमारगुप्त अपने पुत्र की देशभक्ति और साहस देखकर झुक गए। उन्होंने उसे चढ़ाई की आज्ञा दे दी। स्कंदगुप्त दो लाख सैनिक लेकर चल पड़ा। पंजाब से आगे बढ़कर हिमाच्छादित चोटियों को पार करती हुई उसकी सेना हूणों के इलाके में पहुंची और इस वीरता के साथ लड़ी कि शत्रुओं के छक्के छूट गए। उन्हें परास्त होना पड़ा। इस तरह स्कंदगुप्त ने आज के ईरान और अफगानिस्तान तक अपना राज्य कायम किया। इस विजय अभियान के बाद जब स्कंदगुप्त भारत लौटा तो उसके स्वागत में मगध से पांच कोस तक मार्ग सजाए गए और पूरे देश में विजयोत्सव मनाया गया। सबने स्वीकार किया कि साहस और संकल्प से कोई भी कठिन लड़ाई जीती जा सकती है।

सूडोकु नवताल- 7253

मध्यम

4	6		3		8	9		7
	1		9		6		5	4
						8		
	4		5				8	
2		5		4		6		1
	3				1		7	
		3						
5	9		7		2		6	
7		6	4		3		9	2

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7252 का हल

5	7	2	3	8	4	1	9	6
8	6	1	9	2	5	7	3	4
3	9	4	1	6	7	5	8	2
2	5	7	4	1	3	8	6	9
4	8	6	5	9	2	3	7	1
1	3	9	6	7	8	4	2	5
6	2	3	7	4	1	9	5	8
9	4	5	8	3	6	2	1	7
7	1	8	2	5	9	6	4	3

फेडरल रिजर्व के फैसले, वैश्विक आंकडों से तय होगी बाजार की चाल

नई दिल्ली। अमेरिकी फेडरल रिजर्व द्वारा ब्याज दरों में संभावित कटौती के संकेत से वैश्विक बाजारों में तेजी आई है, जिसका सकारात्मक प्रभाव घरेलू शेयर बाजार पर भी पड़ सकता है। जैक्सन हॉल संगोष्ठी में फेड अध्यक्ष जेरोम पॉवेल ने कहा कि मुद्रास्फीति पर नियंत्रण की दिशा में प्रगति हो रही है, जिससे निवेशकों को दरों में नरमी की उम्मीद बंधी है। इसके चलते अमेरिकी बाजारों में जोरदार तेजी देखी गई, वहीं डॉलर सूचकांक में कमजोरी आई। विशेषज्ञों का मानना है कि भारतीय बाजार को भी इससे सहारा मिल सकता है। हालांकि, अमेरिका द्वारा भारतीय वस्तुओं पर अतिरिक्त 25 फीसदी शुल्क लगाने की 27 अगस्त की समयसीमा निवेशकों के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। विश्लेषकों के अनुसार इस मुद्दे पर स्पष्टता आने तक विदेशी निवेशकों (एफआईआई) की भागीदारी सीमित रह सकती है।

इस सप्ताह भारतीय शेयर बाजार का रुख विदेशी निवेश, वैश्विक संकेतों और भारत, अमेरिका एवं चीन के प्रमुख आर्थिक आंकड़ों पर निर्भर करेगा। विशेषज्ञों ने कहा कि शुल्क की घोषणा और आर्थिक डेटा पर कड़ी नजर रखना जरूरी होगा। पिछले सप्ताह बीएसई सेंसेक्स में 709 अंक और निफ्टी में 238 अंक की बढ़त दर्ज की गई। विशेषज्ञों को उम्मीद है कि जीएसटी 2.0 जैसे सुधारों और घरेलू अर्थव्यवस्था की मजबूती से बाजार को समर्थन मिलता रहेगा। गणेश चतुर्थी के अवसर पर बुधवार को बाजार बंद रहेगा।

देश की शीर्ष 10 कंपनियों का बाजार मूल्यांकन 1.72 लाख करोड़ बढ़ा

नई दिल्ली। पिछले सप्ताह देश की शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों के संयुक्त बाजार पूंजीकरण (मार्केट केप) में 1,72,148.89 करोड़ की जबरदस्त बढ़ोतरी दर्ज की गई। इस वृद्धि में सबसे अधिक योगदान रिलायंस इंडस्ट्रीज का रहा, जिसने 48,107.94 करोड़ की वृद्धि के साथ अपने बाजार पूंजीकरण को 19,07,131.37 करोड़ तक पहुंचाया। रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे मूल्यवान कंपनी बनी हुई है।

इसके बाद हिंदुस्तान यूनिलीवर का भी बाजार मूल्यांकन 34,280.54 करोड़ बढ़कर 6,17,672.30 करोड़ पर पहुंच गया। इसके अलावा, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, इंफोसिस, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) और बजाज फाइनेंस को भी लाभ हुआ। जबकि अधिकांश कंपनियों के मूल्यांकन में सुधार देखने को मिला, वहीं एचडीएफसी बैंक और भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) के बाजार पूंजीकरण में गिरावट आई। इससे यह साफ होता है कि निवेशकों ने इन दोनों बैंकों के प्रति कुछ सतर्कता दिखाई है। वर्तमान में शीर्ष 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों की सूची इस प्रकार है ङ्क रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी बैंक, टीसीएस, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, भारतीय स्टेट बैंक, इंफोसिस, हिंदुस्तान यूनिलीवर, एलआईसी और बजाज फाइनेंस।

एसबीआई बैंक फ्रॉड केस में अनिल अंबानी ने सभी आरोपों से किया इनकार

नई दिल्ली। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने उद्योगपति अनिल अंबानी के मुंबई स्थित आवास और रिलायंस कम्युनिकेशन्स (आरकॉम) के दफ्तरों पर शनिवार को छापा मारा। यह कार्रवाई स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) की शिकायत पर की गई, जिसमें लगभग 2,929 करोड़ रुपए के लोन घोटाले का आरोप लगाया गया है। अनिल अंबानी के प्रवक्ता ने बताया कि यह मामला 10 साल पुरानी घटनाओं से जुड़ा है और एसबीआई के दावे को पहले ही न्यायालय में चुनौती दी जा चुकी है। उन्होंने कहा कि अंबानी उस समय आरकॉम के गैर-कार्यकारी निदेशक थे और कंपनी के दैनिक प्रबंधन में उनकी कोई भूमिका नहीं थी। प्रवक्ता ने यह भी दावा किया कि एसबीआई ने अन्य निदेशकों पर से पहले ही कार्रवाई वापस ले ली थी, फिर भी अंबानी को अलग से निशाना बनाया गया। वर्तमान में, रिलायंस कम्युनिकेशन्स का प्रबंधन एसबीआई के नेतृत्व वाले क्रेडिटर्स की समिति और रिजॉल्यूशन प्रोफेशनल की देखरेख में किया जा रहा है। यह मामला पिछले छह सालों से एनसीएलटी और उच्च न्यायालय सहित अन्य न्यायिक मंचों में विचाराधीन है। सीबीआई ने मुंबई स्थित स्टेट बैंक ऑफ इंडिया की शिकायत के आधार पर रिलायंस कम्युनिकेशन लिमिटेडऔर इसके निदेशक अनिल डी. अंबानी समेत कुछ अन्य अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। अनिल अंबानी ने सभी आरोपों का खंडन करते हुए कहा है कि वे कानून के अनुसार अपना बचाव करेंगे।

40 दिवसीय गायत्री अनुष्ठान पूर्णाहुति के साथ हुआ संपन्न

लांजी (पद्मेश न्यूज)। गायत्री शक्तिपीठ लांजी में गुरु पूर्णिमा पर्व से शुरू हुआ 40 दिवसीय गायत्री अनुष्ठान रविवार, 24 अगस्त 2025 को भव्य और श्रद्धापूर्ण वातावरण में पूर्णाहुति के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर एक कुंडीय गायत्री यज्ञ का आयोजन किया गया, जिसमें गायत्री शक्तिपीठ के ट्रस्टीगण, सक्रिय कार्यकर्ता, साधक और बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम में वर्ष 2026 में गायत्री परिवार के संस्थापक पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य जी की जन्म शताब्दी के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा पर भी चर्चा की गई।

अनुष्ठान का प्रारंभ और उद्देश्य

गायत्री शक्तिपीठ लांजी में गुरु पूर्णिमा (11 जुलाई 2025) से शुरू हुआ यह 40 दिवसीय अनुष्ठान गायत्री मंत्र की साधना और जाप को समर्पित था। इस अनुष्ठान का मुख्य उद्देश्य व्यक्तिगत और सामाजिक उत्थान के साथ-साथ आध्यात्मिक जागृति को बढ़ावा देना था। गायत्री मंत्र, जो वैदिक साहित्य में सर्वोच्च स्थान रखता है, के जाप और साधना के माध्यम से साधकों ने आत्मिक शांति, बुद्धि की प्रखरता और समाज में सकारात्मकता के प्रसार के लिए संकल्प लिया। इस दौरान साधकों ने नियमित रूप से गायत्री मंत्र का जाप, ध्यान और प्रज्ञायोग किया।

गायत्री यज्ञ के साथ हुई पूर्णाहुति

24 अगस्त रविवार के दिन गायत्री शक्तिपीठ लांजी के प्रांगण में आयोजित एक कुंडीय गायत्री यज्ञ के साथ इस अनुष्ठान की पूर्णाहुति हुई। यज्ञ का आयोजन वैदिक रीति-रिवाजों के साथ किया गया, जिसमें मंत्रोच्चार, हवन और आहुतियों के साथ साधकों ने विश्व कल्याण और शांति की कामना की। यज्ञ के पश्चात साधकों और श्रद्धालुओं ने गायत्री माता की आरती और भजन-कीर्तन में हिस्सा लिया, जिससे वातावरण भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा से परिपूर्ण हो गया।

जन्म शताब्दी वर्ष 2026 की तैयारियां

इस अवसर पर गायत्री शक्तिपीठ के ट्रस्टीगण ने वर्ष 2026 में गायत्री परिवार के संस्थापक पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य जी की जन्म शताब्दी के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत की। इस विशेष वर्ष में गायत्री परिवार द्वारा देश-विदेश में विभिन्न आध्यात्मिक, सामाजिक और सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। ट्रस्टीगण ने बताया कि लांजी शक्तिपीठ भी इस महायज्ञ में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाएगा। इन कार्यक्रमों का उद्देश्य गायत्री साधना के माध्यम से समाज में नैतिकता, एकता और परोपकार की भावना को बढ़ावा देना है।

साधकों और कार्यकर्ताओं की सक्रिय भागीदारी

कार्यक्रम में गायत्री शक्तिपीठ के ट्रस्टीगण और सक्रिय कार्यकर्ताओं ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। साधकों ने अनुष्ठान के दौरान न केवल गायत्री मंत्र का जाप किया, बल्कि सामूहिक ध्यान, प्रज्ञायोग और प्रवचनों के माध्यम से आध्यात्मिक ज्ञान का प्रसार भी किया। इस अवसर पर उपस्थित श्रद्धालुओं ने गायत्री परिवार के कार्यों की सराहना की और इसे समाज के लिए एक प्रेरणादायी पहल बताया।

गायत्री साधना का महत्व

गायत्री मंत्र को वेदों का सर्वोच्च मंत्र माना जाता है, जो ज्ञान, बुद्धि और आत्मिक शक्ति का प्रतीक है। इस अनुष्ठान में साधकों ने गायत्री मंत्र के 24 अक्षरों में निहित 24 शक्तियों और सिद्धियों की उपासना की। गायत्री शक्तिपीठ लांजी के प्रभारी ने बताया कि इस तरह के अनुष्ठान न केवल व्यक्तिगत जीवन में सकारात्मक बदलाव लाते हैं, बल्कि सामाजिक और वैश्विक स्तर पर शांति और समृद्धि के लिए भी योगदान देते हैं।

उच्च दुग्ध उत्पादन के लक्ष्य को लेकर जिले में कृत्रिम गर्भाधान पर रिफ्रेशर प्रशिक्षण का हुआ आयोजन

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा दिनांक 22 अगस्त 2025 को सभागृह कक्ष, कार्यालय, उपसंचालक, पशु चिकित्सा सेवाएं, बालाघाट में जिले के सभी विकासखंडों के पशु चिकित्सा अधिकारियों के लिए कृत्रिम गर्भाधान विषय पर रिफ्रेशर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जिले को दुग्ध उत्पादन में आत्मनिर्भर एवं अग्रणी बनाना तथा पशुपालकों की आय में वृद्धि सुनिश्चित करना है। प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन प्रभारी उपसंचालक डॉ. एन.डी. पुरी के मार्गदर्शन में किया गया। प्रशिक्षण सत्रों का संचालन पशु चिकित्सा शल्यज्ञ डा. राकेश शील एवं पशु चिकित्सा सहायक शल्यज्ञ डॉ रूपाली गजभिए द्वारा किया गया। प्रशिक्षण में कृत्रिम गर्भाधान की मानक संचालन प्रक्रियाओं (Standard Operating Procedures), सीमेन हैंडलिंग तथा सेक्स सॉर्टेड सीमेन के उपयोग जैसे तकनीकी पहलुओं पर विशेष ध्यान दिया गया। इस दौरान बताया गया कि सेक्स सॉर्टेड सीमेन तकनीक के उपयोग से उच्च दुग्ध उत्पादन क्षमता वाली बछियों का जन्म सुनिश्चित किया जा सकेगा। जिससे दीर्घकालिक रूप से दुग्ध उत्पादन में वृद्धि होगी। विभाग द्वारा यह निर्देश भी जारी किया गया कि प्रशिक्षण प्राप्त सभी अधिकारी अपने-अपने कार्यक्षेत्र में विभागीय स्टाफ, गौसेवकों एवं मैत्री कार्यकर्ताओं को भी प्रशिक्षित करें। प्रभारी उपसंचालक डॉ. पुरी ने कहा कि कृत्रिम गर्भाधान के माध्यम से पशुओं की नस्ल सुधार एवं दुग्ध उत्पादन में वृद्धि की संभावनाएँ अत्यधिक हैं। विभाग का लक्ष्य है कि प्रत्येक पात्र पशु को गुणवत्तापूर्ण सीमेन के माध्यम से कृत्रिम गर्भाधान की सुविधा सुलभ कराई जाए। इसके साथ ही उन्होंने डेयरी योजनाओं के व्यापक प्रचार-प्रसार एवं वृन्दावन ग्रामों में नियमित भ्रमण कर अधिकाधिक पशुपालकों को विभागीय योजनाओं से जोड़ने के निर्देश भी दिए।

सांसद श्रीमती भारती पारधी ने प्रदेश के उच्च शिक्षा एवं तकनीकी शिक्षा मंत्री इन्दर सिंह परमार से की भेंट

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। बालाघाट-सिवनी लोकसभा क्षेत्र की सांसद श्रीमती भारती पारधी ने 23 अगस्त को भोपाल में मध्यप्रदेश शासन के उच्च शिक्षा, आयुष व तकनीकी शिक्षा मंत्री इन्दर सिंह परमार से लोकसभा क्षेत्र में शिक्षा से जुड़े विभिन्न विषयों को लेकर सौजन्य भेंट की।

सांसद श्रीमती पारधी ने मंत्री श्री परमार से चर्चा के दौरान बताया कि बालाघाट जिला खनिज संपदा से परिपूर्ण होने के साथ साथ देश की बड़ी कंपनियां यहां कॉपर, मैंगनीज, डोलामाइट सहित अन्य खनिजों के खनन और उनकी प्रोसेसिंग का कार्य कर रही हैं?। लेकिन इससे जुड़े संकाय और विषय जिले के शासकीय महाविद्यालयों में नही है । इसी परिप्रेक्ष्य उन्होंने मंत्री श्री परमार से संसदीय क्षेत्र के शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय बालाघाट में माईन एवं सर्वेइंग विभाग शुरू करने के लिए पत्र मंत्री जी को सौंपा। इसके अतिरिक्त उन्होंने शासकीय महाविद्यालय लालबर्रा में फिजिक्स, केमिस्ट्री, गणित, जूलॉजी, कंप्यूटर साइंस सहित 8 नए संकाय शुरू करने, स्नातक के लिए इतिहास, भूगोल एवं संस्कृत तथा स्नाकोत्तर के लिए अंग्रेजी, इतिहास, भूगोल एवं संस्कृत विषय शुरू करने सहित लालबर्रा महाविद्यालय मे विभिन्न रिक्त सहायक प्राध्यापक के पदों पर शीघ्र नियुक्ति करने के लिए मांगपत्र सौंपा। इस दौरान मंत्री श्री परमार ने सभी विषयों पर शीघ्र ही ठोस निर्णय लेने के लिए आश्वस्त किया।

शांतिनाथ जैन मंदिर में मनाया गया महावीर स्वामी का जन्मोत्सव

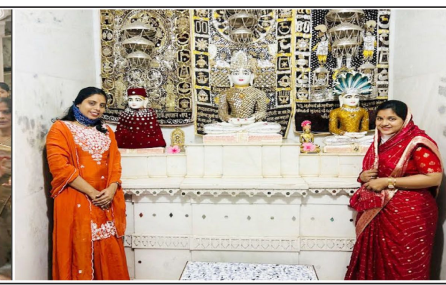

लांजी (पद्मेश न्यूज)।नगर के श्री शांतिनाथ जैन श्वेताम्बर मंदिर में श्वेताम्बर जैन समाज द्वारा महान पर्यूषण पर्व 20 अगस्त से मनाया जा रहा है। मंदिर में इस वर्ष बिना कोई सार्वजनिक कार्यक्रम करते हुये सादगी पूर्ण रूप से 24 अगस्त को भगवान महावीर स्वामी का जन्मोत्सव मनाया गया। यहां रोजाना सुबह स्नात्र व अष्टप्रकारी पूजा, एवं कल्पसूत्र वाचन की श्रृंखला बनी हुई है। पर्यूषण के पांचवें दिन 24 अगस्त को कल्पसूत्र वाचन में आये भगवान महावीर के जन्म का उत्सव भी धूमधाम से मनाया गया। प्रातः स्नात पूजा, अष्टप्रकारी पूजा किये जाने के उपरान्त दोपहर में श्रीमती सुशीला दुग्गड़ द्वारा कल्पसूत्र का वाचन किया गया। कल्पसूत्र में तीर्थंकरो का चरित्र उल्लेखित है, जिसके अन्तर्गत भगवान महावीर स्वामी के जन्म का वर्णन आने पर भगवान का जन्मोत्सव मनाया गया। भगवान के जन्म के पूर्व माता त्रिशला द्वारा देखे गये 14 स्वप्नों का विस्तार से वर्णन किया गया। इस अवसर पर 14 स्वप्न हाथी, वृषभ, सिंह, लक्ष्मीजी, फूलों की माला, ध्वजा, चन्द्रमा, सूर्य, कलश, विमान, रत्नों के ढेर, निर्धुम अग्नि आदि की झांकीयां भी सजाई गई व उनकी बोली भी लगाई गई। जन्म के उपरान्त भगवान महावीर को पालने में झूलाया गया तथा महिलाओं द्वारा भजन गाये गये। कार्यक्रम के अन्त में प्रभावना का वितरण किया गया। इस अवसर पर आशीष, अनीता, विशाल, मनीषा, संदेश विधि, खुशी, विराज, सम्यक दुगड़ परिवार एवं राजस्थानी और शारदा महिला मंडल की सभी बहनों ने उपस्थित होकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई । श्री शांतिनाथ जैन श्वेताम्बर मंदिर में प्रतिवर्ष भाद्रपद मास में महान पर्यूषण पर्व बढ़े ही धूम धाम से मनाया जाता है। यह आत्मशुद्धि, तप, स्वाध्याय, क्षमा और ध्यान का विशेष अवसर होता है।

घेउन जा री मारबत

परम्परागत रूप से मनाया गया नारबोद व तान्हा पोला

लांजी (पद्मेश न्यूज)। पोला पाटन पर्व के दूसरे दिन क्षेत्र में नारबोद पर्व 24 अगस्त 2025 को स्थानीय परम्परानुसार मनाया गया। उल्लेखनीय है कि इस त्यौहार को मनाने के पीछे की मान्यता है कि नारबोद अपने साथ कृषि में लगने वाली बीमारियों का खत्म करती है। इसके साथ ही मौसम में आए परिवर्तन से लोगों में सर्दी-खांसी, डेंगु जैसी बीमारियों का खात्मा होता है। क्षेत्र में यह त्योहार कई पीढियों से छोटी होली के रूप में मनाया जा रहा है। इस दिन परंपरा अनुसार मारबत (पूतना) का पुतला बनाया जाता है। जिसे गांव-बस्ती की सीमा से बाहर ले जाकर जलाया जाता है। ऐसी मान्यता है कि इस पुतले को गांव से बाहर ले जाते समय लोग अपनी समस्याओं और बुराईयों के साथ बीमारियों को भी गांव की सीमा से बाहर करते हैं। वैसे तो इस दिन दान की भी परंपरा है। लेकिन यह महज उमंग और उत्साह का ही नहीं बल्कि मस्ती और हुड़दंग का त्योहार भी है।

ग्रामीण अंचलों में भी नारबोद का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस दिन सुबह से लोगों ने अपने-अपने घरों से मिट्टी की नारबोद को लेकर गांव की सीमा के बाहर ले जाकर जलाया गया व नदी-नालों में प्रवाहित किया। क्षेत्र में कई जगह नारबोद के पुतले का ग्राम में भम्रण कराने के बाद श्मशाम घाट में दहन किया गया। ग्रामीण इलाकों में भी नारबोद पर्व मनाया गया।

हिंदू परम्पराओं और त्यौहारों में नारबोद का भी एक अलग ही महत्व है। इस दिन सुबह गेड़ी से चलने की परंपरा थी, क्षेत्र के अधिकांश ग्रामों में नारबोद की खूब धूम देखी गई। किसान अपने खेतों पर फसल की खुशहाली के लिए अपने खेतों की मेड़ों पर गराड़ी और तेंदू महुआ की शाखाओं को गाड कर फसल को कीटों से बचाने की पुरातन परंपरा है। इसी तरह मुख्यालय सहित ग्रामीण अंचलों में भी घरों में डगाल लगाकर नारबोद का बोझारा मांग कर त्यौहार मनाने की परंपरा क्षेत्र में सदियों से चली आ रही है। इस दिन अखाड़ा भी खेला जाता है। मुख्यालय सहित क्षेत्र के गांवों में हर्षोल्लास के साथ यह पर्व सादगी पूर्वक मनाया गया।

ना चली बसें ना भरा बाजार

पोला नारबोद पर्व के चलते लांजी से अन्य मार्गों पर चलने वाली बसें सवारियों के ना मिलने के कारण नहीं चल पाई। चुंकि यह पर्व ग्रामीण अंचलों में उल्लास पूर्वक मनाया जाता है व एक दूसरे को भोजन करने आमंत्रित भी किया जाता है। इतना ही नहीं लांजी में साप्ताहिक रविवार को भरने वाला बाजार दुकानों के नहीं लगने के कारण नहीं भर पाया। वहीं बसों का संचालन ना होने से राहगीरों को आवागमन में असुविधा हुई।

बालाघाट-सिवनी लोकसभा क्षेत्र को नेशनल हाईवे की सौगात देने पर सांसद श्रीमती पारधी ने केन्द्रीय मंत्री श्री गडकरी को धन्यवाद दिया

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। बालाघाट-सिवनी लोकसभा क्षेत्र की सांसद श्रीमती भारती पारधी ने संसदीय क्षेत्र के अंतर्गत बालाघाट-नैनपुर नेशनल हाईवे हाईवे के लिए 750 करोड़ रुपए, सिवनी - छिंदवाड़ा-सावनेर 04 लेन नेशनल हाईवे के लिए 2500 करोड़ रुपए और 04 लेन टाईगर कारीडोर एक्सप्रेस-वे निर्माण के लिए 5500 करोड़ रुपए स्वीकृत करने की घोषणा करने पर केंद्रीय सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गड़करी के प्रति आभार व्यक्त किया है और उन्हें बालाघाट -सिवनी संसदीय क्षेत्र का विशेष ध्यान रखने के लिए धन्यवाद दिया है।

सांसद श्रीमती पारधी ने कहा है कि बालाघाट -सिवनी संसदीय क्षेत्र को नेशनल हाईवे की सौगात मिलने से इस क्षेत्र में अधोसंरचना विस्तार के साथ उद्योग, व्यापार, पर्यटन को प्रोत्साहन मिलेगा और रोजगार के अवसर बढ़ेंगे। इससे क्षेत्र के विकास को गति मिलेगी। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व एवं दूरदर्शी सोच के चलते केंद्रीय मंत्री श्री गडकरी द्वारा मध्यप्रदेश को यह सौगात दी गई है।

केन्द्रीय सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने 23 अगस्त को जबलपुर में आयोजित कार्यक्रम में पर्यटन को प्रोत्साहन देने के लिये पेंच, कान्हा, बांधवगढ़ और पन्ना टाइगर रिजर्व को 04 लेन सड़क से जोड़ने 5500 करोड़ रुपए की लागत से टाईगर कारीडोर एक्सप्रेस-वे बनाने की घोषणा की है। उन्होंने बालाघाट से नैनपुर नेशनल हाईवे के लिए 750 करोड़ रुपए और सिवनी -छिंदवाड़ा-सावनेर 04 लेन नेशनल हाईवे के लिए 2500 करोड़ रुपए, लखनादौन से रायपुर 04 लेन हाईस्पीड हाईवे के लिए 10 हजार करोड़ रुपए और रायपुर से विशाखापत्तनम हाईस्पीड हाईवे के लिए 48 हजार करोड़ रुपए की घोषणा की है।

इन नेशनल हाईवे के बनने से बालाघाट-सिवनी लोकसभा क्षेत्र की जनता को प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से बहुत लाभ होगा। इससे संसदीय क्षेत्र का बंदरगाह शहर विशाखापत्तनम से भी हाईस्पीड हाईवे के द्वारा सीधा सम्पर्क हो जाएगा।

लांजी में ''पद्मेश''
इंटरनेट (ब्राडबेंड) कनेक्शन के लिये संपर्क करें
Mo. 8319969927

एकल ग्राम नल जल योजना की मरम्मत करेगा पीएचई

प्रतिवर्ष 1000 करोड़ रुपए खर्च करेगी सरकार

भोपाल। मप्र में एकल ग्राम नल जल योजना को सुचारु रूप से चलाने के लिए सीएम डॉ. मोहन यादव सरकार ने नीतिगत फैसला किया है। इसके तहत अब प्रदेश में एकल ग्राम नल जल योजना की मरम्मत का काम पीएचई (लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग) विभाग करेगा। इसके लिए सरकार ने प्रतिवर्ष 1000 करोड़ रुपए खर्च करने का फैसला किया है। बता दें कि प्रदेश में मल्टी विलेज नल जल योजना को लेकर विभागों के काम के बीच बंटवारा साफ-साफ है, लेकिन एकल ग्राम नल जल योजना में काम को लेकर कोई स्पष्ट नीति नहीं थी। इस वजह से आए दिन पंचायत विकास विभाग और पीएचई विभाग में मामला झूलता रहता है। दोनों विभाग में तनातनी भी देखने को मिलती है जो सीएम डॉ. मोहन यादव के सामने भी देखने को मिली। जहां एक ओर पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग की प्रमुख सचिव दीपाली रस्तोगी ने कहा कि पंचायत से जुड़े काम पंचायत विकास विभाग को ही मिलने चाहिए।

तीन महीने की लंबी कवायद के बाद प्रदेश में एकल नल जल योजनाओं के ऑपरेशन एंड मेंटेनेंस (संचालन एवं संधारण) का मामला सुलझ गया है। मुख्य सचिव और मंत्रियों के स्तर पर जब यह विवाद नहीं सुलझा, तो मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव को इसमें हस्तक्षेप करना पड़ा। अब तय हुआ है कि प्रदेश में एकल नल जल योजनाओं का मेंटेनेंस लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग अनुबंधित एजेंसी के माध्यम से करेगा। ग्राम पंचायतों को योजना के संचालन यानी नलों को चालू एवं बंद करने की जिम्मेदारी सौंपी गई है। प्रदेश में जल जीवन का करीब 90 प्रतिशत काम पूरा हो गया है, लेकिन पिछले तीन महीने से एकल नल जल योजनाओं के ऑपरेशन एंड मेंटेनेंस का विवाद पीएचई और पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग के बीच उलझा था। मई में मुख्य सचिव अनुराग जैन ने दोनों विभाग के प्रमुख सचिवों के साथ बैठक कर इस मुद्दे पर लंबी चर्चा की, लेकिन कोई निष्कर्ष नहीं निकला था। फिर तय हुआ की दोनों विभागों के मंत्रियों की संयुक्त बैठक कर उनके समक्ष मामले को रखा जाए, लेकिन यह बैठक नहीं हो पाई। इसके बाद यह मामला मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के पास पहुंचा।

सीएम ने पीएचई को सौंपा 3 साल तक काम

इसके बाद मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने फैसला किया कि अगले 3 साल तक एकल ग्राम नल जल योजना में मरम्मत का काम पीएचई विभाग ही देखेगा। इसके लिए हर साल 1000 करोड़ रुपए का बजट रखा गया है। इसका मतलब है कि इस काम के लिए पीएचई विभाग को 3 साल में 3 हजार करोड़ रुपए का बजट मिलेगा। गौरतलब है कि मुख्यमंत्री ने हाल ही में पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल, पीएचई मंत्री संपतिया उइके और मुख्य सचिव अनुराग जैन व अन्य अधिकारियों के साथ बैठक कर जल जीवन मिशन की प्रगति और एकल नल जल योजनाओं के संचालन एवं संधारण के संबंध में चर्चा की। बैठक में प्रमुख सचिव पीएचई पी. नरहरि ने ग्रामीण नल जल योजना संचालन, संधारण एवं प्रबंधन नीति के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इसके बाद निर्णय लिया गया कि एकल नल जल योजनाओं के सुचारू एवं दीर्घकालिक संचालन के लिए ग्रामीण नल जल योजना संचालन, संधारण एवं प्रबंधन नीति को 3 साल के लिए लागू किया जाए। इस नीति में एकल नल जल योजना का संचालन पूर्व की भांति संबंधित ग्राम पंचायत के द्वारा किए जाने और ग्राम पंचायतों को योजना के ऑपरेशन (संचालन) में सहयोग देने का प्रावधान किया गया है। नीति में योजना में मेंटेनेंस से संबंधित कार्य लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा अनुबंधित एजेंसी के माध्यम से किए जाने का प्रावधान है। जल्द ही ग्रामीण नल जल योजना संचालन, संधारण एवं प्रबंधन नीति को मंजूरी के लिए कैबिनेट की बैठक में रखा जाएगा।

योजना पर 20 हजार करोड़ खर्च

मप्र में जल जीवन मिशन में एकल नल जल योजनाओं पर सरकार करीब 20 हजार करोड़ रुपए खर्च कर रही है। गांवों में आने वाले वर्षों में नलों से सूचारू रूप से पानी की सप्लाई हो और मिशन पर खर्च होने वाले हजारों करोड़ रुपए व्यर्थ न जाएं, इसलिए नई नीति तैयार की गई है। इस नीति के लागू होने से समूह जलप्रदाय योजनाओं की भांति एकल ग्राम नल जल योजनाओं का सुचारू एवं दीर्घकालिक संचालन हो सकेगा। इस नीति के अनुसार ग्रामीण नलजल योजनाओं का संचालन, संधारण एवं प्रबंधन सुनिश्चित किया जाएगा। प्रदेश में जल जीवन मिशन में एकल नल जल योजनाओं की संख्या 27 हजार 990 है। इनके मेंटेनेंस पर सालाना करीब एक हजार करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान है। यह राशि राज्य सरकार वहन करेगी।

मार्च 2027 तक पूरा होगा जल जीवन मिशन

प्रदेश में अगस्त, 2019 तक जहां केवल 12.11 प्रतिशत अंतर्गत 13 लाख 53 हजार ग्रामीण परिवारों को ही नल से जल मिल रहा था, वहीं अब यह संख्या बढ़कर 78 लाख 64 हजार से अधिक हो गई है। इस प्रकार 70.41 प्रतिशत ग्रामीण परिवार नल से जल सुविधा से जुड़ चुके हैं। कुल 1 करोड़ 11 लाख 69 हजार परिवारों को नल से जल उपलब्ध कराने का लक्ष्य है। पीएचई विभाग ने जल जीवन मिशन का कार्य मार्च, 2027 तक पूर्ण कर करने का लक्ष्य रखा है। प्रदेश में बुरहानपुर और निवाड़ी हर घर जल प्रमाणित जिला घोषित हो चुके हैं। इन दोनों जिलों के हर घर में नल से पानी की सप्लाई की जा रही है।

डिंडौरी में नर्मदा घाट डूबे, सतना में बाढ़

मप्र में बारिश का सितम, श्योपुर में गर्भवती का बोट से रेस्क्यू

भोपाल। मानसून ट्रफ और साइक्लोनिक सर्कुलेशन (चक्रवात) की वजह से मप्र में तेज बारिश का दौर जारी है। डिंडौरी में नर्मदा का जलस्तर बढ़ने से इमली कुटी घाट में फंसे 6 गोवंश को रस्सी की मदद से सुरक्षित निकालते युवक। डिंडौरी-अमरपुर मार्ग में खरमेर नदी में पुल पर पानी होने की वजह से रास्ता बंद हो चुका है। अमरपुर पुलिस भी मौके पर मौजूद है। सतना शहर में कई इलाकों में जलभराव हो गया। निचली बस्तियों में लोगों के घरों के अंदर तक पानी घुस गया। लोग परेशान हो रहे। उमरिया की उमड़ार नदी का जलस्तर बढ़ने से पुल-पुलियों से ऊपर से पानी बह रहा है। लालपुर-जिला मुख्यालय का संपर्क टूटा।

पिछले 24 घंटे के दौरान 32 से ज्यादा जिलों में बारिश का दौर रहा। सबसे ज्यादा सीधी में 6.7 इंच पानी गिरा। सतना में 3.7 इंच, शिवपुरी में 2.6 इंच, दतिया में 2.1 इंच, उमरिया, मंडला और खजुराहो में 1.7, नौगांव में 1.5 इंच, रीवा में 1.4 इंच, जबलपुर-पचमढ़ी में 1.1 इंच, ग्वालियर और नर्मदापुरम में 1-1 इंच पानी गिर गया। इसके अलावा भोपाल, बैतूल, नरसिंहपुर, खंडवा, गुना, रतलाम, श्योपुर, रायसेन, टीकमगढ़, दमोह, सागर, उज्जैन, इंदौर, बालाघाट, छिंदवाड़ा, शाजापुर, सीहोर, विदिशा, राजगढ़, आगर-मालवा, देवास में भी बारिश का दौर बना रहा। मौसम वैज्ञानिक अरुण शर्मा ने बताया कि प्रदेश में अब तक औसत 34.2 इंच बारिश हो चुकी है। 2.8 इंच पानी और गिरते ही सीजन की बारिश का कोटा फुल हो जाएगा। गुना में औसत 52 इंच पानी गिर चुका है। वहीं, मंडला और अशोकनगर में आंकड़ा 50 इंच से ज्यादा है।

महिष्मति घाट का रपटा पुल डूबा

मंडला जिले में पिछले 24 घंटों में 1.69 इंच बारिश दर्ज की गई है। घुघरी तहसील में सबसे अधिक 3 इंच वर्षा हुई। लगातार बारिश के कारण नर्मदा नदी का जलस्तर बढ़कर 437.13 मीटर तक पहुंच गया है। यह वार्निंग लेवल से ऊपर है। इसके चलते महिष्मती घाट का छोटा रपटा पुल जलमग्न हो गया है।

खरमेर नदी में पुल पर पानी

डिंडौरी-अमरपुर मार्ग पर खरमेर नदी में पुल पर पानी होने की वजह से रास्ता बंद हो चुका है। अमरपुर पुलिस मौके पर मौजूद है।

छिंदवाड़ा कलेक्टर के बचाव में उतरा आइएएस एसोसिएशन

भोपाल। मध्य प्रदेश के आइएएस संगठन ने नेता प्रतिपक्ष उमर सिंघार के बयान पर आपत्ति दर्ज कराई है। संगठन के अध्यक्ष मनु श्रीवास्तव का कहना है, अधिकारी और कर्मचारी किसी के गुलाम नहीं होते हैं। वह जनता के प्रति जिम्मेदार हैं। उन्होंने नेता प्रतिपक्ष का नाम लिए बिना आपत्ति करते हुए कहा, ऐसे आरोपों का असर अधिकारियों और कर्मचारियों के परिवार और समाज पर पड़ता है। शासन के अधिकारी और कर्मचारी जनता और शासन के हित में काम करते हैं। शासन के निर्देशों का पालन करते हैं। उनके लिए इस तरह के शब्दों का इस्तेमाल किया जाना ठीक नहीं है।

12 लाख सरकारी कर्मचारियों को अब भी इंतजार

छह साल से अटकी कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा

भोपाल। प्रदेश के लाखों शासकीय कर्मचारी और उनके परिवारजन पिछले 6 वर्षों से कैशलेस इलाज की सुविधा का इंतजार कर रहे हैं। वर्ष 2019 में तत्कालीन सरकार ने इस योजना की घोषणा की थी, लेकिन आज तक इसे लागू नहीं किया जा सका है। वर्तमान में कर्मचारियों को इलाज के लिए पहले अपनी जेब से भुगतान करना पड़ता है और बाद में विभाग से प्रतिपूर्ति मिलती है। इस प्रक्रिया में समय और आर्थिक दोनों तरह की परेशानी का सामना करना पड़ता है। कैशलेस स्वास्थ्य बीमा योजना लागू होने पर कर्मचारियों को बड़ी राहत मिल सकती है, मगर अभी तक फाइलें ही खंगाली जा रही हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ ने कर्मचारियों को कैशलेस इलाज उपलब्ध कराने का वादा किया था, लेकिन उनकी सरकार चली गई। इसके बाद तत्कालीन मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक में प्रस्ताव को रखा गया, लेकिन कोई निर्णय नहीं हुआ। हाल ही में मोहन सरकार ने इस मामले में फरवरी 2024 को एक 9 सदस्यीय कमेटी मुख्य सचिव की अध्यक्षता में बनाई है। सीएम डॉ. मोहन यादव ने एक कार्यक्रम में कर्मचारियों को 5 लाख रुपये तक का कैशलेस इलाज उपलब्ध कराने और गंभीर बीमारी में 10 लाख रुपये तक का इलाज सुविधा देने की घोषणा की थी।

कर्मचारी संगठनों में नाराजगी

तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ के महामंत्री उमाशंकर तिवारी ने कहा कि देश के 55 करोड़ लोगों को केंद्र सरकार कैशलेस इलाज उपलब्ध करा रही है। उनसे किसी प्रकार की कोई राशि भी नहीं ली जा रही है। इसी प्रकार से प्रदेश के कर्मचारियों को भी योजना का लाभ मिलना चाहिए। वहीं, जानकारों का कहना है कि राज्य सरकार पर पहले से ही करीब 756 करोड़ रुपये का अतिरिक्त वित्तीय बोझ है, जिस कारण योजना को लागू करने में देरी हो रही है। वित्तीय प्रबंधन और बीमा कंपनियों से अनुबंध की प्रक्रिया पूरी न होने तक कर्मचारियों को कैशलेस इलाज का लाभ नहीं मिलेगा।

बोर्ड के अधिकारियों के तबादलों को किया निरस्त

मप्र मंडी बोर्ड को हाई कोर्ट ने दिया बड़ा झटका

भोपाल। मप्र राज्य कृषि विपणन बोर्ड में हाल ही में की गई पदस्थापना और ट्रांसफर के आदेशों पर हाईकोर्ट ने बड़ा फैसला दिया है। कोर्ट ने इन आदेशों को अवैध और नियमों के खिलाफ करार देते हुए उन्हें निरस्त कर दिया। इस फैसले के पीछे यह तर्क था कि इन पदस्थापनों में नियमों का उल्लंघन किया गया था और बिना उचित प्रक्रिया के कर्मचारियों की नियुक्ति की गई थी। न्यायालय ने अधिकारियों के तबादलों को लेकर प्रबंध संचालक कुमार पुरुषोत्तम द्वारा किए गए आदेशों को अवैधानिक मानते हुए निरस्त कर दिया है। साथ ही आदेश में राज्य शासन को मंडी बोर्ड के मामले में संज्ञान लेने के निर्देश दिए हैं।

जानकारी के अनुसार, मंडी बोर्ड के प्रबंधक संचालक ने मंडी बोर्ड के आंचलिक कार्यालय जबलपुर तथा ग्वालियर में पदस्थापना की गई। जबलपुर कार्यालय में 1 अगस्त को संयुक्त संचालक रोहणी प्रसाद चक्रवर्ती को पदस्थ किया था। इसके 3 दिन बाद ही सामान्य प्रशासन विभाग ने चक्रवर्ती की जगह संयुक्त कलेक्टर मंडला शाहिद खान जबलपुर में पदस्थ कर दिया। इस आदेश को लेकर उच्च न्यायालय में याचिका दायर की गई। बताया गया कि प्रबंधक संचालक के दबाव में चक्रवती ने याचिका को वापस ले लिया था और चक्रवती को तबादला जबलपुर से हटाकर सागर कर दिया। वहीं ग्वालियर में पदस्थ किए गए संयुक्त संचालक सुरेश कुमार कुमरे को हटाकर अपर कलेक्टर दया शंकर को पदस्थ किया। जिसके खिलाफ सुरेश कुमार कुमरे ने याचिका क्रमांक डब्ल्यूपी/31554/2025 दाखिल की गई। सुनवाई के दौरान उच्च न्यायालय ने कहा कि मंडी बोर्ड में सीधे पदस्थापना करने का वैधानिक अधिकार नहीं है। इसके बाद उच्च न्यायालय न्यायाधीश आशीष श्रोतीय ने प्रतिनियुक्ति आदेश को निरस्त कर दिया। साथ ही सरकार को मंडी बोर्ड के मामले में उचित निर्णय करने को कहा है।

मंडी बोर्ड में दूसरे विभाग से कर्मचारियों की प्रतिनियुक्ति

बताया गया कि मंडी बोर्ड में दूसरे विभाग से कर्मचारियों को प्रतिनियुक्ति की निर्धारित प्रक्रिया है, लेकिन मंडी बोर्ड के प्रबंधक संचालक ने हाल ही में बिना किसी विज्ञापन तथा प्रक्रिया के मुख्यालय और आंचलिक कार्यालयों में तकनीकी सहित प्रशासनिक पदों पर नियुक्त कर दिया। एमडी कुमार पुरुषोत्तम ने मुख्य सचिव को पत्र भेजकर मंडी बोर्ड में कर्मचारियों की कमी बताकर बिना प्रक्रिया अपनाए अनेक संयुक्त कलेक्टरों को मंडी बोर्ड के आंचलिक कार्यालय जबलपुर, भोपाल, ग्वालियर में सयुक्त संचालक के पदों पर पदस्थ कर दिया।

दुश्मन को दहला देने वाले रशियन टैंक मप्र में होंगे रिपेयर

वॉर टैंक रिपेयरिंग हब की जल्द शुरुआत

भोपाल। भारतीय सेना में शामिल शक्तिशाली रूसी मूल के टी-90 और टी 72 टैंक की जल्द मध्यप्रदेश में रिपेयरिंग होगी। इन टैंकों की रिपेयरिंग के लिए मध्यप्रदेश में जल्द ही वॉर टैंक रिपेयरिंग हब बनने जा रहा है। मध्यप्रदेश के दौरे पर आई केन्द्रीय रक्षा संयुक्त सचिव गरिमा भगत ने विभाग में डिफेंस मैन्युफैक्चरर्स की मीटिंग में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश के जबलपुर, कटनी, इटारसी और सागर के बीच डिफेंस कॉरिडोर की भरपूर संभावनाएं हैं। जबलपुर में टैंक रिपेयरिंग हब के लिए करीबन 300 करोड़ का निवेश प्रस्ताव भी मिला है।

डिफेंस सेक्टर का बड़ा केन्द्र बन सकता है एमपी

मैन्युफैक्चरर्स और अधिकारियों से चर्चा के दौरान केन्द्रीय रक्षा संयुक्त सचिव ने कहा, मध्यप्रदेश के जबलपुर में 24 सितंबर को एमएसएमई कॉन्क्लेव आयोजित होने जा रही है। डिफेंस सेक्टर में जबलपुर में अच्छी संभावनाएं मौजूद हैं। यहां पहले से ही व्हीकल फैक्ट्री और गन कैरिज फैक्ट्री मौजूद हैं। व्हीकल फैक्ट्री में भारतीय सेना के शक्तिशाली टैंक टी-90 और टी-72 की रिपेयरिंग का भी प्रस्ताव है। मध्यप्रदेश में रक्षा क्षेत्र में निवेश को लेकर बड़ी संभावना मौजूद है और केन्द्र सरकार इसमें प्रदेश का सहयोग कर रही है।

टी-90 टैंक मूल रूप से रूसी युद्धक टैंक हैं

इसका भारतीय नाम भीष्म दिया गया है। इसे विश्व के सबसे घातक टैंकों में से एक माना जाता है। 2003 से ही यह भारतीय सेना का मुख्य युद्ध टैंक है। इसे लगातार अपग्रेड किया जा रहा है। इसी तरह टी-72 टैंक अब पुराने हो चले हैं, टी 90 टैंक टी-72 का ही अपग्रेड वर्जन है। टी-72 टैंक को भी लगातार अपग्रेड किया जा रहा है। इन टैंकों में अब 1 हजार एचपी के इंजन लगाए जा रहे हैं। अभी इसमें 780 एचपी के इंजन लगे हैं।

देश का तीसरा बड़ा सेंटर बनेगा मध्यप्रदेश

जबलपुर में मेंटेनेंस, रिपेयर और ऑपरेशन सेंटर प्रस्तावित किया गया है। यदि इसने आकार लिया तो यह दिल्ली और चेन्नई के बाद देश का तीसरा बेस टैंक ओवरहॉल फैसिलिटी सेंटर होगा, जहां टैंकों की रिपेयरिंग कर उन्हें नया रूप दिया जाएगा। दिल्ली और चेन्नई में फिलहाल यह काम हो रहा है, लेकिन काम का ज्यादा भार है। इसे देखते हुए इसका तीसरा सेंटर बनाने की ओर कदम आगे बढ़ाए जा रहे हैं। जबलपुर वैसे भी देश का बड़ा डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग हब है। यहां गन कैरिज, बुलेटप्रूफ व्हीकल्स और गोला-बारूद बनाकर देश की सेना की बड़ी जरूरतें पूरी की जाती हैं।

इन्फ्रास्ट्रक्चर की जानकारी देने में दे रहे कालेज

भोपाल। ऑल इंडिया सर्वे ऑफ हायर एजुकेशन की ओर से शैक्षणिक संस्थान, कॉलेजों की विस्तृत जानकारी उच्च शिक्षा विभाग से चाही गई है। इसके लिए उच्च शिक्षा विभाग में सभी यूनिवर्सिटी लगातार आनाकानी कर रही हैं कि कॉलेज के समस्त इन्फ्रास्ट्रक्चर की जानकारी उपलब्ध करवाएं। इसके लिए लगातार अल्टीमेटम भी दिए जा रहे हैं। अब 15 सितंबर तक की समयसीमा तय की गई है।

प्रदेश के सभी कॉलेजों में क्लास रूम, विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की संख्या एवं योग्यता, पाठ्यक्रम की संख्या, विद्यार्थियों की सीट, खेल का मैदान, वित्तीय स्थितियां आदि अन्य जानकारी को यूनिवर्सिटियों के माध्यम से उच्च शिक्षा विभाग तक पहुंचाया जाना है। दरअसल निजी कॉलेज संचालक अपनी खामियों को छुपाने के लिए इन जानकारी को विधिवत फॉर्मेट में जमा नहीं कर रहे हैं, जिससे उच्च शिक्षा विभाग ने नाराजगी भी जताई है।

एग्रीमेंट के 28 साल बाद भी नहीं हुई क्रेशर की रजिस्ट्री

भोपाल। देहात इलाके के बेरखेड़ी गांव में क्रेशर संचालक ने साल 1997 में तीन एकड़ जमीन पर बना क्रेशर बेचने का अनुबंध किया था, लेकिन आज तक उसकी रजिस्ट्री नहीं कराई गई। परेशान फरियादी की शिकायत पर रातीबड़ पुलिस ने अमानत में खयानत का केस दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, प्रकाश माधवानी (57), ईदगाह हिल्स में रहते हैं। उन्होंने संजीव शर्मा से तीन एकड़ भूमि का क्रेशर खरीदा था। अनुबंध के दौरान प्रकाश ने एक लाख रुपए एडवांस दिए थे, उस समय बाकी रकम मिलने पर रजिस्ट्री क्रेशर की रजिस्ट्री कराई जाने की बात तय हुई थी। लेकिन आरोपी मेरठ चला गया और उसने पावर आफ अटॉर्नी नंदा नामक व्यक्ति के नाम कर दी। नंदा ने फरियादी से 4.35 लाख रुपए वसूल किए। इसके बाद स्वयं संजीव शर्मा ने दो लाख रुपए और मांगे, जो फरियादी ने अदा कर दिए। लगभग आठ लाख रुपए देने के बाद भी रजिस्ट्री नहीं की गई। अब आरोपी जमीन के वर्तमान मूल्य के हिसाब से और अधिक रकम की मांग कर रहा है। इसके बाद मामला थाने जा पहुंचा। फरियादी की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

दो अक्टूबर से उद्योगों के लिए श्रम स्टार रेटिंग होगी

श्रम विभाग ने सुझाव मांगे, श्रमिक संख्या और प्रोडक्ट के आधार पर तय होगी रेटिंग

भोपाल। प्रदेश में उद्योग तथा व्यवसायों के लिए श्रम स्टार रेटिंग योजना 2 अक्टूबर से शुरू होगी। इस योजना में तय की जाने वाली रेटिंग किस तरह की जाए, इसको लेकर उद्योगपतियों, व्यवसायियों और कारोबारियों के सुझाव लिए जाएंगे। इसके बाद फाइनल स्कीम पर सरकार की स्वीकृति लेकर उद्योगों को प्रोत्साहित करने का काम किया जाएगा। योजना में उद्योगों की अलग-अलग कैटेगरी के आधार पर सरकार की ओर से वेटेज दिए जाने पर भी फैसला किया जाएगा।

श्रम कानून एवं औद्योगिक स्वास्थ्य व सुरक्षा संबंधी प्रावधानों के पालन, सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के क्रियान्वयन को लेकर राज्य सरकार ने इस पर काम शुरू किया है। श्रम स्टार रेटिंग को लेकर श्रम विभाग के सचिव ने उद्योग तथा व्यवसायों के प्रतिष्ठित संगठनों तथा प्रबंधकों से एक दौर की चर्चा भी की है। श्रम विभाग के सचिव राजेंद्रन ने कहा है कि इसके लिए व्हाट्सएप ग्रुप बनाने का भी काम होगा और योजना 2 अक्टूबर से लागू होगी। उन्होंने जिलों में होने वाले युवा संगम, प्रधानमंत्री विकसित भारत रोजगार योजना तथा दुर्घटना रहित दिवस संबंधी योजनाओं की जानकारी देते हुए इनसे जुड़ने का आग्रह उद्योगपतियों से किया।

इस तरह के सुझाव दिए उद्यमियों ने सेल्फ असेसमेंट की प्रणाली में स्वप्रबंधन को प्रस्तावित वेटेज अधिक दिखता है, यह प्रणाली अधिक युक्तियुक्त होना चाहिए। उद्योगों में महिला सहभागिता के संबंध में उद्योगवार अलग-अलग मापदण्ड होना चाहिए। कई उद्योगों में महिलाएं अधिक और कहीं बहुत कम हैं, इसलिए, इसके अनुरूप वेटेज होना चाहिए। दिव्यांग श्रमिकों की नियुक्ति पर भी वेटेज हो। रेटिंग के घटक उद्योगों की श्रेणी वृहद, मध्यम, लघु, सूक्ष्म, खतरनाक और गैर खतरनाक के आधार पर तय की जाए। उद्योगों में श्रमिक संख्या तथा प्रोडक्ट्स की प्रकृति के अनुसार कैटेगरी तय होना चाहिए। वेटेज भी उद्योग, व्यवसाय के अनुसार हो।

लघु एवं सूक्ष्म उद्योगों के लिए श्रम स्टार यह अनिवार्य नहीं होना चाहिए। स्वतंत्र इम्पेनल्ड एजेंसियों का चयन उद्योगों तथा विभाग की सहमति से तय किया जाना उचित होगा। उच्च रेटिंग के आधार पर शासकीय क्रय में प्राथमिकता तथा शासन से सब्सिडी और अन्य इन्सेंटिव मिलना चाहिए। श्रम कानूनों के किन प्रावधानों को सम्मिलित किया जायेगा, यह स्पष्ट होना चाहिए।

राजधानी भोपाल पहुंची देश की पहली मोबाइल टेली-रोबोटिक यूनिट

ऑपरेशन थिएटर के बाहर से की गई सर्जरी:दिल्ली में बैठा सर्जन भोपाल के पेशेंट का कर सकता है ऑपरेशन

भोपाल। भारत में बनी पहली मोबाइल टेली रोबोटिक सर्जरी यूनिट एसएसआई मंत्रा एम राजधानी भोपाल पहुंची। शहर के एक नजी एसईआर अस्पताल में एक महिला की बच्चेदानी निकालने की सर्जरी (हिस्ट्रेक्टोमी) की गई। जिसमें मरीज ओटी में थी, जबकि ऑपरेटिंग सर्जन बस में लगे टेली रोबोटिक कंसोल पर मौजूद थीं। यह सर्जरी डॉ. प्रिया भावे चित्तावर और उनकी टीम द्वारा की गईं। डॉ. चित्तवार के अनुसार, यह मध्य भारत में महिलाओं पर की गई पहली टेली-रोबोटिक सर्जरी और भारत में दूसरी ऐसी प्रक्रिया है जिसमें सर्जन दूरस्थ कंसोल से रोबोट को नियंत्रित करते हैं और ओटी में रोबोट वास्तविक सर्जरी करता है। नियंत्रण पूरी तरह सर्जन के हाथ में रहता है। बस के भीतर लगे कंसोल से सर्जन ने इंस्ट्रूमेंट आर्म्स को कंट्रोल किया, जबकि ओटी के भीतर रोबोट ने सटीक मूवमेंट्स से टिश्यू डिसेक्शन और हेमोस्टेसिस को अंजाम दिया। कैंपस में आए डॉक्टरों और पीजी विद्यार्थियों ने लाइव-फीड पर प्रक्रिया देखी और सिस्टम की बारीकियों को समझा।

प्रिया भावे चित्तावर ने बताया कि यह मोबाइल वैन है इसके अंदर एक सर्जिकल रोबोट है। इसकी सहायता से प्रदेश भर के चिकित्सकों को रोबोटिक सर्जरी का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। इसका फायदा यह है कि अगर दिल्ली में कोई सर्जन है तो उसकी स्किल का लाभ भोपाल में भी पेशेंट को दे सकते हैं। इसके अलावा अगर एक सर्जन किसी कारण बस सर्जरी नहीं कर पा रहा है तो रीमोटली दूसरा सर्जन टेक ओवर कर सकता है। अभी तक हमने भोपाल में तीन टेली रोबोटिक सर्जरी ऑपरेट की है।

मोबाइल टेली-रोबोटिक यूनिट एसएस इनोवेशन ने विकसित की है। इसका उद्देश्य यह है कि जहां रोबोटिक सर्जरी की पहुंच कम है, वहां टेक्नोलॉजी को मरीज तक ले जाना। टीम का विजन ऐसा नेटवर्क बनाना है कि भोपाल के विशेषज्ञ जरूरत पड़ने पर किसी दूरस्थ जिले के ओटी में रोबोट के जरिए सर्जरी कर सकें। इससे विशेषज्ञों की कमी वाले क्षेत्रों में भी क्वालिटी सर्जरी, समय पर उपलब्ध हो सकेगी।

700 किमी का सफर पर है यूनिट

जानकारी के मुताबिक यह रोबोटिक सर्जिकल यात्रा 21 अगस्त को गुरुग्राम से शुरू हुई है। भोपाल के बाद यूनिट इंदौर और फिर जबलपुर जाएगी। कुल 9 दिनों में लगभग 700 किमी का सफर तय करते हुए यह बस कई शहरों में रुकेगी, जहां डॉक्टर्स, मेडिकल स्टूडेंट्स और हेल्थ-स्टाफ के लिए लाइव डेमो और हैंड्स-ऑन ट्रेनिंग आयोजित की जा रही है।

एशियन निशानेबाज चैंपियनशिप की मिश्रित टीम स्पर्धा में एलावेनिल और अर्जुन को स्वर्ण

भारत के स्वर्ण पदकों की तादाद 22 तक पहुंची

नई दिल्ली । भारतीय निशानेबाजों ने कजाकिस्तान के श्यामकेंट में जारी एशियाई निशानेबाज चैम्पियनशिप की मिश्रित टीम स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण पदक जीते हैं। भारत की ओर से ये पदक एलावेनिल वालारिवन, शांभवी क्षीरसागर और नारायण प्रणव ने जीते। इन्होंने सीनियर और जूनियर दोनों 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा में अपना दूसरा स्वर्ण पदक जीता। अब इससे चैंपियनशिप में भारत के कुल 22 स्वर्ण पदक हो गए हैं।

एलावेनिल ने 316.3 और अर्जुन ने 317.7 अंक हासिल कर क्वालीफिकेशन में कुल 634.0 अंक किये और ओलंपिक टीम स्पर्धा में 27 टीमों में नंबर एक स्थान हासिल किया। इनके अलावा भारत की ही मेहुली घोष ने 317.7 और रुद्राक्ष पाटिल ने 314.9 अंक हासिल कर करते हुए कुल 632.6 अंकों के साथ ही दूसरा स्थान हासिल किया।

टूर्नामेंट के नियमों के अनुसार मेहुली और रुद्रांक्ष को पदक का अवसर नहीं मिला, क्योंकि एलावेनिल और अर्जुन ने चीन के पेंग शिनलु और लू डिंग के 632.3 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहने के साथ ही ही स्वर्ण पदक पक्का कर लिया। भारतीय खिलाड़ियों ने 16 अंकों की दौड़ की शुरुआत काफी अच्छी की पर कुछ समय में ही चीनी खिलाड़ियों ने वापसी कर ली। शुरुआती सीरीज के बाद भारतीयों को दोबारा बढ़त 10वीं सीरीज में मिल पाई। उन्होंने 11वीं सीरीज जीतने के साथ ही 13-9 की बढ़त हासिल की। इसी चरण में चीनी टीम ने टाइम-आउट लिया और वापसी करते हुए दो शानदार शॉट लगाए, जिससे अंतर काम होककर 13-11 रह गया।

हालांकि, इसके बाद भारतीय जोड़ी ने अगले दो शॉट जीतकर स्वर्ण पदक हासिल कर लिया। एयर राइफल मिश्रित टीम जूनियर स्पर्धा में नारायण प्रणव और शंभवी क्षीरसागर ने क्वालिफिकेशन में 629.5 अंकों के साथ तीसरे स्थान पर रहने के साथ ही स्वर्ण पदक की दौड़ में जगह बनाई। वहीं ईशा तकसाले और हिमांशु 628.6 अंकों के साथ चौथे स्थान पर रहे और पदक हासिल नहीं कर पाये। फाइनल में भारतीय जोड़ी का सामना एक अन्य चीनी जोड़ी तांग हुइकी और हान यिनान से हुआ।

शुरुआती नौ सीरीज तक मुकाबला बराबरी पर रहा और स्कोर 9-9 से टाई था। इसके बाद भारतीय खिलाड़ियों ने लगातार हाई-10 स्कोर करते हुए छह अंकों की बढ़त हासिल की। अंत में 14वीं और अंतिम सीरीज टाई रही पर भारत ने लक्ष्य हासिल कर स्वर्ण पदक जीत लिया। भारत ने कुल 22 स्वर्ण, 8 रजत और 10 कांस्य पदकों के साथ किया और कुल 40 पदक के साथ ही तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया।

डब्ल्यूडब्ल्यूई हॉल ऑफ फेमर सनी

करियर की चमक और विवादों का लंबा सफर

नई दिल्ली। डब्ल्यूडब्ल्यूई हॉल ऑफ फेमर सनी, जिनका असली नाम टैमी लिन सिच है, महिला रेसलिंग की दुनिया में एक बड़ा नाम रही हैं। उन्हें डब्ल्यूडब्ल्यूई की पहली डीवा कहा जाता है क्योंकि 90 के दशक में उन्होंने न सिर्फ मैनेजर की भूमिका निभाई, बल्कि महिला पहलवानों के लिए एक नई पहचान भी बनाई। उनकी मौजूदगी से रेसलिंग में ग्लैमर और मनोरंजन का नया दौर शुरू हुआ। उस समय सनी डब्ल्यूडब्ल्यूएफ (अब डब्ल्यूडब्ल्यूई) की सबसे लोकप्रिय हस्तियों में शामिल थीं और इंटरनेट पर सबसे ज्यादा सर्च की जाने वाली स्टार भी बनीं। साल 2011 में उन्हें उनके योगदान के लिए डब्ल्यूडब्ल्यूई हॉल ऑफ फेम में शामिल किया गया।

हालांकि उनका करियर जितना सफल रहा, उनकी निजी जिंदगी उतनी ही विवादों में घिरी रही। कई मौकों पर उनके रिश्ते और व्यक्तिगत फैसले मीडिया की सुर्खियों में छाए रहे। सनी का नाम कई बार उनके बयानों और अफवाहों के कारण चर्चा में आया। फैंस उन्हें रिंग के अंदर जितना पसंद करते थे, रिंग के बाहर उनके जीवन को लेकर उतनी ही आलोचना भी होती रही। कई इंटरव्यूज़ में उन्होंने खुद निजी अनुभव साझा किए, तो कई बार उन्हें लेकर फैली खबरों को खारिज भी करना पड़ा। सनी की मुश्किलें सिर्फ अफवाहों तक ही सीमित नहीं रहीं। समय-समय पर उनका नाम कानूनी मामलों में भी सामने आया। यातायात नियम तोड़ने और अनुशासनहीनता से जुड़े मामलों के चलते उन्हें कई बार जेल की सजा भुगतनी पड़ी। इन घटनाओं ने उनके करियर और छवि दोनों को प्रभावित किया। एक दौर में वह डब्ल्यूडब्ल्यूई के लिए लोकप्रियता का पर्याय थीं, लेकिन विवादों और व्यक्तिगत गलतियों ने उनकी पहचान को धूमिल कर दिया।

इसके बावजूद सनी को महिला रेसलिंग के इतिहास से अलग नहीं किया जा सकता। उन्होंने साबित किया कि महिला कलाकार भी रेसलिंग बिजनेस में बड़ी भूमिका निभा सकती हैं। उन्होंने आगे आने वाली महिला रेसलर्स के लिए दरवाजे खोले और उनके लिए मंच तैयार किया। आज भी उन्हें इस बात का श्रेय दिया जाता है कि उन्होंने महिला रेसलिंग को दर्शकों के बीच लोकप्रिय बनाने में अहम योगदान दिया। सनी का सफर रेसलिंग इतिहास में एक ऐसा अध्याय है, जिसमें शोहरत और विवाद दोनों साथ-साथ चलते हैं। एक ओर वह महिला रेसलिंग की प्रेरणा मानी जाती हैं, तो दूसरी ओर उनकी गलतियों और विवादों ने उनकी छवि को धूमिल किया।

यूएस ओपन 2025 में खिताब बचाने को तैयार जानिक सिनर

नई दिल्ली। यूएस ओपन 2025 में एक बार फिर सबकी निगाहें इटली के टेनिस स्टार और मौजूदा चैंपियन जानिक सिनर पर टिकी हुई हैं। पिछले साल खिताब जीतने वाले सिनर इस बार लगातार दूसरी बार ट्रॉफी अपने नाम करने के इरादे से कोर्ट पर उतरेंगे। लगातार दो साल तक यूएस ओपन जीतना बेहद मुश्किल काम माना जाता है, लेकिन सिनर इसे हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। बीमारी के कारण सिनसिनाटी ओपन का फाइनल बीच में छोड़ने वाले सिनर अब पूरी तरह से तैयार नजर आ रहे हैं और टूर्नामेंट के लिए न्यूयॉर्क पहुंच चुके हैं। उन्होंने अपनी वापसी को लेकर खुशी जताते हुए कहा कि यह सीजन का आखिरी ग्रैंड स्लैम है और यहां खेलना हमेशा खास होता है। उन्होंने बताया कि शारीरिक रूप से अब वह अच्छा महसूस कर रहे हैं और लगभग पूरी तरह फिट हैं। उनका लक्ष्य टूर्नामेंट की शुरुआत से पहले अपनी फिटनेस को उच्च स्तर तक ले जाना है।

सिनर से जब पूछा गया कि आखिर यूएस ओपन में खिताब बचाना इतना मुश्किल क्यों है, तो उन्होंने कहा कि यहां दिन और रात के मैचों का बड़ा फर्क पड़ता है। छोटी-छोटी बातें भी खेल के नतीजे को बदल देती हैं और यही कारण है कि यह टूर्नामेंट बेहद कठिन माना जाता है। इतिहास गवाह है कि केवल स्विट्जरलैंड के महान खिलाड़ी रोजर फेडरर ही ऐसे रहे हैं जिन्होंने लगातार पांच बार यानी 2004 से 2008 तक यूएस ओपन का खिताब जीता। इस बार भी सभी की नजरें इस बात पर टिकी होंगी कि सिनर इस चुनौती को कैसे पार करते हैं।

मौजूदा दौर में टेनिस की सबसे बड़ी प्रतिद्वंद्विता जानिक सिनर और स्पेन के युवा स्टार कार्लोस अल्काराज के बीच देखने को मिल रही है। पिछले सात ग्रैंड स्लैम खिताब इन दोनों खिलाड़ियों ने आपस में बांटे हैं। ऐसे में इस साल भी यूएस ओपन का फाइनल इन्हीं दोनों के बीच होने की संभावना जताई जा रही है। सिनर ने अल्काराज के साथ अपनी प्रतिस्पर्धा पर कहा कि यह खेल और खिलाड़ियों दोनों के लिए अच्छी है। कभी-कभी अभ्यास के दौरान जब थकान महसूस होती है तो आप अपने प्रतिद्वंद्वी से प्रेरणा लेते हैं और यह चीज असली मैच में काम आती है। उन्होंने यह भी माना कि इस समय बड़ी ट्रॉफियां वही और कार्लोस साझा कर रहे हैं लेकिन भविष्य में हालात बदल सकते हैं क्योंकि टेनिस में कई शानदार खिलाड़ी मौजूद हैं।

सिनर का कहना है कि फाइनल तक पहुंचना हमेशा मुश्किल होता है और इसलिए खिलाड़ियों को लगातार सुधार करना पड़ता है। उनका मानना है कि अब बाकी खिलाड़ी उन्हें और अल्काराज को अच्छी तरह समझने लगे हैं और इसलिए चुनौती और बड़ी हो गई है। हालांकि सिनर आत्मविश्वास से भरे हैं और खिताब बचाने के लिए पूरी तरह तैयार दिख रहे हैं।

ब्रोंको टेस्ट से खिलाड़ियों के चोटिल होने का खतरा बढ़ा - अश्विन

चेन्नई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व स्पिनर आर अश्विन ने कहा है कि आजकल जिस प्रकार से फिटनेस के लिए ब्रोंको टेस्ट को अनिवार्य बनाने पर बात हो रही है। वह सही नहीं है। अश्विन के अनुसार जब भी ट्रेनर बदलते हैं तो खिलाड़ियों के लिए नया फिटसेस टेस्ट आ जाता है। उन्होंने टीम प्रबंधन को आगाह करते हुए कहा है कि ब्रोंको टेस्ट से खिलाड़ियों के चोटिल होने का खतरा काफी बढ़ने की आशंका है। ब्रोंको टेस्ट भारतीय टीम के नये ट्रेनर एड्रियन ले रॉक्स आये हैं। ब्रोंको टेस्ट एरोबिक सहनशक्ति और खिलाड़ी की कार्डियोवैस्कुलर क्षमता को चुनौती देने के लिए विकसित किया गया है।

रॉक्स टीम के स्ट्रेंथ और कंडीशनिंग कोच बने हैं और उन्होंने तेज गेंदबाजों से जिम-आधारित प्रशिक्षण पर निर्भर रहने की जगह पर अपने रनिंग वर्कलोड को बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करने को कहा है। इंग्लैंड सीरीज में जिस प्रकार मोहम्मद सिराज के अलावा अन्य तेज गेंदबाजों की फिटनेस पर सवाल उठे थे। उसे देखते हुए ये टेस्ट लाया गया है।

अश्विन ने कहा कि जब-जब ट्रेनर बदलते हैं तो नये तरीके आते हैं जिससे क्रिकेटरों को अतिरिक्त चुनौतियों का सामना करना पड़ता है। अश्विन ने कहा, 卐मैंने हमेशा ट्रेनरों से पूछा है। जब ट्रेनर बदलते हैं, तो टेस्टिंग का तरीका बदल जाता है। ट्रेनिंग की योजनाएं बदल जाती हैं। इससे खिलाड़ियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

अश्विन ने कहा, 卐एक खिलाड़ी के रूप में अगर आप ट्रेनिंग का तरीका बार-बार बदलते हैं तो यह खिलाड़ियों के लिए बहुत कठिन हो जाता है। कई मामलों में इससे चोटें भी लग सकती हैं। मैं इसे नकार नहीं रहा हूं, इससे चोटें लगी हैं। साल 2017 से 2019 तक मैं अपनी ट्रेनिंग योजना की खोज कर रहा था। मैंने इसके परिणाम देखे हैं।

वहीं जिस ब्रोंको टेस्ट को लेकर सारा बवाल हुआ है। वह रग्बी और फुटबॉल में इस्तेमाल होता है। ये टेस्ट एक खिलाड़ी की एरोबिक सहनशक्ति और रिकवरी क्षमता का आंकलन करता है। इस टेस्ट को बिना ब्रेक के 20 मीटर, 40 मीटर और 60 मीटर की पांच शटल रन के साथ पूरा करना होता है। सभी पांच सेटों को पूरा करने से कुल 1,200 मीटर की दूरी तय होती है, और समय रिकॉर्ड किया जाता है। तेज समय उच्च फिटनेस स्तर को दिखाता है।

टीम चयन में मेरी भूमिका नहीं रही - पीसीब अध्यक्ष

लाहौर। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) अध्यक्ष मोहसिन नकवी ने कहा है कि अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम और विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान को एशिया कप के लिए टीम में शामिल नहीं किये जाने का फैसला चयनसमिति का था और इसमें उनकी कोई भूमिका नहीं रही है। नकवी ने ये बात टीम चयन को लेकर उठे विवाद को लेकर कही है। कई लोगों ने अनुभवी बल्लेबाज बाबर आजम और मोहम्मद रिजवान को टीम से बाहर रखे जाने पर सवाल उठाये थे। इसल को लेकर पीबीबी प्रमुख का बयान आया है। नकवी ने इस मामले की जिम्मेदारी चयनसमिति पर डाल दी है।

नकवी ने कहा, सबसे पहले मेरी खिलाड़ियों को टीम में शामिल करने या बाहर करने में मेरी एक फीसदी भूमिका नहीं है। हमारे पास एक चयन समिति और फिर एक सलाहकार इकाई है। वे सभी मिलकर टीम तय करते हैं। चयन की यह प्रक्रिया काफी चीजों से होकर गुजरती है। किसी भी बड़े टूर्नामेंट के लिए टीम चुने जाने से पहले 8 से 10 घंटे की चर्चा होती है. कभी-कभी तो 2-3 दिनों तक भी ये चलता है। निश्चित रूप से अगर एक टीम का चयन हो रहा है तो इसमें सवाल नहीं उठाने चाहिये क्योंकि हमारे यहां सभी काफी पेशेवर हैं। मैंने उन्हें केवल एक बात कही है। जो भी फैसला वे लें, वह योग्यता पर आधारित होना चाहिए, और मैं उसका समर्थन करूंगा।

एशिया कप टीम में पावर-हिटर्स पर अधिक जोर दिया गया है, इसी कारण साइम अयूब, साहिबजादा फरहान और फखर जमान को शीर्ष क्रम की जिम्मेदारी संभालने रखा गया है। वहीं बाबर और रिजवान ने दिसंबर 2024 से किसी भी टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में हिस्सा नहीं लिया है। इसलिए उन्हें जगह नहीं मिली है।

श्रेयस अय्यर को टीम से बाहर देख रॉस टेलर ने जताई हैरानी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेटर श्रेयस अय्यर को लंबे समय से टैलेंटेड खिलाड़ियों की फेहरिस्त में गिना जाता है। उन्होंने घरेलू क्रिकेट में लगातार रन बनाए हैं और आईपीएल में भी अपनी कप्तानी और बल्लेबाजी से छाप छोड़ी है। इसके बावजूद उन्हें टीम इंडिया में जगह नहीं मिल पा रही है। आगामी एशिया कप 2025 के लिए चुनी गई 15 सदस्यीय टीम में ही नहीं, बल्कि पांच स्टैंडबाय खिलाड़ियों की सूची में भी अय्यर का नाम शामिल नहीं किया गया।

न्यूजीलैंड के पूर्व स्टार बल्लेबाज रॉस टेलर ने इस फैसले पर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि अय्यर जैसे बेहतरीन खिलाड़ी का बाहर होना यह दर्शाता है कि भारतीय क्रिकेट में विकल्पों की कमी नहीं है। टेलर ने कहा, 卐मैंने अभी तक पूरी टीम सूची नहीं देखी, लेकिन जब आप किसी ऐसे खिलाड़ी को बाहर कर सकते हैं जिसने घरेलू स्तर पर और आईपीएल में शानदार प्रदर्शन किया हो, तो इसका मतलब है कि आपकी टीम विकल्पों को लेकर बहुत मजबूत स्थिति में है।卐

श्रेयस अय्यर ने हाल के वर्षों में शानदार नेतृत्व क्षमता भी दिखाई है। 2024 में उनकी कप्तानी में कोलकाता नाइट राइडर्स ने आईपीएल खिताब जीता था। इसके बाद 2025 में उन्होंने पंजाब किंग्स को फाइनल तक पहुंचाया। उनकी यह सफलता बताती है कि वह केवल बल्लेबाज ही नहीं, बल्कि एक सक्षम कप्तान भी हैं। इसके बावजूद राष्ट्रीय टीम में उनके लिए जगह नहीं बन पाना उनके प्रशंसकों और क्रिकेट विशेषज्ञों के लिए चौंकाने वाला है।

एसए20 नीलामी में शामिल होंगे 13 भारतीय खिलाड़ी, पीयूष चावला का सबसे ऊंचा आधार मूल्य

नई दिल्ली। दक्षिण अफ्रीका की लोकप्रिय टी20 लीग एसए20 के चौथे सीजन की नीलामी में भारत के 13 खिलाड़ियों ने हिस्सा लेने के लिए पंजीकरण कराया है। इनमें अनुभवी लेग स्पिनर पीयूष चावला, तेज गेंदबाज सिद्धार्थ कौल और अंकित राजपूत जैसे बड़े नाम शामिल हैं। कुल 784 खिलाड़ियों ने 9 सितंबर को होने वाली नीलामी के लिए पंजीकरण कराया है। बीसीसीआई के नियमों के अनुसार, केवल वही भारतीय क्रिकेटर विदेशी लीग्स में खेल सकते हैं जिन्होंने संन्यास ले लिया हो या भारत और आईपीएल में खेलने का दावा छोड़ दिया हो।

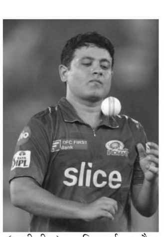

भारतीय खिलाड़ियों की सूची में पीयूष चावला (यूपीसीए), सिद्धार्थ कौल (पंजाब), अंकित राजपूत (यूपीसीए), महेश अहीर (गुजरात), सरुल कंवर (पंजाब), अनुरीत सिंह कथूरिया (दिल्ली), निखिल जगा (राजस्थान), मोहम्मद फैद, केएस नवीन (तमिलनाडु), अंसारी मारूफ, इमरान खान (यूपीसीए), वेंकटेश गलीपेल्ली और अतुल यादव (यूपीसीए) शामिल हैं। इनमें से पीयूष चावला का आधार मूल्य सबसे अधिक 10 लाख रैंड रखा गया है, जबकि इमरान खान का आधार मूल्य पांच लाख रैंड है। बाकी सभी खिलाड़ियों का रिजर्व प्राइस दो लाख रैंड तय किया गया है।

इस बार नीलामी में छह फ्रेंचाइजियों के पास कुल 7.4 मिलियन अमेरिकी डॉलर का पर्स उपलब्ध होगा, जिसे वे 84 स्लॉट भरने में इस्तेमाल करेंगी। लीग ने टीमों को एक वाइल्डकार्ड खिलाड़ी चुनने की अनुमति भी दी है, जिसका वेतन निर्धारित सीमा से बाहर होगा।

एसए20 का चौथा सत्र 26 दिसंबर से शुरू होगा और इसका फाइनल 2 फरवरी को केपटाउन के प्रतिष्ठित न्यूलैंड्स स्टेडियम में खेला जाएगा। आयोजकों ने बताया कि इस बार डरबन पहली बार किसी प्लेऑफ मैच की मेजबानी करेगा। यहां 21 जनवरी को क्वालीफायर-1 खेला जाएगा। इसके बाद 22 जनवरी को सेंचुरियन में एलिमिनेटर और 23 जनवरी को जोहानिसबर्ग के वांडरर्स स्टेडियम में क्वालीफायर-2 आयोजित होगा।

एसए20 के पिछले सभी फाइनल खचाखच भरे स्टेडियम में खेले गए हैं और इस बार भी आयोजकों को दर्शकों से इसी तरह के समर्थन की उम्मीद है। भारतीय खिलाड़ियों की मौजूदगी से टूर्नामेंट को भारतीय दर्शकों में भी खासा आकर्षण मिलने की संभावना है।

एसए20 लीग का फाइनल न्यूलैंड्स में, 26 दिसंबर से शुरू होगा चौथा सत्र

डरबन। दक्षिण अफ्रीका की लोकप्रिय घरेलू टी20 लीग एसए20 का चौथा सत्र इस बार और भी रोमांचक होने वाला है। आयोजकों ने घोषणा की कि आगामी सत्र का फाइनल मुकाबला केपटाउन के न्यूलैंड्स स्टेडियम में खेला जाएगा। वहीं, डरबन, सेंचुरियन और जोहानिसबर्ग जैसे शहरों में प्लेऑफ के अहम मुकाबले होंगे। टूर्नामेंट का आगाज़ 26 दिसंबर से होगा। इस बार खास बात यह है कि डरबन पहली बार किसी प्लेऑफ मैच की मेजबानी करेगा, जहां 21 जनवरी को क्वालीफायर-1 खेला जाएगा। इसमें लीग की शीर्ष दो टीमें आमने-सामने होंगी। इसके बाद 22 जनवरी को सेंचुरियन में एलिमिनेटर, जबकि 23 जनवरी को जोहानिसबर्ग के वांडरर्स स्टेडियम में क्वालीफायर-2 खेला जाएगा। अब तक एसए20 के सभी फाइनल दर्शकों से खचाखच भरे स्टेडियम में खेले गए हैं। ऐसे में इस बार भी आयोजन समिति को भारी भीड़ की उम्मीद है। लीग आयुक्त और दक्षिण अफ्रीका के पूर्व कप्तान ग्रीम स्मिथ ने कहा, 卐एसए20 का चौथा सत्र क्रिकेट का बेहद रोमांचक समय बनने जा रहा है। यह बॉक्सिंग डे से शुरू होकर छुट्टियों तक चलेगा। पिछले साल न्यूलैंड्स में पांच मैचों के सभी टिकट बिक गए थे। इस बार का फाइनल रविवार को है, जिससे यह और भी खास और मनोरंजक होगा। दर्शकों को जीवंत माहौल में नए चैंपियन को देखने का मौका मिलेगा। टूर्नामेंट के इस सीजन में खिलाड़ियों की नीलामी 9 सितंबर को आयोजित की जाएगी। इस नीलामी में छह फ्रेंचाइजी टीमों को अपने-अपने स्क्वॉड में 19 खिलाड़ियों को शामिल करने का अवसर मिलेगा। कुल मिलाकर, क्रिकेट प्रशंसकों को इस साल के अंत में एसए20 का शानदार और हाई-वोल्टेज सीजन देखने को मिलेगा, जिसमें दर्शकों को दमदार मुकाबलों के साथ-साथ दक्षिण अफ्रीका के विभिन्न प्रतिष्ठित स्टेडियमों का माहौल भी रोमांचित करेगा।

श्रेयस को एशिया कप के लिए भारतीय टीम में शामिल नहीं किये जाने से हैरान हैं डिविलियर्स

जोहांसबर्ग । दक्षिण अफ्रीका के पूर्व क्रिकेटर एबी डिविलियर्स इस बार से हैरान हैं कि एशिया कप के लिए भारतीय टीम में बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को जगह नहीं मिल पायी। डिविलियर्स के अनुसार अय्यर जैसे बल्लेबाज को टीम में किस लिए शामिल नहीं किया ये समझ से परे है। अय्यर ने घरेलू सीजन में शानदार प्रदर्शन किया और अपनी आईपीएल फ्रेंचाइजी पंजाब किंग्स के लिए 170 से अधिक की स्ट्राइक रेट से 600 से अधिक रन बनाकर फाइनल में पहुंचाया था। चैम्पियंस ट्रॉफी में भी उसने भारतीय टीम की ओर से सबसे अधिक रन बनाये थे।

इसी को देखते हुए पूर्व दक्षिण अफ्रीकी स्टार बल्लेबाज ने कहा, " यह समझना कठिन है। मैं अभी टीम की समीक्षा कर रहा था। मैं सोच रहा था कि श्रेयस को कहां जगह दी जाए, क्योंकि मुझ पता चला है कि कई दिग्गज क्रिकेटर और प्रशंसका भी इससे नाराज हुए हैं। मुझे लगता है कि श्रेयस सबसे ज्यादा निराश होंगे क्योंकि उन्होंने पिछले कुछ सालों में काफी अच्छा प्रदर्शन किया है।"

उन्होंने कहा, " वह काफी परिपक्क हो गया है। उसमें नेतृत्व कौशल भी है पर समय नहीं आता कि चयन समिति क्या सोचती है। अंदर ही अंदर क्या चल रहा है, इस बार में कौन जान सकता है। इस क्रिकेटर ने कहा, "शायद श्रेयस को भी नहीं पता पर हो सकता है कि पिछले कुछ सालों में कुछ ऐसी बातें हुई हो जिसने यह तय किया हो कि वह किसी खास टूर्नामेंट के लिए ज्यादा पसंद नहीं किये जा रहे हैं। वह एक बेहतरीन खिलाड़ी है। उसे मेरी टीम में जगह मिलेगी।"

श्रेया ने भारतीय टीम की ओर से 51 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 30.66 की औसत और 136.12 के स्ट्राइक रेट से 1104 रन बनाए हैं। इस प्रारुप में वह पिछले दो साल से टीम से बाहर हैं। उन्होंने भारतीय टीम की ओर से अपना पिछला मैच दिसंबर 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था। इस बल्लेबाज ने आईपीएल में केकेआर को खिताब जिताकर अपनी नेतृत्व क्षमता भी साबित की है।

ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका तीसरे एकदिवसीय में जीत के इरादे से उतरेंगे

ग्रेट बैरियर रीफ एरिना। यहां मेजबान ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका की क्रिकेट टीमें आज यहां होने वाले तीसरे और अंतिम एकदिवसीय क्रिकेट मुकाबले में जीत के इरादे से उतरेंगी। दक्षिण अफ्रीका टीम सीरीज में 2-0 से आगे होने के कारण इस मैच को जीतकर सीरीज में 3-0 की जीत हासिल करना चाहेगी। वहीं कंगारुओं का लक्ष्य इस मैच को जीतकर किसी प्रकार से जीत के साथ समापन करना होगा।

मेजबान टीम के लिए अभी तक के दोनो ही मुकाबले अच्छे नहीं रहे हैं। उसे शुरुआती दोनों एकदिवसीय मैच में बल्ले और गेंद दोनों से संघर्ष करना पड़ा है। पहले और दूसरे दोनो ही मैच में ऑस्ट्रेलियाई टीम कम रन बना पायी। सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड की तेज शुरुआत का लाभ भी टीम नहीं उठा पायी। मार्नस लाबुशेन ने अच्छा संघर्ष किया पर उन्हें किसी का साथ नहीं मिला। इससे भी ऑस्ट्रेलियाई टीम को नुकसान हुआ। वहीं दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीकी टीम ने हर क्षेत्र में बेहतर प्रदर्शन किया। दक्षिण अफ्रीका की ओर से एडेन मार्कराम, मैथ्यू ब्रीट्ज़के और क्विंटन डी कॉक ने अच्छी बल्लेबाजी की। केशव महाराज सहित उसके गेंदबाजों ने ऑस्ट्रेलियाई पारी को समेट दिया।

दोनो ही टीमों की संभावित अंतिम ग्यारह

ऑस्ट्रेलिया - ट्रेविस हेड, मिचेल मार्श (कप्तान), मार्नस लाबुशेन, कैमरन ग्रीन, जोश इंग्लिस (विकेटकीपर), एलेक्स केरी, आरोन हार्डी, बेन द्वार्शुइस, नाथन एलिस, एडम ज़म्पा, जोश हेजलवुड।

दक्षिण अफ्रीका - एडेन मार्कराम, रयान रिकेल्टन (विकेटकीपर), टेम्बा बावुमा (कप्तान), मैथ्यू ब्रीट्ज़के, ट्रिस्टन स्टब्स, डेवॉल्ड ब्रेविस, वियान मुल्डर, केशव महाराज, प्रेनेलन सुब्रायन, नांद्रे बर्गर, लुंगी एनगिडी।

मप्र और हरियाणा के जिला कांग्रेस समितियों के जिलाध्यक्षों की बैठक में मल्लिकार्जुन खडगे़ ने किया दावा...

वोट चोरी के बाद सत्ता चोरी में जुटी भाजपा

विपक्षी सरकारों को गिराने और लोकतंत्र को अस्थिर करने के लिए विधेयक ला रही भाजपा सरकार

नई दिल्ली। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे़ ने रविवार को पीएम, सीएम और मंत्रियों को हटाने वाले विधेयक को लेकर केंद्र सरकार पर हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि वोट चोरी के बाद भाजपा अब सत्ता चोरी में लगी हुई है। भाजपा 30 दिनों के भीतर विपक्षी सरकारों को गिराने और गिरफ्तारी को हथियार के रूप में इस्तेमाल कर लोकतंत्र को अस्थिर करने के लिए विधेयक ला रही है।

इंदिरा भवन में हरियाणा और मध्य प्रदेश के जिला कांग्रेस समितियों के जिलाध्यक्षों की बैठक में खडगे़ ने दावा किया कि ये विधेयक नागरिकों से उनकी चुनी हुई सरकार बनाने या हटाने का अधिकार छीन लेते हैं और यह शक्ति ईडी-सीबीआई जैसी संस्थाओं को दे देते हैं। यह लोकतंत्र पर बुलडोजर चलाने जैसा है।

समितियों के गठन में सावधानी बरतें जिलाध्यक्ष

खडगे़ ने जिला कांग्रेस प्रमुखों को बूथ और मंडल समितियों के गठन में विशेष सावधानी बरतने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि इन समितियों के लोग पार्टी के प्रति वफादार हों और कांग्रेस की विचारधारा से विचलित न हों। जिला अध्यक्ष अपने अधीन ब्लॉक समिति बनाता है। वह मंडल और बूथ समितियां बनाता है। जब आप ये समितियां बनाते हैं, तो इस बात का विशेष ध्यान रखें कि ये सभी लोग पार्टी के प्रति वफादार और मेहनती हों। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि वे कांग्रेस की विचारधारा से विमुख न हों। उन्होंने कहा कि हमें ऐसे लोगों की जरूरत है कि अगर कोई उन्हें प्रलोभन भी दे तो भी उनकी निष्ठा कांग्रेस के प्रति बनी रहनी चाहिए। कांग्रेस ने अपने मजबूत संगठन के कारण लंबे समय तक देश पर शासन किया और मंत्रियों के लिए यह जरूरी है कि वे जब भी किसी जिले में जाएं तो सबसे पहले जिला अध्यक्ष से संपर्क करें।

कांग्रेस की सबसे मजबूत कड़ी हैं जिला प्रमुख

उन्होंने हरियाणा और मध्य प्रदेश के जिलाध्यक्षों से कहा कि वे कांग्रेस संगठन की सबसे मजबूत कड़ी हैं। अगर राज्य में सरकार बनानी है तो विधानसभा में उम्मीदवार को जिताने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका होती है। अगर देश में सरकार बनानी है तो लोकसभा जीतने के लिए आपके समर्थन की जरूरत है। बीच में इस परंपरा में थोड़ा बदलाव आया। मंत्री अपने पसंदीदा लोगों को जिला

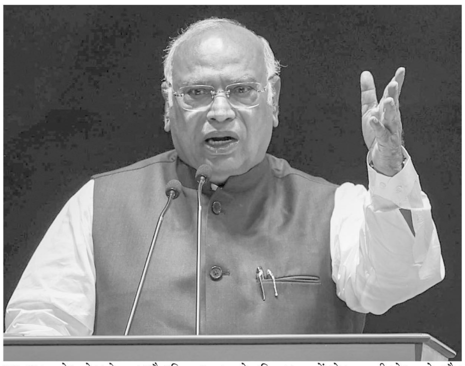

अध्यक्ष बनाने लगे। योग्यता और विचारधारा को नजरअंदाज किया जाने लगा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी और मुझे यह अहसास हुआ कि संगठन को मजबूत किए बिना, जिला अध्यक्षों को महत्व दिए बिना हम मजबूती से सत्ता में वापसी नहीं कर सकते। कांग्रेस प्रमुख ने जिला प्रमुखों से गुटबाजी से बचने और संगठन को मजबूत करने के लिए एकजुट होकर काम करने का भी आग्रह किया। आपको सभी को एकजुट रखना होगा। गुटबाजी को पनपने न दें। जब कांग्रेस एकजुट रहेगी, तभी हम चुनाव जीतेंगे।

मतदाता सूची का निरीक्षण करते रहें

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि हाल ही में राहुल गांधी ने एक विस्तृत प्रस्तुति दी थी कि किस तरह कर्नाटक की महादेवपुरा सीट पर एक साजिश के तहत रणनीतिक तरीके से वोट चुराए गए। हमें यह सब छह महीने के शोध के बाद पता चला। चुनाव आयोग ने पहले तो कोई जवाब नहीं दिया। अब पूरा देश इसे समझ रहा है। बिहार में एसआईआर पर भाजपा सरकार और चुनाव आयोग के बयान को सुप्रीम कोर्ट से झटका लगा है। मानसून सत्र को लेकर मल्लिकार्जुन खडगे़ ने कहा कि विपक्ष चाहता था कि संसद चले और जनता के महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हो, लेकिन भाजपा सरकार नहीं चाहती थी कि एसआईआर (मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण) और वोट चोरी जैसे महत्वपूर्ण मामलों पर चर्चा हो। भाजपा एसआईआर जैसी योजनाओं से हमारे लोगों के वोट काटती रहेगी। जिला अध्यक्ष की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है कि हमें पूरे पांच साल सावधान रहना है। हमें अपनी मतदाता सूची की गहन जांच करते रहना होगा ताकि अगर भाजपा के लोग या बीएलओ हमारे लोगों के नाम काटते हैं, तो हम उन्हें तुरंत पकड़ सकें। उन्होंने कांग्रेस नेताओं से कहा कि कि वे लोगों को बताएं कि इस देश में सभी को वोट देने का अधिकार कांग्रेस की देन है। राजीव गांधी ने ही मतदान की आयु 21 वर्ष से घटाकर 18 वर्ष कर दी ताकि लोकतंत्र में युवाओं की भागीदारी बढ़ाई जा सके। राहुल गांधी की बिहार में मतदाता अधिकार यात्रा में लाखों लोग शामिल हो रहे हैं।

केवल दो नेताओं के खिलाफ ही हुए दोष सिद्ध

हमने देखा है कि विपक्षी नेताओं के खिलाफ 193 मामलों में से ईडी की कार्रवाई से केवल दो मामलों में ही दोषसिद्धि हुई है। कई मुख्यमंत्रियों और मंत्रियों को गिरफ्तार किया गया और महीनों तक जेल में रखा गया। लेकिन अब सीबीआई कह रही है कि उनके पास कोई सबूत नहीं है। पीएम मोदी भ्रष्टाचार के बारे में बड़ी-बड़ी बातें कर रहे हैं। लेकिन उन्होंने उन सभी लोगों को पार्टी में शामिल कर लिया है, जिन्हें वे भ्रष्ट कहते थे और यहां तक कि उन्हें मंत्री भी बना दिया है।

राहुल बोले- वोट चोरी के लिए चुनाव आयोग और भाजपा के बीच पार्टनरशिप

अररिया। लोकसभा में नेता विपक्ष राहुल गांधी ने एसआईआर को संस्थागत वोट चोरी बताते हुए कहा कि इसके जरिए बिहार में 65 लाख लोगों के नाम काटे गए, लेकिन भाजपा ने इस संबंध में कोई शिकायत नहीं की। इसका कारण है कि चुनाव चोरी करने के लिए चुनाव आयोग और भाजपा के बीच पार्टनरशिप है। वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी रविवार को बिहार में वोटर अधिकार यात्रा के आठवें दिन अररिया में पत्रकार वार्ता को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उनके साथ राजद नेता तेजस्वी यादव, सीपीआई (एमएल) महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य, वीआईपी संस्थापक मुकेश सहनी, कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश राम, कांग्रेस विधायक दल के नेता शकील अहमद, कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, कांग्रेस नेता पवन खेड़ा, प्रदेश कांग्रेस प्रभारी कृष्णा अल्लावरु, अखिलेश प्रसाद सिंह, पप्पू यादव, समेत इंडिया गठबंधन के कई नेता मौजूद थे।

राहुल गांधी ने कहा कि वोटर अधिकार यात्रा को पूरे बिहार में जबरदस्त जनसमर्थन मिल रहा है और लोग स्वेच्छा से इसमें शामिल हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि बिहार के करोड़ों लोग चुनावी गड़बड़ी और वोट चोरी के मुद्दे के खिलाफ एकजुट हैं। गांधी ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग की प्राथमिक जिम्मेदारी सही मतदाता सूची तैयार करना है, लेकिन उसने महाराष्ट्र, हरियाणा और कर्नाटक में भी यह जिम्मेदारी नहीं निभाई। उन्होंने कहा कि इंडिया गठबंधन चुनाव आयोग पर पूरा दबाव बनाएगा और बिहार में वोट चोरी नहीं करने दी जाएगी।

राहुल गांधी ने चुनाव आयोग के इस दावे को सिरे से खारिज कर दिया कि एसआईआर (विशेष गहन पुनरीक्षण) के जरिए वोटर लिस्ट से सिर्फ उन लोगों के नाम काटे गए हैं जो या तो पलायन कर गए हैं या मृत हो चुके हैं। उन्होंने कहा कि यात्रा के दौरान उन्हें बिहार में ऐसे लोग रोज मिल रहे हैं जो जिंदा हैं, लेकिन उनके वोट मृत बताकर काट दिए गए हैं। उन्हें ऐसे लोग भी मिल रहे हैं जिन्होंने पिछले पांच-छह चुनावों में वोट डाला है, लेकिन अब उनका नाम मतदाता सूची से काट दिया गया है।

वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने कहा कि वोट चोरी के मुद्दे को खूब जनसमर्थन मिल रहा है और यह बिहार के लोगों के बीच गहराई से बैठ चुका है। वोटर अधिकार यात्रा में छोटे-छोटे बच्चे भी उनके पास आकर कान में वोट चोर, गद्दी छोड़ का नारा बोल रहे हैं, जो यह दर्शाता है कि वोट चोरी के मुद्दे पर बच्चा-बच्चा जागरूक हो गया है।

एक सवाल के जवाब में राहुल गांधी ने कहा कि उन्होंने कर्नाटक के महादेवपुरा विधानसभा क्षेत्र में एक लाख फर्जी वोटरों का डेटा सामने रखा था, लेकिन आज तक इस पर चुनाव आयोग का जवाब नहीं आया। उन्होंने कहा कि एक तरफ चुनाव आयोग उनसे पत्रकार वार्ता के बीच में ही हलफनामा मांगता है, वहीं दूसरी तरफ जब भाजपा नेता अनुराग ठाकुर अपनी पत्रकार वार्ता में फर्जी वोटरों की वही बात दोहराते हैं तो उनसे कोई हलफनामा नहीं मांगा जाता। उन्होंने कहा कि यदि चुनाव आयोग निष्पक्ष होता तो वह अनुराग ठाकुर से भी हलफनामा मांगता।

पत्रकारों के सवालों के जवाब में उन्होंने इंडिया गठबंधन की सरकार बनने पर बिहार के किसानों के हितों में कार्य करने की प्रतिबद्धता भी दोहराई। उन्होंने यह भी कहा कि इंडिया गठबंधन में मजबूत तालमेल है, जिसका शानदार नतीजा मिलेगा।

अखिलेश यादव का भाजपा पर हमला, बोले

पूजा पाल को मोहरा बनाकर सपा के खिलाफ दुष्प्रचार करवा रही यूपी सरकार

लखनऊ। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने विधायक पूजा पाल के बयान पर पलटवार करते हुए कहा कि भाजपा पूजा पाल को मोहरा बनाकर सपा के खिलाफ दुष्प्रचार करवा रही है। पूजा पाल को बताना चाहिए कि उन्हें किससे जान का खतरा है? अभी उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की थी। अखिलेश यादव उन आरोपों पर बयान दे रहे थे जिसमें विधायक पूजा पाल ने कहा था कि उन्हें जान का खतरा है और अगर उन्हें कुछ हो गया तो इसके जिम्मेदार सपा और इसके राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव होंगे। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव रविवार को लखनऊ में सपा

कार्यालय में मीडिया को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि भाजपा के लोग फ्रस्टेट हो गए हैं इसीलिए अमर्यादित हरकतें कर रहे हैं। अभी बलिया में बिजली विभाग के कार्यालय में घुसकर एक दलित समाज से आने वाले इंजीनियर को जूतों से पीटा। उन्हें 2027 के विधानसभा चुनाव में अपनी हार स्पष्ट दिखाई दे रहे हैं। कुछ समय बाद इनके नेताओं के हाथों में जूता ही नजर आएगा।

वोटर अधिकार यात्रा में जाएंगे

सवाल पूछे जाने पर कि क्या वो बिहार में हो रही वोटर अधिकार यात्रा में जाएंगे? इस पर अखिलेश यादव ने कहा कि ये यात्रा इंडिया गठबंधन की है। हम इसमें जरूर जाएंगे। जल्द ही कार्यक्रम जारी हो जाएगा।

सपा प्रदेश अध्यक्ष ने गृहमंत्री को लिखा पत्र

सपा के प्रदेश अध्यक्ष ने विधायक पूजा पाल के जान का खतरा होने के आरोप पर गृहमंत्री अमित शाह को पत्र लिखा है कि मामले की पूरी जांच करवाई जाए। उन्होंने कहा कि सपा ने पूजा पाल का मुश्किल समय में साथ दिया था। ऐसे में उन्हें किससे जान का खतरा है इसकी जांच करवाई जाए।

गगनयान मिशन की तैयारी तेज

बंगलूरू। इसरो ने गगनयान मिशन की तैयारी तेज कर दी है। इसरो ने रविवार को पैराशूट आधारित डीसेलेरेशन सिस्टम का प्रदर्शन किया। इसके तहत एयर ड्रॉप सिस्टम का सफल परीक्षण किया गया। इसमें सशस्त्र बलों ने भी भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान (इसरो) की मदद की। इसरो ने एक्स पर लिखा कि गगनयान मिशन के लिए पैराशूट आधारित डीसेलेशन सिस्टम के संपूर्ण प्रदर्शन के लिए पहला एकीकृत एयर ड्रॉप टेस्ट सफलतापूर्वक पूरा किया। यह परीक्षण इसरो, भारतीय वायु सेना, डीआरडीओ, भारतीय नौसेना और भारतीय तटरक्षक बल का संयुक्त प्रयास से संपन्न हुआ।

चिराग पासवान विशेष व्यक्ति के हनुमान हैं और हम जनता के हनुमान

अररिया। बिहार में विधानसभा चुनाव से पहले सियासी तेज हो गई है। कांग्रेस समेत महागठबंधन में शामिल कई दल और उनके नेता राज्य में वोटर अधिकार यात्रा निकाल रहे हैं। वोटर अधिकार यात्रा के तहत राहुल गांधी, तेजस्वी यादव, दीपांकर भट्टाचार्य और मुकेश सहनी समेत महागठबंधन के कई दिग्गज नेता रविवार को अररिया पहुंचे। यहां संवाददाता सम्मेलन में इन नेताओं ने चुनाव आयोग को घेरा।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक तेजस्वी यादव ने पत्रकारों के सवाल के जवाब में एलजेपी (आर) के मुखिया चिराग पासवान को शादी करने की सलाह दी। एक पत्रकार ने राहुल गांधी और तेजस्वी यादव से पूछा कि चिराग पासवान बोल रहे हैं कि तेजस्वी अब कांग्रेस के पिछलग्गू बनकर घूम रहे हैं? इसपर राहुल गांधी ने माइक तेजस्वी को थमाया दिया। तेजस्वी ने माइक पकड़ने के बाद कहा कि भाई वो तो किनके हनुमान हैं आपको पता ही है, उसपर हम ज्यादा नहीं बोलेंगे। हमलोग तो जनता के हनुमान हैं। वह व्यक्ति विशेष के हनुमान हो सकते हैं। तेजस्वी ने आगे कहा कि हम चाहेंगे कि मुद्दे पर बात हो। चिराग पासवान आज का मुद्दा नहीं है और ना ही जनता उनको पूछती है। आज लोकतंत्र की हत्या की जा रही है। संविधान को मिटाया जा रहा है। इसके बाद तेजस्वी ने मुस्कुराते हुए कहा कि तो अगर आप चिराग पासवान पर सवाल पूछ रहे हैं तो हम उसपर कोई टिप्पणी नहीं करेंगे लेकिन उनको सलाह जरूर देंगे कि हमारे बड़े भाई हैं जल्द से जल्द शादी कर लें। इसके बाद राहुल गांधी को जैसे ही तेजस्वी ने माइक थमाया तो राहुल गांधी ने खिलखिलाते हुए कहा कि मेरे लिए भी एप्लिकेबल है। इसके बाद वहां मौजूद नेता भी हंसने लगे।

जर्मनी से 70 हजार करोड़ में 6 पनडुब्बियां खरीदेगा भारत

नई दिल्ली। भारत सरकार वायुसेना और नौसेना की ताकत बढ़ाने के लिए दो बड़ी डील करने के लिए तैयार हो गई है। पहली डील रक्षा मंत्रालय और मझगांव डॉकयार्ड्स लिमिटेड (रूष्ठरु) जर्मनी से 6 सबमरीन खरीदने वाली है। सरकार ने प्रोजेक्ट 75 इंडिया के तहत भारत में बनने वाली इन पनडुब्बियों की खरीद को लेकर बातचीत शुरू करने की मंजूरी दे दी है। यह डील 70 हजार करोड़ में हो सकती है।

वहीं, भारत सरकार इजराइली रैम्पेज एयर-टू-ग्राउंड मिसाइलों की बड़ी खेप खरीदने वाली है। सूत्रों के अनुसार, यह ऑर्डर जल्द ही फास्ट-ट्रैक प्रक्रिया के तहत दिया जाएगा। रैम्पेज मिसाइलों का इस्तेमाल पाकिस्तान के मुरीदके और बहावलपुर स्थित आतंकवादियों मुख्यालयों पर सटीक हमलों में किया था।

मझगांव डॉकयार्ड में बनेंगी सबमरीन

रक्षा मंत्रालय ने जनवरी में जर्मन कंपनी थिसेनक्रुप मरीन सिस्टम्स के साथ एयर इंडिपेंडेंट प्रोपल्शन सिस्टम वाली छह पनडुब्बियां बनाने के लिए मझगांव डॉकयार्ड को अपना साझेदार चुना था। रक्षा अधिकारियों ने कहा कि रक्षा मंत्रालय और एमडीएल के बीच इस महीने के आखिर तक यह प्रक्रिया शुरू होने की उम्मीद है। रक्षा मंत्रालय और भारतीय नौसेना अगले 6 महीने में कॉन्ट्रैक्ट पर चर्चा पूरी होने और फाइनल मंजूरी मिलने की उम्मीद कर रहे हैं। रक्षा मंत्रालय का मकसद देश में पारंपरिक पनडुब्बियों के डिजाइन और मैनुफैक्करिंग की स्वदेशी क्षमता विकसित करना है।

तीन हफ्ते तक पानी के भीतर रह सकेंगी एडवांस्ड सबमरीन

ट्रेडीशनल डीजल-इलेक्ट्रिक पनडुब्बियां पानी के नीचे ज्यादा देर तक नहीं रह सकतीं। उन्हें कुछ दिनों में सतह पर आकर बैटरी चार्ज करनी पड़ती है, क्योंकि बैटरी केवल लिमिटेड टाइम तक ही चलती है। सतह पर आने वे दुश्मन के रडार और सैटेलाइट की पकड़ में आसानी से आ सकती हैं। इसी समस्या को दूर करने के लिए एयर इंडिपेंडेंट प्रोपल्शन (एआईपी) सिस्टम डेवलप किया गया। एआईपी सिस्टम वाली सबमरीन 3 हफ्ते तक पानी के अंदर रह सकती हैं। भारत की स्कॉर्पीन क्लास की पनडुब्बी (कलवरी क्लास) अभी डीजल-इलेक्ट्रिक हैं, लेकिन इन्हें डीआरडीओ के फ्यूल सेल बेस्ड एआईपी से लैस किया जाएगा।

आरजी कर रेप-मर्डर मामले की जांच अब टीएमसी विधायक तक पहुंची

सीबीआई-ईडी पता लगा रही रॉय-घोष के बीच बातचीत संयोग थी या साजिश

कोलकाता, (ईएमएस)। आरजी कर मेडिकल कॉलेज में हुए रेप-मर्डर मामले और वित्तीय घोटाले की जांच का दायरा अब राजनीतिक गलियारों तक पहुंच गया है। शनिवार को सीबीआई अधिकारियों ने टीएमसी के सेरामपुर विधायक सुदीप्तो रॉय के सिन्थी स्थित आवास पर छापा मारा। इस दौरान विधायक घर पर मौजूद नहीं थे, लेकिन जांचकर्ताओं ने उनकी बेटी से पूछताछ की।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रॉय का नाम इसलिए संदेह के घेरे में है, क्योंकि 9 अगस्त 2023 यानी घटना वाले दिन उन्होंने तत्कालीन आरजी कर मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल संदीप घोष से बातचीत की थी। सीबीआई और ईडी की नजर इस बात पर है कि क्या यह बातचीत महज संयोग थी या इसमें कोई बड़ी साजिश छिपी है। रॉय के घर पर सीबीआई और ईडी की टीमें पहले भी पहुंची थीं। उस समय आरोप था कि उन्होंने अस्पताल के उपकरणों को अपने नर्सिंग होम में शिफ्ट कराया और मशीनों की स्वैपिंग की। रिपोर्ट के मुताबिक पूर्व डिप्टी सुपरिंटेंडेंट अख्तर अली समेत कई अधिकारियों ने विजिलेंस कमीशन और ईडी में शिकायत दर्ज कराई थी कि रॉय ने संदीप घोष के साथ मिलकर एक भ्रष्टाचार का जाल बुना था। रॉय पर केवल वित्तीय गड़बड़ी ही नहीं बल्कि कई अन्य गंभीर आरोप भी लगे हैं। उन पर आरोप है कि रोगी कल्याण समिति के चेयरमैन रहते हुए उन्होंने अस्पताल परिसर में अवैध स्टॉल खुलवाए। इसके अलावा पैथोलॉजी तकनीशियन, ईसीजी तकनीशियन और फोटोकॉपी सेंटर की मनमानी नियुक्तियां कराई। वहीं, कई अकादमिक कोर्स में फर्जी दाखिले और मरीजों को जानबूझकर अपने नर्सिंग होम भेजने जैसे आरोप भी रॉय पर लगाए गए हैं।

टीएमसी पहले से ही आरजी कर मामले को लेकर रक्षात्मक स्थिति में है। अब जांच की आंच सीधे टीएमसी विधायक तक पहुंच गई है, जिससे पार्टी की छवि पर बड़ा असर पड़ सकता है। अब विपक्ष सवाल उठा सकता है कि एक विधायक अस्पताल प्रशासन में इस हद तक दखल कैसे दे सकता है? साथ ही मेडिकल कॉलेज में रेप-मर्डर जैसी घटना और उसके साथ जुड़े वित्तीय भ्रष्टाचार ने आम जनता का भरोसा हिला दिया है।

बैंग्लुरु में उबर, ओला और रैपिडो जैसी बाइक टैक्सियां सड़क पर आईं नजर

बेंगलुरु। कर्नाटक हाईकोर्ट ने शनिवार को कहा कि उसने बेंगलुरु में बाइक टैक्सी सेवाओं को दोबारा शुरू करने का कोई आदेश नहीं दिया है। कोर्ट की यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब 22 अगस्त को शहर की सड़कों पर उबर, ओला और रैपिडो जैसी कंपनियों की बाइक टैक्सियां नजर आईं।

हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस विभु बखरु और जस्टिस की खंडपीठ ने कहा कि प्रदेश सरकार चाहे तो एग्रीगेटर कंपनियों पर कानून के मुताबिक कार्रवाई कर सकती है, लेकिन व्यक्तिगत बाइक मालिकों और राइडर्स को परेशान न किया जाए। 23 अगस्त को एडवोकेट जनरल शशिकिरण शेट्टी ने हाईकोर्ट को बताया कि कई ऑपरेटरों ने बिना किसी कोर्ट की अनुमति के सेवाएं फिर से शुरू कर दी गई हैं। इस पर राइडर्स की ओर से पेश वकीलों ने दलील दी कि पुलिस और परिवहन विभाग उनकी गाड़ियां जब्त कर रहे हैं।

केंद्र सरकार 8वें वेतन आयोग के टीओआर इस माह कर सकती है जारी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए 8वें वेतन आयोग के टर्म्स ऑफ रेफरेंस (टीओआर) इस महीने जारी किए जा सकते हैं। अगर ऐसा हुआ तो लाखों कर्मचारियों और पेंशनधारकों की सैलरी और पेंशन संरचना में बड़ा बदलाव देखने को मिल सकता है। यही वजह है कि 8वें वेतन आयोग की चर्चा इन दिनों तेज हो गई है और सभी की निगाहें सरकार के अगले कदम पर टिकी हुई हैं।

नेशनल ज्वाइंट काउंसिल कंसल्टेटिव मशीनरी (एनसी-जेसीएम) के कर्मचारी पक्ष के सचिव ने बताया कि हमें उम्मीद है कि सरकार जल्द ही टीओआर को मंजूरी दे देगी, लेकिन अभी कुछ कहा नहीं जा सकता। बता दें एनसी-जेसीएम, नौकरशाहों और कर्मचारी संघ के प्रतिनिधियों से बनी एक संस्था, केंद्र सरकार और उसके कर्मचारियों के बीच विवादों को बातचीत के जरिए सुलझाने के लिए एक अहम मंच के रूप में काम करती है।

बता दें टर्म्स ऑफ रेफरेंस (टीओआर) दरअसल वह दस्तावेत है, जिसमें आयोग को यह बताया जाता है कि उसे किस-किस मुद्दे पर अध्ययन और सिफारिश करनी है। इसमें बेसिक पे, फिटमेंट फैक्टर, पेंशन, भत्ते और अन्य सुविधाओं से जुड़े बिंदु शामिल होते हैं। जैसे ही टीओआर जारी होगा, आयोग आधिकारिक तौर पर अपना काम शुरू कर देगा।

वोट चोरी करने वालो को, घेऊन जा.. री... नारबोद

वोट चोर, गद्दी छोड़ के नारे को आबाद कर, सरकार पर कसा गया तंज

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। रविवार को बालाघाट नगर में नारबोद का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। जहां इस पर्व विशेष पर इस बार राजनीति की झलक देखने को मिली। जहां राष्टीय व अंतराष्टीय मद्दों को लेकर नगर में निकाली गई नारबोद की चर्चा, पूरे जिले व संपूर्ण प्रदेश में देखने को मिली। जहा के स्थानीय लोगो ने नारबोद पर्व पर एक पुतले का निर्माण कर उसपर वोट चोर, गद्दी छोड़ और डोनाल्ड ट्रंप धोखेबाज है के नारे लिखे, जिसमे अब जनता जाग चुकी है का उल्लेख कर, पुतले को ढोल नगाड़ों के साथ नगर का भृमण कराया गया।जिसके उपरांत शहर की सीमा से बाहर लेकर उस पुतले का दहन किया गया।इस पूरे कार्यक्रम के दौरान लोगो को, वोट चोरी करने वालो को ,घेऊन जा.. री... नारबोद के नारे लगाते हुए देखा गया।तो वही इस आयोजन को देखने वालों लोगो ने भी अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप , भारत सरकार और चुनाव आयोग पर साधे गए इस अनोखे तंज और नारबोद प्रदर्शन का जमकर लुत्फ उठाया।इस तरह नगर में आयोजित नारबोद पर्व का समापन किया गया।

असुर शक्ति पर विजय के रूप में मनाया जाता नारबोद पर्व

आपको बताए कि बालाघाट नगर में प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी बूढ़ी शिव मंदिर के पास से पूतना नामक रक्षसी का पुतला निकाला गया था।जिसपर सरकार और चुनाव आयोग पर तंज कसते हुए वोट चोरी करने वालो को घेऊन जा.. री.. नारबोद कहते हुए उस पुतले को विभिन्न मार्गो का भ्रमण करते हुए नगर की सीमा के बाहर ले जाकर उसका दहन किया गया।मान्यता के अनुसार इस पर्व को असुर शक्ति पर विजय के रूप में मनाया जाता है और पूतना के पुतले को ही नारबोद कहा जाता है।

जिले भर में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया नारबोद पर्व

प्राचीन समय से चली आ रही परंपरा को जीवित रखते हुए रविवार को जिला मुख्यालय सहित अन्य ग्रामीण अंचलों में नारबोद पर्व पूर्ण विधि-विधान व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया।जहा ग्रामीण अंचलों के साथ साथ नगरी क्षेत्र में भी इस पर्व की धूम नजर आई।वही ग्रामीण क्षेत्रो में लोग इस पर्व को लेकर काफी उत्साहित दिखे। जहां पूर्ण विधि-विधान से वर्षों से चली आ रही परंपरा के अनुसार नारबोद का यह पर्व मनाया गया और अल सुबह से ही ग्रामीण क्षेत्रों में घेऊन जा.री..नारबोद के स्वर गूंजते रहे। जहां नगर में मारबत के पुतले पर वोट चोरी करने वालो को, तो ग्रामीणों ने मारबत के पुतले पर, खाँसी खोखला घेऊन जा रही नारबोद लिखकर गांव की सीमा के बाहर जाकर पुतला का दहन किया ।वहीं कई किसानों ने अपनी फसलों को कीट बीमारी आदि से बचाने के लिए गराडी नामक पौधे की टहनियां फसलों में गड़ा कर अच्छी फसल होने की कामना की। वहीं कई ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में देश सहित घर की सुख समृद्धि व शांति के लिए लोगों ने पूतना नामक पुतले को गाँव के बाहर ले जाकर उसका दहन कर नदी और तालाबों में मिट्टी के दियो का विसर्जन किया।

बीमारी आफत बला को अपने साथ ले जाने के गूंजते रहे स्वर

नारबोद पर्व पर लोगों को, खासी खोखला व मौसमी बीमारियो को ले जा..री.. नारबोद के स्वर के साथ पुतना के पुतले को गाँव के बाहर करते देखा गया। इस दौरान आफत बलाओ को भी अपने साथ ले जाने के नारे गूंजते नजर आए ।आपको बताएं कि पोला पर्व के ठीक दूसरे दिन नारबोद का यह पर्व मनाया जाता है।प्राचीन मान्यता के अनुसार बारिश के इस मौसम में मौसमी बीमारियों तथा महामारी का डेरा जम जाता है मौसमी बीमारियों और महामारी से गांव को बचाने के लिए लोग एक पुतला बनाकर उसे गांव से बाहर ले जाकर जला देते हैं। वही बीमारियों को साथ ले जाने का उद्घोष करते हैं।

नदी और तालाबों में किया मिट्टी के दीए का विसर्जन

नारबोद के अवसर पर लोगों ने मिट्टी के दिए बनाकर उनका परंपरा के अनुसार नदी नालों व अन्य जलाशयों में विसर्जन किया और इस दौरान खासी खोखला सहित अन्य बीमारी को अपने साथ ले जाने की प्रार्थना की।आपको बताए कि पौराणिक मान्यताओं के अनुसार कृष्ण जन्माष्टमी के पांचवे दिन गोकुल में बाबा नंद के घर बालक कृष्ण को उसके मामा कंस द्वारा भेजी गई पूतना राक्षसी मारने आती है। जिसका वध बालक कृष्ण के हाथों होता है।वर्षों से चली आ रही यही परंपरा आज भी निभाई जा रही है जहां इसी परंपरा के अनुसार पूतना का दहन कर मरबाद का पर्व मनाया जाता है।

वर्षो से चली आ रही परंपरा का किया गया निर्वाह-

नारबोद पर्व पर तैयार किए गए अनोखे पुतले और वोट चोर, गद्दी छोड़ के स्लोगन को लेकर की गई चर्चा के दौरान स्थानीय निवासी अधिवक्ता वाय. आर बिसेन और युवक कपिल ने संयुक्त रूप से बताया कि यह वर्षों पुरानी एक परंपरा है। जब बूढ़ी क्षेत्र एक गांव था, लोगों को बीमारियों के बारे में जानकारी नहीं थी उस समय तरह-तरह की बीमारियां होती थी। इसीलिए करीब 70- 80 वर्ष पूर्व क्षेत्र के बड़े बुजुर्ग लोगों द्वारा इस तरह पुतले का निर्माण कर नारबोद का पर्व मनाया जाता था।जहां घर के क्लेश को बाहर निकालने और घर की सुख शांति के लिए मारबत का पुतला बनाकर उसे गांव के बाहर ले जाकर विसर्जित करते हैं या फिर जला देते हैं। वर्षों से चली आ रही यहां परंपरा अब भी कायम है और लोग पूरे उत्साह के साथ इस पर्व को मनाते हैं। हालांकि नारबोद पुतले पर लिखे गए स्लोगन को लेकर उन्होंने खुलकर कोई बयान नहीं दिया। लेकिन उन्होंने स्पष्ट कर दिया कि यह बात पूरे देश में चल रही है की वोट चोरी करके सत्ता हासिल की जा रही है।जिसका संदेश भी स्थानीय लोग दे रहे हैं।

16 वर्ष की आयु में लापता बालिका 17 वर्ष बाद की गई दस्तयाब

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। वारासिवनी पुलिस ने ऑपरेशन मुस्कान के तहत एक 16 वर्षीय नाबालिक लड़की को 17 साल बाद छत्तीसगढ़ राज्य के बिलासपुर से दस्तयाब कर इस लड़की को उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिए। यह बालिका अब 34 वर्ष की एक युवती है। जिसे दस्तयाब करने में 60 से अधिक लोगों से पूछताछ की गई तो वहीं वारासिवनी पुलिस को 1300 किलोमीटर का लम्बा सफर तय करना पड़ा।

वारासिवनी पुलिस के मुताबिक सन 2008 में पुलिस थाना में एक व्यक्ति ने अपनी नाबालिक 16 वर्षीय बेटी के गुम होने की रिपोर्ट की थी। रिपोर्ट दर्ज होने के बाद से ही इस नाबालिक बालिका की लगातार तलाश की जा रही थी। 17 वर्षों से लगातार तलाश करने के बावजूद पुलिस को सफलता नहीं मिली। हाल ही में पुलिस अधीक्षक द्वारा चलाए जा रहे ऑपरेशन मुस्कान के तहत वरिष्ठ अधिकारियों के मार्गदर्शन में गठित टीम द्वारा पुनः इस बालिका की तलाश शुरू की गई। इस मामले से जुड़े 60 से अधिक लोगों से पूछताछ की गई। मध्य प्रदेश के अलावा अन्य कई राज्यों में इस बालिका के होने की संभावना को देखते हुए सूचना दी गई थी। इन्हीं प्रयासों से प्राप्त सूचना के आधार पर बालिका की जानकारी एकत्र की गई और पुलिस टीम ने अथक प्रयास करते हुए 1300 किलोमीटर से अधिक का लम्बा सफर तय करते हुए छत्तीसगढ़ राज्य में इस बालिका को दस्तयाब करने में सफलता कर हासिल की । उस समय16 वर्ष की यह नाबालिग बालिका अब 34 वर्ष की युवती है। जिसके मिलने पर पिता की आंखें नम हो गई तो उन्होंने बालाघाट पुलिस का आभार व्यक्त किया है। जानकारी के मुताबिक यह युवती छत्तीसगढ़ राज्य के बिलासपुर में अपने पति, दो बच्चों के साथ रहती थी और वह बिलासपुर में ही किसी कंपनी में काम कर रही थी।

जिले में अब तक 998 मिलीमीटर औसत वर्षा रिकार्ड

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। चालू वर्षा सत्र के दौरान बालाघाट जिले में 01 जून से 24 अगस्त 2025 तक 998 मिलीमीटर औसत वर्षा रिकार्ड की गई है। जबकि गत वर्ष इसी अवधि में 886 मिलीमीटर वर्षा रिकार्ड की गई थी। जिले की औसत सामान्य वर्षा 1447 मिलीमीटर है। 24 अगस्त को प्रात: 08 बजे समाप्त हुए 24 घंटे के दौरान जिले में 03 मिलीमीटर औसत वर्षा रिकार्ड की गई है।

कार्यालय अधीक्षक भू- अभिलेख से प्राप्त जानकारी के अनुसार 24 अगस्त को प्रात: 8:00 बजे समाप्त हुए 24 घंटे के दौरान बालाघाट तहसील में 04 मिलीमीटर, वारासिवनी में 03 मिलीमीटर, बैहर में 05 मिलीमीटर, लांजी में 03 मिलीमीटर, कटंगी में 00 मिलीमीटर, किरनापुर में 02 मिलीमीटर, खैरलांजी में 00 मिलीमीटर, लालबर्रा में 00 मिलीमीटर, बिरसा में 02 मिलीमीटर, परसवाड़ा में 07 मिलीमीटर एवं तिरोड़ी तहसील में 02 मिलीमीटर वर्षा रिकार्ड की गई है। इस प्रकार जिले में बीते 24 घंटे में 03 मिलीमीटर औसत वर्षा रिकार्ड की गई है।

चालू वर्ष सत्र में 01 जून से 24 अगस्त 2025 तक बालाघाट तहसील में 1271 मिलीमीटर, वारासिवनी में 1321 मिलीमीटर, बैहर में 1193 मिलीमीटर, लांजी में 682 मिलीमीटर, कटंगी में 925 मिलीमीटर, किरनापुर में 1066 मिलीमीटर, खैरलांजी में 467 मिलीमीटर, लालबर्रा में 1108 मिलीमीटर, बिरसा में 714 मिलीमीटर, परसवाड़ा में 1243 मिलीमीटर तथा तिरोड़ी तहसील में 990 मिलीमीटर वर्षा रिकार्ड की गई है । इस प्रकार जिले में चालू वर्षा सत्र में अब तक कुल 998 मिलीमीटर औसत वर्षा रिकार्ड की जा चुकी है।

पिता द्वारा मोटरसाइकिल नहीं देने पर बेटे ने खाया कीटनाशक

बालाघाट(पद्मेश न्यूज)। पिता द्वारा मोटरसाइकिल नहीं दिए जाने पर एक युवक ने मानसिक तनाव में आकर घर मे रखी कीटनाशक दवाई का सेवन कर लिया। कीटनाशक दवाई के सेवन से अस्वस्थ युवक अंशुल पिता पितम टेकाम 23 वर्ष ग्राम सालेबर्डी थाना रामपायली निवासी को जिला अस्पताल में भर्ती किया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार अंशुल टेकाम की सालेबर्डी में चाय नाश्ते की दुकान है। 23 अगस्त को दोपहर 4:00 बजे अंशुल टेकाम ने शराब पी लिया था और उसने शराब के नशे में ही अपने पिता से मोटरसाइकिल मांगा, किंतु अंशुल टेकाम को शराब पिए होने के कारण उसके पिता ने मोटरसाइकिल नहीं दी। पिता द्वारा मोटरसाइकिल नहीं देने पर अंशुल टेकाम ने मानसिक तनाव में आकर शराब के नशे में ही कीटनाशक दवाई का सेवन कर लिया। कीटनाशक दवाई का सेवन करने के बाद अंशुल को 6 बार उल्टी हुई और जिसके बाद उसे उसके पिता ने प्राइवेट वाहन से जिला अस्पताल बालाघाट लाकर भर्ती किया।

पैसा ठीक होने के बाद देना
शादी से पहले एवं शादी के बाद
उम्र की अधिकता से कमजोर सेक्स, शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, लिंग का छोटापन, टेडापन, निःसंतान, शुक्राणुओं की कमी, शुगर से आयी कमजोरी आदि सभी सेक्स समस्याओं का शर्तिया ईलाज किया जाता है।
पता-जगजीवन आयुर्वेदिक दवाखाना
गुरूनानक पेट्रोल पंप के सामने समाजवाड़ी रोड, बालाघाट, मो. 9243880464

AICTE भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त एवं RGPV & DTE भोपाल से सम्बध्द
सतपुड़ा इंजीनियरिंग & पॉलिटेक्निक कॉलेज
प्रवेश प्रारंभ
B.Tech. & Polytechnic
- COMPUTER SCIENCE ENGINEERING
- MINING ENGINEERING
- CIVIL ENGINEERING
- MECHANICAL ENGINEERING
- ELECTRICAL ENGINEERING

Lateral Entry Admission NEP 2020 के तहत किसी भी ब्रांच से डिप्लोमा/B.Sc. (Maths) उत्तीर्ण छात्रों का B.Tech. एवं ITI उत्तीर्ण छात्रों का पॉलिटेक्निक के
द्वितीय वर्ष में सीधे प्रवेश
सतपुड़ा कैम्पस, लालबर्रा रोड, गर्रा, बालाघाट
6262604111, 9425836824

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर काली पुतली चौक, बालाघाट से प्रकाशित, संपादक- उमेश बागरेचा, मो.नं. - ९४२५१३८७१० रजि. नं. एम.पी. एच. आई. एन. /२००९/३२३११, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट